जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 356 प्रभात अजमेर, मंगलवार 26 जुलाई, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

सदियों पहले सैकड़ों खानाबदोश कबीले दुनिया भर में घूमते फिरते थे पर अब घुमंतु संस्कृति तेजी से मर रही है। नैनैट जाति ही है, जो अभी भी पूर्णतया खानाबदोश जीवन जी रही है। उत्तरी साइबेरिया में रहने वाली इस जनजाति की आबादी 41,000 है और अधिकांश आदिवासी यमाल (जिसे जमाल भी कहते हैं) में रहते हैं। रेनडियर चराने वाले नैनैट्स आर्कटिक सर्किल के इस बेहद ठंडे मौसम में रहने के आदी हो चुके हैं। साल में दो बार गर्म क्षेत्रों की ओर माइग्रेशन करने वाले नैनैट्स का माइग्रेशन रूट विश्व में सबसे लंबा प्रवास रास्ता है। आर्कटिक की जमी हुई नदियों व भारी बर्फ पर परिवहन के लिए अभी भी ये लकड़ी की स्लैज का ही इस्तेमाल करते हैं। साइबेरियन शमनवाद इनकी पारंपरिक धार्मिक अवधारणा है। जब रुस का साइबेरिया और रुस के अन्य दूरस्थ क्षेत्रों पर अधिपत्य हुआ तो यहां के स्थानीय लोगों की जमीन हड़प कर उन्हें बेदखल कर दिया गया। तीस के दशक में नैनैट्स के धार्मिक नेताओं और शमनों को निष्कासित कर दिया गया। रुसी क्रांति के बाद तो नैनैट संस्कृति बुरी तरह प्रभावित हुई और उसे भारी कष्ट झेलना पड़ा। सोवियत संघ सरकार ने इन्हें जबरन स्थायी रुप से बसाया और बच्चों को बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाया जाने लगा जिससे इनकी सांस्कृतिक पहचान नष्ट होने लगी। यमाल में तो कई नैनैट लोग अपनी मातृ भाषा ही भूल गए। गत कुछ सदियों में पारम्परिक धार्मिक अवधारणाओं में ईसाईयत के कुछ तत्वों का समावेश हो गया। वैसे, अधिकारिक रुप से वैस्टर्न टुंड्रा के नैनैट्स तक ही ईसाई मत पहुँचा है। कुछ पूर्वी समूहों ने स्टालिन के काल तक शमनवाद को बचाए रखा। वैसे अब वर्तमान में शमनवाद खत्म हो गया है। नैनैट्स अपने धार्मिक विश्वास के बारे में बाहरी लोगों से बात करना पसंद नहीं करते हैं पर वे आधुनिक विश्व से मेलजोल रखने से भी नहीं डरते और रेडियो, टीवी आदि का प्रयोग करते हैं लेकिन आधुनिक विश्व की जिस चीज की जरुरत उन्हें नहीं है उसे ठुकरा भी देते हैं। नैनैट्स आज अपनी संस्कृति को जीवित रखने के लिए जूझ रहे हैं। हालांकि, इकोटूरिज़्म ने आशा की यह किरण जगाई है कि, विश्व के आखिरी खानाबदोश रेनडियर चरवाहे अपनी पारम्परिक जीवन शैली आगामी कुछ पीढ़ियों के लिए बचा सकते हैं। रुसी पुरातत्वविद, आन्द्रेई गोलोवनेव ने कहा कि, ये आदिवासी दूसरों की तरह नहीं बनना चाहते, बल्कि जैसे हैं वैसे ही रहना चाहते हैं। इकोटूरिज़्म के तहत यहां हर वर्ष यमाल टूर का आयोजन होता है जो पर्यटकों को नैनैट्स की तरह जीवन जीने का मौका देता है।

ममता बनर्जी ने अपने नजदीकी मित्र व वरिष्ठ मंत्री पार्थो चटर्जी के प्रकरण से हाथ धोये

पार्थो ने गिरफ्तारी के बाद ममता जी के निजी मोबाइल पर चार बार फोन किये, पर मु.मंत्री ने फोन नहीं उठाया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जुलाई। अपने निकटतम सहयोगी और दशकों पुराने मित्र की गिरफ्तारी के कई दिन बाद लगता है अब ममता बनर्जी सदमे से निकल पाई हैं। आज उन्होंने कहा कि वे भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं करती।

इसी बीच पार्थो चटर्जी को भुवनेश्वर के एम्स में भर्ती कराया गया, वहां चिकित्सकों ने उनकी स्वास्थ्य जांच की और कहा कि उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की कोई जरूरत नहीं है वे पहले भी पूरी तरह फिट थे और अभी भी फिट हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने पार्थो की लगभग 100 करोड़ रू. की अवैध सम्पत्ति और जब्त की।

पश्चिम बंगाल में जो भी गलत काम करते पकड़ा जाता है अगर वह तृणमूल कांग्रेस से संबंधित है तो बीमार पड़ जाता है और राज्य के जाने-माने सरकारी अस्पताल में भर्ती हो जाता है जहां उन्हें गंभीर रूप से बीमार होने का प्रमाण पत्र दिया जाता है जिससे अस्पताल में भर्ती होने की मंजूरी मिल जाती है।

- **साधारण तौर पर हर मु.मंत्री का यह ही रवैया होता है कि, किसी भी मंत्री/नेता/कार्यकर्ता का उपयोग किया और फिर उसको रद्दी की टोकरी में डाल दिया।**
- **पर, पार्थो के प्रकरण में ऐसा नहीं होगा, यह लोगों का अंदाजा था। पार्थो काफी पुराने व विश्वासी रिश्ते रखते थे मु.मंत्री से। पर, उनको वह सुविधा भी नहीं मिल पायी, जो तृणमूल कांग्रेस के आम नेताओं को उपलब्ध थी कि, अपराध करके आलीशान सरकारी पी.जी. अस्पताल के वुडबर्न वॉर्ड में भर्ती हो जाये तथा वहां से आसानी से गंभीर बीमारी, जिसका लम्बा इलाज चलना जरूरी हो, का सर्फिफिकेट मिल जाता था।**
- **पर, ई.डी. ने पार्थो को एयर एम्बुलैंस से उड़ीसा अस्पताल में भेज कर दाखिल करा दिया, जिससे पार्थो से पूछताछ में किसी ''माध्यम'' से विघ्न नहीं पड़ जाये।**
- **पार्थो से अब तक लगभग 100 करोड़ की सम्पत्ति व धन के कागजात मिले हैं, ई.डी. को।**

गिरफ्तार के बाद पार्थो ने भी यही किया पर ई.डी. के आवेदन पर कोलकाता हाई कोर्ट ने उन्हें निष्पक्ष जांच के लिए भुवनेश्वर एम्स भेज दिया। इसके बाद पार्थो को हाई क्लास पी.जी. हॉस्पीटल के हाई क्लास बुडवर्न वॉर्ड से एयर एम्बुलैंस से भुवनेश्वर ले जाया गया।

अपने मंत्री पार्थो चटर्जी के पास 21 करोड़ रू. की नकदी और बहुत से बंगलों, फ्लैट्स आदि के दस्तावेज मिलने के बाद ऐसा लगा कि ममता बनर्जी भूमिगत हो गईं थी और अब जाकर वे पार्थो से दूरी बनाने की कोशिश कर रही हैं।

हालांकि वे पार्थो से दूरी बनाने की कोशिश कर रही है। पर पार्थो ऐसा नहीं कर रहे। उन्होंने गिरफ्तारी के तुरंत बाद उन्होंने अपने मोबाइल से ममता बनर्जी तीन-चार कॉल किए। मुख्यमंत्री ने उनका कोई भी कॉल नहीं उठाया। पार्थो की गिरफ्तारी की खबर मुख्यमंत्री तक पहुंच चुकी थी और उन्होंने पार्थो से दूरी बनानी शुरू कर दी थी।

उनका व्यवहार ऐसा ही या इससे भी बुरा होता है। वे अपने लक्ष्य और फायदे के लिए लोगों का इस्तेमाल करने के लिए जानी जाती हैं उसके बाद छोटा सा मौका मिलते ही वे उन्हें छिटक देती हैं। अपने सहयोगियों के साथ इस निष्ठुर व्यवहार का पार्थो एक और उदाहरण है।

इस बीच उनके कई प्रवक्ताओं ने उनके कथनों को यथावत दोहराना शुरू कर दिया है। कुणाल घोष, जो एक स्वघोषित पत्रकार हैं, ने अपनी पहली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सम्पूर्ण विपक्ष, जिसमें आप व तृणमूल भी शामिल हैं, ने दो पेज का पत्र लिखा'

राज्यसभा के सभापति वेकैंया नायडू को लिखे पत्र में, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन का अपमान करने का आरोप लगाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जुलाई। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को उनके पद अनुरूप सीट पर नहीं बिठाने को लेकर तृणमूल कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियों ने राज्यसभा सभापति एम. वेंकैया नायडू के समक्ष सोमवार को विरोध जताया।

दो पृष्ठों के विरोध पत्र में कहा गया है कि राजकीय औपचारिक समारोहों में बैठने के स्थानों का पूर्वताक्रम निर्धारित करने वाले राजकीय निर्देश पत्र और खड़गे को प्रदत्त उचित शिष्टाचार प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर एक बहुत सीनियर नेता के जानबूझकर किए गए अपमान के प्रति हम हमारे विरोध और आघात को लिखकर व्यक्त कर रहे हैं।

- **विपक्ष का कहना है कि, राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में मल्किार्जुन खड़गे को उस जगह बिठाया गया, जो परम्परा का उल्लंघन है और खड़गे जिस पद पर हैं, उनकी प्रतिष्ठा के अनुरूप भी नहीं है।**

हालांकि, केन्द्रीय मंत्री एवं सदन के नेता पीयूष गोयल ने राज्यसभा में कहा कि सिटिंग अरेन्जमैंट प्रोटोकॉल के हिसाब से किया गया था और खड़गे जिस पद पर हैं, उसका निरादर नहीं किया गया।

इस बीच, सदन की गत सप्ताह की पांचों बैठकें विफल कर चुका कोलाहल सोमवार को भी जारी रहा और दोनों सदनों की कार्यवाहियां बार-बार स्थगित हुईं। सदन के वैल में तख्तियां हाथों में लेकर नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों पर स्पीकर ओम बिड़ला भड़क गए और उन्होंने कहा कि यह अंतिम चेतावनी फिर उनके पास कार्रवाई करने के अतिरिक्त कोई विकल्प शेष नहीं रहेगा।

सदन को दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित करते हुए उन्होंने विपक्षी सदस्यों से कहा कि यदि वे सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने देने के लिए तैयार हैं तो उनका स्वागत हैं, अन्यथा विरोध करने के अपने अधिकार का इस्तेमाल सदन के बाहर कर सकते हैं। जब सदन दोपहर 3 बजे पुन: जुटा तब भी सदन में लगातार शोर-शराबा जारी रहा।

जब राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 3 बजे पुन: शुरू हुई तब वहां भी माहौल कोलाहल पूर्ण था। आसन पर बैठे डॉ. सम्बित पात्रा ने सदन की कार्यवाही दोपहर 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

राज्यसभा में कांग्रेस के चीफ व्हिप जयराम रमेश ने ट्वीट किया कि "टी.एम.सी. और आप पार्टी सहित समूचा विपक्ष कीमत वृद्धि और खाद्य पदार्थों पर लगाई गई जी.एस.टी. पर त्वरित बहस की मांग करता रहा है, लेकिन मोदी सरकार अड़ियल रवैया अपनाए हुए है और उनसे बहस कराने से इंकार कर दिया है। विरोध जारी है.....।"

वोटर आई.डी.

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला को निर्देश दिये कि वे अपनी उस याचिका को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय जायें, जिसमें दिसम्बर 2021 में पारित 'चुनाव कानून (संशोधन) विधेयक को चुनौती दी गई है क्योंकि इस विधेयक में "आधार" को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने का प्रावधान किया गया है।

उन्हें उच्च न्यायालय जाने की छूट देते हुये, न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ तथा ए.एस. बोपन्ना की बैंच ने कहा: "पी.आई.एल. वादी ने चुनाव कानून संशोधन अधिनियम की धारा 4 तथा 5 की वैधता को चुनौती दी गई तथा उसके प्रभावी वैकल्पिक उपचार का मुद्दा उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।

अपनी याचिका में, सुरजेवाला ने आधार को मतदाता पहचान पत्र से जोड़े जाने को चुनौती देते हुये, इसे पूरी तरह "विवेकहीन" तथा "नागरिकों की जिनता के मौलिक अधिकार का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **वोटर आई.डी. को आधार से लिंक करने के नए संशोधन विधेयक के खिलाफ याचिका दायर करने वाले रणदीप सिंह सुरजेवाला को सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट जाने के निर्देश दिए।**

सांसद निलम्बित

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जुलाई। अठारह जुलाई को शुरु हुए संसद के मानसून सत्र में लगातार हो रहे हंगामे पर कार्रवाई करते हुए संसदीय मामलात मंत्री प्रहलाद जोशी ने लोकसभा में कांग्रेस के चार सांसदों, मनिकम टैगोर, टी.एन. प्रतापन, जोतीमणी और राम्या हरिदास को मानसून सत्र के बाकी बचे समय, 12 अगस्त तक के लिए निलंबित कर दिया। शाम चार बजे से कुछ पहले जोशी द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव को लोकसभा ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे राजेन्द्र अग्रवाल ने हंगामे के बावजूद सदन की कार्रवाई को जारी रखते हुए शोरशराबा व विरोध कर रहे सांसदों को कई बार, दिन के शुरु में स्पीकर द्वारा दी गई चेतावनी की याद दिलाई और तुरंत ही सदन को स्थगित कर दिया।

- **लोकसभा के शेष मानसून सत्र में कांग्रेस के चार सांसदों को स्पीकर ने निलम्बित कर दिया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट में वकीलों को चैम्बर आवंटन का मामला उलझा

सुप्रीम कोर्ट ने यह व्यवस्था जरूर दी कि, आवंटन का मामला अब आगे नहीं खिसकाया जायेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को वकीलों को अपने परिसर में "चैम्बर"-आवंटन को अस्थगित करने से इंकार करते हुए, बार के सदस्यों को निर्देश दिये कि वे 3 जजों वाली कमेटी के समक्ष अपने आवेदन प्रस्तुत करें। अदालत ने कहा कि इस कमेटी के समक्ष वे दो वकीलों को साझे रूप से एक चैम्बर, जिसके लिये उसका विभाजन किया जाना अनिवार्य होगा, के आवंटन पर अपनी आपत्ति भी प्रस्तुत कर सकते हैं।

काफी विचार-विमर्श के बाद, न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ तथा ए.एस. बोपन्ना की बैंच इस याचिका को लम्बित रखने के लिये सहमत हो गई। बैंच ने कहा कि न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, सूर्यकांत तथा जे.के. महेश्वरी की कमेटी उनकी शिकायतों पर विचार करेगी।

- **आवंटन का विरोध कर रहे वकीलों के एक वर्ग ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।**
- **इस वर्ग का कहना है कि, पिछली आवंटन कमेटी ने एक वकील को एक चैम्बर आवंटित करने का निर्णय लिया, पर नयी कमेटी एक चैम्बर में दो वकीलों को बिठाना चाहती है।**
- **सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि, अगर एक चैम्बर एक वकील को आवंटन होगा तो, चैम्बर पाने वाले वकीलों की ''एप्रूवड'' (स्वीकृत) लिस्ट आधी रह जायेगी।**

वादी वकीलों की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ वकील पी.एस.पाटवालिया ने अदालत को बताया कि इससे पहले वाली कमेटी ने 3 मार्च को चैम्बरों को एकल आवंटन किया जाने का निर्णय किया था, लेकिन वर्तमान कमेटी 9 गुणा 16 वर्ग फीट के प्रत्येक चैम्बर को दो हिस्सों में बांटना चाहती है। यह असंभव है तथा जिन वकीलों को आवंटन किया जायेगा, उनके लिये हितकर नहीं है।

न्यायमूर्ति चन्द्रचूड़ ने मुँहतोड़ जवाब देते हुए कहा कि इस बैंच के समक्ष जो एकल आवंटन की बात कही गयी है, उसे मानने से, वर्तमान नोटिस के अनुसार, उन आधे वकीलों को चैम्बरों से बाहर होना पड़ेगा, जिन्हें आवंटन किया जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

साढ़े 3 साल में साढ़े चार सौ से ज्यादा तबादला सूचियों के जरिए 5 हजार अधिकारियों को किया गया इधर-उधर

इन तबादलों पर सरकार को उठाना पड़ा है 300 करोड़ रू. से ज्यादा का खर्चा

जयपुर, 25 जुलाई (का.प्र.)। कल देर रात राजस्थान सरकार ने 27 आरएएस अधिकारियों के तबादले किए थे और आज शाम को पांच आरपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए है। वैसे तो सरकारी कामकाज का यह हिस्सा होता है कि अधिकारियों के तबादले होते रहते हैं, लेकिन लगता है कि साढ़े 3 साल पहले सत्ता में आई कांग्रेस सरकार इस बार तबादलों का रिकॉर्ड बनाने में जुटी है। यही कारण है कि साढ़े 3 साल में ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार ने साढ़े 400 से ज्यादा तबादला सूचियां निकालते हुए करीब 5 हजार अधिकारियों को इधर-उधर किया है। मतलब साफ है कि सरकार ब्यूरोक्रेसी के साथ में ना खुद को एडजस्ट कर पाई, ना ब्यूरोक्रेसी को किसी एक जगह एडजस्ट होने दिया। कारण कुछ भी बताए जाएं, लेकिन लगातार अधिकारियों के तबादलों का असर यह रहा कि सरकार के कामकाज में जो गति दिखनी चाहिए थी, उस पर भी लगातार ब्रेक लगते रहे।

बात सिर्फ यह नहीं है कि अधिकारियों के तबादले हो रहे हैं,बल्कि दूसरी बात यह है कि जिस राज्य में बजट को लेकर कई जगह समस्या बताई जाए, उस राज्य में यदि इस तेजी के साथ तबादले होते हैं, तो सरकार का बजट इन तबादलों पर भी खर्च होता है। एक मोटे अनुमान के मुताबिक अधिकारी एक जगह से दूसरी जगह जाता है, और यदि वह भारतीय प्रशासनिक सेवा का अधिकारी है, तो लगभग एक लाख रुपया उसके तबादले पर, जिसमें कि आना-जाने का खर्च और इस दौरान वह छुट्टी लेता है, तो छुट्टियों के वेतन का खर्च सरकार का होता है। वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के मामले में यह खर्चा 50 से 60 हजार तक लगभग होता है। कई मामलों में यह खर्चा कम ज्यादा भी हो सकता है। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि साढ़े 3 साल के दौरान साढ़े 400 तबादला सूचियां निकली है और इन सूचियों के जरिए 5 हजार छोटे बड़े अधिकारियों को इधर-उधर किया गया है, तो उसमें मोटे तौर पर सरकार का 300 करोड़ से ज्यादा खर्चा हुआ है।

- **तबादलों का कारण, कहीं मंत्री-विधायकों से अफसरों का टकराव, कहीं अन्य राजनीतिक कारण।**

वैसे तबादलों का बड़ा कारण यही होता है कि कभी सरकार के मंत्री की अधिकारी से नहीं बनी, तो कभी अधिकारी मंत्री के साथ खुद को एडजस्ट नहीं कर पाए। कभी विधायक नाराज हुए , तो कभी अन्य राजनीतिक कारण बने। सूची में आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आरएएस और आरपीएस जैसे सभी अधिकारी शामिल हैं।

सरकार बदलने के साथ ही अधिकारियों को बदलना तो इसलिए ठीक माना जाता है, कि सरकार नई बनती है, तो वह अपने हिसाब से ब्यूरोक्रेसी को बदलती है, लेकिन यह बदलाव यदि एक प्रक्रिया का हिस्सा बन जाए और सरकार लगातार सिर्फ तबादला सूचियां निकालने में ही लगी रहे तो सवाल उठना लाजमी है। जब प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनी थी, तो उस दौरान कई मंत्रियों का अधिकारियों के साथ विवाद सामने आया था। उस विवाद के चलते कई अधिकारियों को बदला गया था। लेकिन लगातार होते तबादलों के आंकड़े देखे जाएं तो चौंकना स्वाभाविक है।

अशोक गहलोत सरकार के साढ़े 3 साल के कार्यकाल में हुए तबादलों पर नजर डाली जाए तो 109 बार आईएएस अफसरों की तबादला सूची में 360 अफसरो को, 31 बार आईएफएस अफसरों की तबादला सूची में 286 अफसरों को, 65 बार आईपीएस अफसरों की तबादला सूची में 635 अफसरों का तबादला किया गया। इसी के साथ 157 बार आरएएस अफसरों की तबादला सूची में 2093 अफसरों को, तो गृह और पुलिस मुख्यालय से 120 से ज्यादा तबादला सूची में 1250 से ज्यादा अफसरों के तबादले किए गए।

ऐसा नहीं है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में ही तबादला सूचियां निकली हों। पिछली वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल की बात की जाए तो उस दौरान पांच साल में 144 बार आईएएस, 58 बार आईएफएस, 71 बार आईपीएस और 262 बार आरएएस की तबादला सूची जारी हुई थी। मतलब यह की वसुंधरा सरकार ने अपने 5 साल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विज्ञान पर जी.एस.टी.!

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जुलाई। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को मोदी सरकार पर प्रहार करते हुए कि वैज्ञानिक उपकरणों पर गुड्स एण्ड सर्विसेज टैक्स (जी.एस.टी.) बढ़ाकर 5 प्रतिशत से 18 प्रतिशत कर दिय जाने से वैज्ञानिक शोध कार्य प्रभावित होगा।

- **राहुल गांधी ने वैज्ञानिक उपकरणों पर जी.एस.टी. 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने का विरोध किया और कहा कि इससे वैज्ञानिक रिसर्च प्रभावित होगी।**

राहुल गांधी ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, "सरकार अपनी विचारहीनता प्रदर्शित कर रही है तथा पूरे देश में वैज्ञानिक शोध कार्यों को कम कर रही है। याद रखिये, यह सरकार इस वर्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मनुष्य को आपत्ति का सामना करने, सहायता देने के लिए मुस्कान से बड़ी कोई चीज़ नहीं है। –तिरुवल्लुवर

अँधेरे को गहरा करती लाल बत्ती और लाल पट्टी

हर देश को स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु कठिन परीक्षाओं से गुज़रना पड़ता है, बलिदान करना पड़ता है। ऐसे देश अपवाद ही होंगे जिन्हें सरलता से स्वतंत्रता मिल गई हो। भारत को भी अनेक बलिदान देने पड़े हैं। स्वतंत्रता के बाद भारत में लोकतांत्रिक पद्धति के शासन की स्थापना हुई। जनता द्वारा जनता के लिये, जनता की सरकार का प्रारंभ हुआ। लोकतंत्र की स्वस्थ परम्पराओं के साथ हमने ब्रिटिश राज की अनेक विकृतियों को भी स्वीकार ही नहीं किया, उन्हें पोषित व पल्लवित किया। इन्हीं में से एक यह रही कि शासक व शासित का भेद बरकरार बनाये रखा। इनमें से एक है राजकीय वाहनों पर लाल पट्टी और कई शासकीय अधिकारियों के वाहनों पर विशेष प्रकार की नीली या लाल बत्तियाँ। प्रश्न यह पूछा जाना चाहिये कि राजकीय वाहनों पर उन्हें सामान्य वाहनों से अलग करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? धीरे-धीरे यह प्रवृत्ति जनप्रतिनिधियों, प्रमुख अथवा श्रेष्टि वर्ग के लोगों ने भी अपना ली।

प्रधानमंत्री ने अपने प्रथम टर्म के प्रारंभ में ही इस परम्परा पर प्रहार किया और इसमें कुछ कमी आई। परंतु अभी भी किसी न किसी रूप में इसका प्रयोग करने की दुष्प्रवृत्ति विद्यमान है। राजकीय कार्य अथवा अभियान के किसी कार्य में व्यवधान न हो अत: कानून व्यवस्था अथवा तत्काल चिकित्सा से जुड़े वाहनों पर लाल पट्टी उचित हो सकती है। परंतु घर से ऑफिस तथा ऑफिस से घर जाने अथवा सामान्य कर्त्तव्यों के निर्वहन में इसकी कतई आवश्यकता नहीं है। केवल दंगों व उपद्रवों में इनका त्वरित कार्रवाई हेतु उपयोग हो सकता है, परंतु उसमें भी आजकल राजकीय वाहनों को विशेष रूप से चिन्हित किया जा रहा है, अत: इसके विकल्प पर भी सोचा जाना चाहिये। कर्त्तव्यों के सामान्य निर्वहन में तो ये परम्परा अत्यंत बाधक बन ही रही है। पहली बुराई तो यही बढ़ती है कि ये लाल चिन्ह वाले हमारे हाकिम व हम इनके गुलाम हैं। इस प्रकार लाल चिन्ह वालों और सामान्य जनता में कभी तादात्म्य स्थापित हो ही नहीं सकता। तुरंत चिन्हों से दूर होने-रखने की भावना जागृत होती है। दूसरा दुष्परिणाम यह है कि असामाजिक तत्व पहले ही सावधान होकर अदृश्य हो जाते हैं। अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों को ज़मीनी हालत ही पता नहीं लगती। कानून-व्यवस्था के ज़िम्मेदार व्यक्तियों के लिये विशेष व्यवस्था अपवाद रह सकती है।

जहाँ कहीं भी कर्त्तव्य निर्वहन की निगरानी की जानी है, यह लाल पट्टी, लाल बत्ती तथा हॉर्न आदि अनुशासनहीन एवं लापरवाह लोगों को दूर से ही सावचेत कर देता है। विशेष रूप से स्कूल, हॉस्पिटल, गली, मोहल्लों, सड़कों व बाज़ारों में आप बिना सूचना ही वस्तुस्थिति जान सकते हैं। शासकीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की बेखबरी इसी कारण बढ़ती है।

60 वर्ष एक ही दल का शासन रहा और उसने गुलामी की ही अनेक परपम्राओं को और बढ़ाया। इनमें से एक सिविल लाइन्स और अधिकारियों व राजनेताओं के बड़े-बड़े बंगले हैं और उनका विशाल क्षेत्रफल है। वे सभी सामान्य जनता के बीच सामान्य नागरिक की भाँति रहते तो जनता से सामीप्य के कारण कुछ अंधेरा दूर होकर, लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रकाश फैलता।

चौराहों पर खड़े यूनिफार्मधारियों को कहीं एक ओर खड़े, गपशप करते, धूम्रपान करते, विश्राम करते देखा जा सकता है। बताइये, लाल पट्टी, लाल बत्ती और हॉर्न के साथ आप उन्हें कैसे देख पायेंगे? स्कूल में छात्रों-शिक्षकों के सुचारू शिक्षण प्रशिक्षण, अनुशासन एवं कर्त्तव्य पालन का निरीक्षण कैसे होगा? हॉस्पिटल की अराजकता, अव्यवस्था, अस्वच्छता, अनुशासनहीनता व वहाँ एक-दूसरे के प्रति व्यवहार, चिकित्सकों का उपचार स्तर आदि कैसे देख पायेंगे? यही नहीं पूर्व सूचना प्रसारित होने पर तो स्वच्छता, सड़क, बाज़ार व गली-मौहल्लों की वास्तविक समस्याएँ सदैव अनजानी ही रहेंगी।

यशस्वी राजाओं के शासन में उनके भेष बदल कर सामान्य जनता की समस्या जानी जाती थी। राम राज्य में भी राजा व गुप्तचरों द्वारा यह कार्य किया जाता था। लाल पट्टी, लाल बत्ती और हॉर्न आदि से यह कार्य कभी संभव नहीं होगा। उल्लेखनीय यह भी है कि लाल बत्ती, लाल पट्टी आदि की आड़ में असामाजिक तत्व तस्करी व कई अन्य असामाजिक गतिविधियाँ करते हैं, टोल टेक्स की भी चोरी करते हैं। आवश्यक है कि लाल पट्टी व लाल बत्ती की परम्परा को पूर्णत: निरुत्साहित किया जाय। निरीक्षण अक्सर किये जायें और वे भी ज़्यादा से ज़्यादा असूचित। पूर्व सूचित निरीक्षण भी हो, परंतु वह कम से कम हो। स्मरण रहे कोई भी चिन्ह जो आपको दूसरों से अलग करता है, आप में अहंकार को जन्म देता है। एक परम्परा लाल बस्ते व लाल फीताशाही की और है। हमारे देश में नौकरशाही में दरअसल क्लर्क निर्णय करता है, वही पढ़ता है, वही जानकारी रखता है। बाबू (कनिष्ठ या वरिष्ठ लिपिक) जो टिप्पणी लिखेगा, उस पर सेक्शन ऑफिसर, सहायक, सचिव/उपसचिव, सचिव सब चिड़िया बिठाते जायेंगे और शायद वही टिप्पणी शीर्षतम स्तर पर अनुमोदित हो जायगी। कई स्तर हैं, कई विभाग हैं, ऐसा हो ही नहीं सकता कि विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका के निर्णय त्वरित हो सकें।

भारत की लाल फीताशाही व लाल बस्ता सारे विश्व में प्रसिद्ध हैं। यह भी जनता को शासन में विश्वास कम करता है, दोनों को दूर रखता है, भ्रष्टाचार बढ़ाता है। ऑनलाइन कार्य प्रणाली के सुपरिणाम भी हैं और दुष्परिणाम भी। हाल ही में एक अनुज्ञा पत्र के नवीनीकरण हेतु 5 मई को कार्रवाई कर दी गई परंतु अभी तक ढाई माह बाद भी अनुज्ञा प्राप्त न होना (एक ही नगर व एक ही परिसर से) हमारी लाल फीताशाही का ताज़ा उदाहरण है, साथ ही कर्मचारियों व अधिकारियों की शिथिलता का भी। अधिकृत अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों को शासकीय वाहन व शासकीय सुरक्षा की व्यवस्था भी शासन व जनता में दूरी बढ़ाती है। सभी निजी वाहन रखें, भले ही उन्हें वाहन भत्ता दे दिया जाय। इन दोनों सुविधाओं से सारे देश की जनता पर अत्यधिक भार पड़ता है। ये सुरक्षा व्यवस्था केवल उनको दी जाय जिनकी जान को खतरा है। सभी जन प्रतिनिधियों को खतरा है तो वे जन प्रतिनिधि ही क्यों बनते हैं। गुलामी की ये सभी प्रवृत्तियाँ शासन द्वारा जनता व समाज में अंधेरा बढ़ाने में सहायक हैं।

इस देश का दुर्भाग्य है कि 75 वर्ष बाद भी जब हम स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, अभी तक प्रशासन में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना नहीं हुई। 60 वर्ष एक ही दल का शासन रहा और उसने ग़ुलामी की ही अनेक परपम्राओं को और बढ़ाया। इनमें से एक सिविल लाइन्स और अधिकारियों व राजनेताओं के बड़े-बड़े बंगले हैं और उनका विशाल क्षेत्रफल है। वे सभी सामान्य जनता के बीच सामान्य नागरिक की भाँति रहते तो जनता से सामीप्य के कारण कुछ अंधेरा दूर होकर, लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रकाश फैलता।

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

कारगिल युद्ध-----
भारतीय सेना और सैनिकों की गौरव गाथा

निसंदेह कारगिल संघर्ष दुनियां भर के पहाड़ी इलाकों में अत्याधिक ऊंचाई पर लड़ी गई लड़ाईयों में से एक लड़ाई है। कारगिल संघर्ष परमाणु बम शक्ति सम्पन्न भारत-पाकिस्तान के बीच हुआ पहला सशस्त्र युद्ध था। जहाँ 1965 में हम लाहोर तक पहुंच गये और पाकिस्तान के होंसले पस्त कर दिए थे। इस युद्ध की परिणीती तास्क्न्द समझोते में हुई थी वहीं 1971 में पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित करके एक नये राष्ट्र बंगलादेश को जन्म दिया था। वहीं बीसवी शदी का निर्णायक एक मात्र युद्ध भी था जिसमें 93000 से ज्यादा पाकिस्तान के सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर भारतीय सेना के गोरव को उच्चतम शिखर पर पहुंचा कर विजय पताका फहरा कर तिरगें की शान बढ़ाई थी।

कारगिल युद्ध भारत पाकिस्तान के 1965, 1971 एवं कबाइलियों के संघर्ष से पूर्णतया अलग तरह का था। कारगिल श्रीनगर से 205 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है कारगिल क्षेत्र में सर्दियों में तापक्रम -48 डिग्री पहुंच जाता है। कारगिल युद्ध को मोटे तौर पर तीन चरणों में विभक्त किया जा सकता है। कारगिल युद्ध भारत की सेना के पराक्रम शौर्य का परिचायक है ।

पाकिस्तान की सेना और तथाकथित कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की जर ज़मीन पर कब्जा करने की कोशिश की। संघर्ष की प्रारम्भिक अवस्था में पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले उसके नियमित सैनिक नहीं हैं वरन वे सभी कश्मीरी उग्रवादी-जेहादी हैं। पाकिस्तान के इस सफेद झूठ का शीघ्र ही पर्दा फाश हो गया क्योंकि युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों, हथियारों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हुआ कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी। कारगिल- द्रास सेक्टर में हुए संघर्ष में लगभग 30000 भारतीय सैनिकों ने भाग लिया वहीं पाकिस्तान के नियमित सैनिकों के अलावा करीब 5000 घुसपेठियों ने भी पाक सैनकों की मदद की थी। भारतीय सेना ने इस लड़ाई में बोफोर्स तोपों का प्रयोग किया इन तोपों ने दुश्मनों पर कहर बरपा। भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सफेद सागर के अंतर्गत कठिन भोगोलिक परिस्थतियों के बावजूद थल सैनकों की सहायता की थी। भारतीय नोसेना ने ऑपरेशन तलवार के अंतर्गत पाकिस्तानी बंदरगाहों विशेषतया

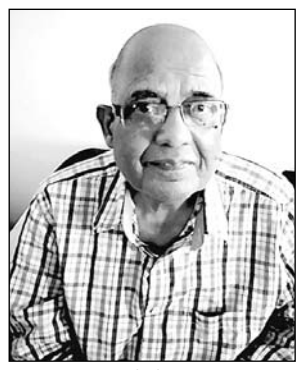
डा. जे.के.गर्ग

कराची बंदरगाह की नाके बंदी कि जिससे पाक सैनिकों को कोई मदद नहीं मिल सके। भारतीय नोसेना की उत्तरी एवं पश्चिमी फ्लीट ने उत्तरी अरब सागर के क्षेत्र में आक्रमक पेट्रोलिंग कर पाकिस्तान के समुद्रीय व्यापार को क्षति पहुचाई। इस लडाई में भारतीय सेना के तीनो अंग थल, वायु एवं नो सेना परस्पर अनुकरणीय समन्वय का परिचय दिया जिसके फलस्वरूप इस युद्ध में भी हमें विजयश्री प्राप्त हुयी।

युद्ध समाप्ति के तुरंत बाद में पाकिस्तान ने दावा किया उसके मात्र 375 सैनिक ही मारे गए हैं लेकिन बाद में सच्चाई सामने आई कि पाक के तकरीबन चार हजार सैनिक करगिल संघर्ष में मारे गए हैं। भारतीय सेना के मुताबिक 543 अफसर और जवान शहीद हुए जबकि करीब 1300 जख्मी हुए। महज एक भारतीय सैनिक को युद्ध बंदी बनाया गया था।

कारगिल संघर्ष के समय जहाँ अमेरिका ने पाकिस्तान को नियन्त्रण रेखा के उल्लघन का दोषी माना था वहीं 8 देशों, यूरोपियन यूनियन एवं के क्षेत्रीय संघटन ने भी पाकिस्तान की आलोचना कर सघंर्ष समाप्त करने एवं नियन्त्रण रेखा के उल्लघन को रोक कर सघर्ष के पूर्व वाली स्थिती पर लोटने को कहा। अमेरिकन राष्ट्रपति क्लिंटन और नवाज शरीफ के संयुक्त व्यक्तय में नियन्त्रण रेखा का सम्मान करते हुए भारत-पाकिस्तान के विवादों को बातचीत से शांतीपूर्ण तरीकों से सुलझाने को कहा। चारों ओर से अंतर्राष्ट्रीय दबाव के कारण तत्कालीन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री श्री नवाज़ शरीफ ने बचे हुए पाकिस्तान के सैनिकों को भारतीय सीमा के अन्दर वाले क्षेत्र से पीछे हट जाने का आदेश दिया। भारत की विजय के साथ 26 जुलाई 1999 को संघर्ष समाप्त हुआ। कारगिल युद्ध में भारत की विजय की स्मृति में प्रति वर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तान की पराजय के कारण पाकिस्तान में राजनैतिक और आर्थिक अस्थिरता बढ़ गई जिसकी परिणति में नवाज़ शरीफ निर्वाचित सरकार का तख्ता पलट कर वहां की सेना के प्रमुख परवेज़ मुर्शरफ़ राष्ट्रपति बन गए। कारगिल युद्ध के अनेकों शूरवीर बहादुर एवं फोलादी इरादों वाले जवानों में अनुज नायर, विक्रम बत्रा एवं योगेन्द्र यादव तो प्रमुख हैं ही, भारत को उनके और उनके साथियों की वीरता तथा फौलादी देश भक्ति के इरादों से युद्ध में निर्णायक विजयश्री मिली थी। इस लड़ाई में मुख्य विजय टाईगर हिल्स पर कब्जे पर थी। कारगिल युद्ध के उपरोक्त नायकों के अतिरिक्त कारगिल संघर्ष के अन्य हीरों यथा केप्टिन जेरी प्रेमराज, केप्टिन शशि भूषण घडियाल, सूबेदार रघुनाथ सिंह एवं हवलदार सीसराम गिल के योगदान को भी समूचा राष्ट्र हमेशा याद रखेगा। कारगिल विजय पर्व के 23वीं वर्ष गांठ के मौके पर समूचा भारत कारगिल संघर्ष के समस्त शहीदों को शत: शत: नमन करता है और उनके देशभक्ति के जज्बे को सलाम भी। समूचा राष्ट्र कारगिल विजय दिवस के मौके पर भारत की अखंडता पर तिरछी नजर रखने वालों को कड़ी चेतावनी देता है कि वे अपनी नापाक हरकतों से बाज आयें।

जय हिंद जय किसान जय जवान। भारत का बच्चा करे उनका सम्मान और सलाम।।

डा. जे.के.गर्ग,
पूर्व संयुक्त शिक्षा निदेशक
कालेज शिक्षा जयपुर

पावटा सीएचसी में जगह-जगह टपक रहा पानी

पावटा, (निसं)। सावन की बारिश ने उपखंड पावटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। व्यवस्थाओं को देखकर लगता है कि कई सालों से अस्पताल में मरम्मत का कार्य नहीं किया गया।

नतीजा लगातार हो रही बारिश से अस्पताल में कई जगहों पर छत से पानी टपकने लगा है। अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड, जनरल वार्ड, इमरजेंसी वार्ड के बाहर पूरे बरामदे सहित कई जगह पानी टपकने से मरीजों को परेशानियों का सामना करना पडा। इमरजेंसी वार्ड में तो छत से टपक रहे पानी से दीवारों मे करंट तक दौड गया। इससे कभी भी कोई बडा हादसा हो सकता है।

पावटा सीएचसी के इमरजेंसी वार्ड में पानी टपकने से उपकरण खराब हो रहे है।

वही इमरजेंसी वार्ड में उस समय करीब 5-6 मरीज व जनरल वार्ड में लगभग 3-4 मरीज टपकते पानी मे अपना इलाज करवा रहे थे। अस्पताल स्टाफ ने बताया कि पानी टपकने से मरीजों के बेड तक गीले हो जाते है। जनरल वार्ड में तीमारदारों के बैठने की जगह व मरीजों के बेड पर प्लास्टर टूट कर गिरने लगा है। पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एस के वर्मा ने बताया कि भवन काफी पुराना हो गया है। पहले भी इसकी मरम्मत करवाई गई थी। बजट आते ही दुबारा मरम्मत के साथ और कोई भी समस्या होगी तो उसका भी समाधान किया जायेगा।

ताले में कैद है बाबा रामदेव के गुरु बालीनाथ जी का घुणा

पोकरण, (निसं)। ऐतिहासिक बाबा रामापीर के गुरु पाली नाथ जी का घुणा में पुजारियों के आपसी विवाद के चलते लंबे समय से बंद होने के कारण प्रशासन की देखरेख में भक्तों के लिए दर्शन करवाने एवं वहां चढ़ने वाले सामग्री एवं नगद कुर्क धुने की देखरेख प्रशासन द्वारा दी जा रही है।

वहीं प्रशासन द्वारा सीसीटीवी कैमरे एवं कर्मचारी की नियुक्ति के आदेश होने के उपरांत भी वहां रामदेव जी के गुरु बालक नाथ जी का घुणा ताले में बंद होने के कारण श्रद्धालुओं को दर्शन लाभ नहीं मिल रहा है । सावन मास के आते ही शहर तथा बाबा रामदेव की नगरी रामदेवरा में श्रद्धालुओं की आवक एकाएक तेज हो गई है। बाबा की समाधि के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु बाबा रामदेव के गुरु बालीनाथ के धूणे के दर्शन किए बिना अपनी यात्रा को अधूरा समझते हैं। जिसके चलते रामदेवरा आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु पोकरण बालीनाथ जी के धुने पर दर्शन करने के लिए अवश्य आता है लेकिन पुजारियों के दो परिवार के बीच आपसी कलह के चलते प्रशासन ने बालीनाथ धूने की संपत्ति को कुर्क कर रखा है जिसके चलते पिछले लंबे समय से बाबा रामदेव के गुरु बालीनाथ ताले में कैद हैं। साथ ही प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए

- **पुजारियों के दो परिवार के बीच आपसी कलह**
- **प्रशासन ने बालीनाथ धूने की संपत्ति को कुर्क कर रखा है**

कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं की गई है।

तत्कालीन उपखंड अधिकारी अनिल जैन ने धुणे के कुर्की के आदेश जारी किए थे। आदेश को लगभग 5 वर्ष से अधिक का समय हो जाने के बाद भी अभी तक प्रशासन द्वारा दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कोई विशेष कदम नहीं उठाया है।

शंकरभाई, श्रद्धालु, निवासी डीसा के अनुसार बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन के बाद जब पोकरण बालीनाथ धूने के दर्शन के लिए पहुंचे तो वहां पर ताला लगा हुआ था दर्शन की व्यवस्था है और ना ही श्रद्धालुओं की कोई सुविधा।

किशोर , श्रद्धालु, मुम्बई के अनुसार दो साल पहले भी बालीनाथ के धुने पर ताला लगा था। कोरोना काल में आना नहीं हुआ, लेकिन हाल ही में सपरिवार दर्शन के लिए पहुंचा तो यहां पर दर्शनों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है।

प्रसूता ने पांच बालक-बालिकाओं को जन्म दिया, तीन की हुई मौत

करौली, (नि.स)। कहते हैं ऊपर वाला जब देता है तो छप्पर फाड़ कर देता है। ऐसा ही कुछ हुआ है। मासलपुर के पिपरानी गांव निवासी रेशमा (25) शादी के 7 साल बाद पहली बार मां बनी है। रेशमा ने करौली के एक निजी चिकित्सालय में 5 बालक-बालिकाओं को जन्म दिया है। जिनमे से एक बालक और दो बालिकाओं की उपचार के दौरान मृत्यू हो गई।

करौली के भारत हॉस्पिटल की चिकित्सक डॉ0 आशा मीणा ने बताया कि रविवार को प्रात: पिपरानी गॉव निवासी रेशमा अस्पताल मे प्रसव के लिये भर्ती हुई थी। जिसने दो बालक और 3 बालिकाओं को जन्म दिया है। 7 माह के बच्चों को जन्म दिया है। प्रसव के बाद मां की तबीयत ठीक है। हालांकि बच्चे कमजोर हैं। जिन्हें करौली के राजकीय हॉस्पिटल मातृ एवं शिशु इकाई स्थित एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया है। एसएनसीयू इकाई प्रभारी डॉ0 महेंद्र मीणा ने बताया कि सभी

पिपरानी गांव की प्रसूता रेशमा ने शादी के 7 साल बाद 5 बालक-बालिकाओं को जन्म दिया।

- **करौली के भारत हॉस्पिटल में प्रस्व के दौरान तीन नवजात की मौत हो गई**
- **सभी बालक 300 से 660 ग्राम तक वजन के हैं : डॉ0 महेंद्र मीणा**

बालक 300 से 660 ग्राम तक वजन के हैं।

इन्हें इंटेंसिव केयर की आवश्यकता होने के कारण जयपुर रैफर किया जा रहा है। देखने लायक यह रहा की पांचों बालक बालिकाओ को उपचार के लिये जयपुर के जेके लॉन हॉस्पिटल ले जाने से पूर्व ही एक बालक व दो बालिकाओं की मृत्यु हो गई। रेशमा के जेठ गब्बरु ने बताया कि उनका छोटा भाई अश्कअली केरला में मार्बल फिटिंग का काम करता है। अश्क अली की करीब 7 वर्ष पूर्व रेशमा से शादी हुई थी। लेकिन शादी के कई साल बीतने के बाद भी उन्हें बच्चा नहीं हुआ। जिसके कारण कई स्थानों पर दिखाया और उपचार कराया। अब अल्लाह ने उनकी सुनी है और एक साथ 5 बच्चों से झोली भर दी मगर उन पॉच बच्चों में से तीन की मृत्यु हो गई। वही मातृ एवं शिशू संस्थान के डॉ0 महेंद्र मीणा ने बताया कि मातृ शिशु इकाई में लोटन बाई पत्नी प्रदीप मीणा 22 निवासी चौधरीपुरा मंडरायल ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया है । जिनमें एक बालक और दो बालिकाएं हैं। 2लोटन बाई भी शादी के बाद पहली बार माँ बनी है। मां और बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं।

राशिफल मंगलवार 26 जुलाई, 2022

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 4:09 तक, व्याघात योग सांय 4:07 तक, वणिज करण सांय 6:48 तक, चन्द्रमा मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-मीन, शुक्र-मिथुन, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से रात्रि 4:09 तक है। आज भद्रा सांय 6:48 से बुधवार प्रात: 8:00 तक रहेगी। आज मास शिवरात्रि, मंगला गौरी पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:13 से 10:53 तक, लाभ-अमृत 10:53 से 2:14 तक, शुभ 3:54 से 5:34 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 7:15

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कारणों से व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

धनु
परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में चल रहे वाद-विवाद समाप्त हो सकते हैं और अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रतिष्ठित व्यावसायिक संपर्क बन सकते हैं। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक परेशानियों से राहत मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि का भय बना रहेगा।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मीन
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

बिजौलियां के खड़ीपुर चारागाह भूमि में अवैध खनन से ग्रामीणों में आक्रोश

बिजौलियां के खड़ीपुर चारागाह में सेंडस्टोन के अवैध खनन को बन्द कराने की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी सीमा तिवारी (बीच में) को ग्रामीणों ने ज्ञापन दिया।

मांडलगढ़ (निस)। बिजौलियां के खडीपुर गाँव स्थित मांगीलाल का झोंपड़ा के पास खनन माफिया ग्रामीणों पर दबंगई जता के धड़ल्ले से सेंड स्टोन का अवैध खनन कर रहा है। सरकारी जमीन से करोड़ो के सेंड स्टोन का अवैध खनन किया जा चुका है।ग्रामीणों द्वारा अवैध खनन का विरोध करने पर माफिया हथियारों से दहशत फैलाता हैं, ओर ग्रामीणों के साथ कई बार मारपीट की घटना कोअंजाम दिया जा चुका है।

वहीं जान से मारने की धमकीयां दी जाती है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने बिजौलियां एसडीएम को ज्ञापन सौंपा हैं। खड़ीपुर ओर आसपास गांवों के ग्रामीणों ने सोमवार को बिजौलियां उपखण्ड अधिकारी सीमा तिवारी को ज्ञापन देकर चारागाह भूमि के अवैध खनन को बन्द कराने की मांग की है। आक्रोशित ग्रामीणों ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि रमेशचन्द्र धाकड फतेहनगर,मांगीलाल धाकड बेरिसाल,अर्जुन धाकड सुखपुरा,कालू गुर्जर सलावटिया, सुरेश , कैलाश और लालाराम भील नौला का झोपडा ने चारागाह भूमि को कई दिनों से कब्जे में ले रखा है और दबंगो द्वारा अवैध खनन कराया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि सुखपुरा पटवार हल्का के खडीपुर गांव में स्थित आराजी नम्बर 762,764 व 765 चारागाह भूमि में अवैध खनन विगत 3 माह से धडल्ले से चल रहा है।अवैध खनन को लेकर गत वर्ष भी प्रशासन के अधिकारियों को शिकायत की गई।जिसमें खनिज विभाग ने फौरी कार्रवाई कर जुर्माना वसूला गया था।और थोडे दिन काम बंद कर फिर से अवैध खनन कार्य शुरू कर करोडो का सेंडस्टोन चोरी कर लिया गया हैं।

ग्रामीणों ने बताया की खननकर्ताओं के बड़े राजनैतिक रसूख होने से यहाँ दबंगई से खनन किया जा रहा है।अवैध खनन की शिकायत करने पर ये लोग लड़ाई-झगड़ा कर जान से मारने की धमकी दी जाती हैं।उधर ज्ञापन में नामजद लोगों ने उक्त आरोप को निराधार बताया हैं। बिजौलियां उपखंड अधिकारी सीमा तिवारी ने बताया कि 15 दिन पहले भी इस तरह की शिकायत पर चारागाह में हो रहे अवैध खनन के विरुद्ध कार्यवाही की गई थी।ओर जुर्माना वसूला गया। दुबारा इसी जगह की शिकायत मिली है।मौके पर तहसीलदार और गिरदावर को भेजा गया है। अवैध खननकर्ताओं के विरुद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी।

नशीला पदार्थ बेचने के आरोपी को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा

शाहपुरा पुलिस ने अवैध रुप से अफीम बेचने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

शाहपुरा (निस)। विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस प्रकरण सुनील कुमार ओझा ने एनडीपीएस के मामले में आरोपी महावीर गुर्जर को एनडीपीएस एक्ट में 10 वर्ष का कठोर कारावास की सजा एवम एक लाख रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। अपरलोक अभियोजक हितेष शर्मा ने बताया कि

उक्त प्रकरण में तथ्यों के अनुसार परिवादी श्रवण राम एसआई थानाधिकारी फूलिया कला ने रिपोर्ट दर्ज की 23 नवंबर 2014 को सूचना मिली की माली खेड़ा वाले कच्चे रास्ते पर गांव नई अरवड वह पुरानी अरवड के बीच शनि महाराज भगवान मंदिर के पास सफेद पत्थर की खानों के खड्डे हैं वहां पर एक विकलांग व्यक्ति के पास 2 बोरियां अफीम डोडा चूरा की होकर वह पीने वालों को विक्रय करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचे वहां उसी हुलिए का व्यक्ति 2 बोरी लिए बैठा मिला।

जिस पर उससे नाम पूछा तो उसने अपना नाम महावीर गुर्जर होना बताया और और बोरियों के बाबत पूछने पर कोई जवाब नहीं दिया शंका होने पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई कर तलाशी ली तो दोनों बोरियों में कुल 27 किलो अफीम डोडा चूरा मिला जिस पर थाना अधिकारी पुलिस थाना फूलिया कला द्वारा अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8៦15 में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।अनुसंधान पूर्ण होने पर न्यायालय में चालान पेश किया गया। प्रकरण में अभियोजन पक्ष द्वारा 18 साक्षी परीक्षित करवाए गए एवं पत्रवाली में पेश 44 दस्तावेजों पर प्रदश अंकित कराए गए , इसके आधार पर न्यायाधीश सुनील कुमार ओझा ने अभियोजन पक्ष से सहमत होते हुए एनडीपीएस एक्ट के मामले में अभियुक्त महावीर गुर्जर को दोषी मानते हुए 10 वर्ष का कठोर कारावास की सजा एवम एक लाख रुपए के अर्थदंड से दंडित किया।।

सार-समाचार

रक्तदान शिविर आज

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। दशहरा मेला कमेठी की और से मंगलवार को पूर्व चिकित्सा मंत्री एवं केकड़ी विधायक डॉ. रघु शर्मा के जन्म दिवस पर आर के कम्युनिटी सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। साथ ही गौशाला में गौमाता को चारा खिलाने के अलावा अनेक पुनीत कार्य में भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। संयोजक प्रदीप अठावाल, अध्यक्ष रमेश चांडक ने बताया कि प्रातः 9 बजे आर.के. कम्युनिटी सेंटर में रक्तदान शिविर आयोज्य होगा, जिसमें राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल किशनगढ़ व जेएलएन हॉस्पिटल अजमेर की चिकित्सा टीम अपनी सेवाएं देंगी। इस मौके पर डॉ. रघु शर्मा की मौजूदगी में केक काट जन्म दिवस मनाया जायेगा। उपाध्यक्ष गोपाल प्रधान व जितेंद्र मारोठिया ने जानकारी दी की सिलोरा रोड पर श्रीराम गौशाला में गौमाता को हरा चारा-लापसी खिलाई जाएगी। अतुल अठावाल व मोहित अठावाल ने बताया कि मुख्य चौराहा स्थित नेहरू वाचनालय, गांधी धर्मशाला, सरवाडी गेट स्थित इंदिरा रसोई योजना में गरीबों को भोजन भी कराया जाएगा।

सेन्ट्रल जेल में किरण सलाहकार नियुक्त

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर गृह विभाग ने आदेश जारी कर पार्षद प्रदीप अठावाल की पत्नी पूर्व पार्षद किरण अग्रवाल को अजमेर जिला कारागृह एवं महिला सुधार बंदी गृह में सलाहकार मंडल में सलाहकार नियुक्त किया है। वर्ष 2012 से 2016 तक वह बाल कल्याण समिति अजमेर की भी मानद सदस्य रह चुकी है। पूर्व पार्षद किरण ने नवीन नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व गुजरात प्रभारी पूर्व चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बच्चों को दिए उपहार

आसीन्द, (निसं)। श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के सानिध्य में हर रविवार को श्री अंबेश ज्ञान शाला का आयोजन किया जा रहा है जिसमे संघ के करीब 40 बच्चे नियमित भाग ले कर धार्मिक ज्ञान अर्जित कर रहे है। बच्चो के उत्साहवर्धन हेतु हर रविवार को प्रभावना का वितरण किया जाता है। सद्भावना सेवा ट्रस्ट स्माइल फाऊंडेशन द्वारा आचार्य प्रवर अभय मुनि, मुनि भूपेंद्र कुमार, मुनि स्वरूप कुमार के सानिध्य में लक्ष, प्रज्ञान ,आदित्य ,अवधी, नव्या, प्राची ,प्रियांशी, पहर जैन को सामायिक सूत्र याद करने पर उनको स्कूल बैग से सम्मानित किया गया। ज्ञानशाला में मंजू कर्णावट, कमला तातेड़, विजय लक्ष्मी चौधरी, पिस्ता मेहता आदि श्राविकाएं नियमित निःशुल्क अपनी सेवाए बच्चो को दे रही है।

कोलोनियों में भरा पानी

गुलाबपुरा, (निसं)। स्थानीय उपखंड क्षेत्र में रविवार रात से रुक रुक कर हो रही बारिश लोगों के लिए आपत बनती जा रही है, बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। शहरी क्षेत्र में जगह जगह पानी की निकासी सही नहीं होने से पानी जमा हो गया। कई कोलोनियों में मकान पानी से घिरे हुए हैं। पालिका क्षेत्र की महेश कोलोनी, कुबेर कोलोनी, गांधी नगर की पीछे की कोलोनीयो, कच्ची बस्तीयों में पानी भरने व सडकें नहीं होने से लोगों को घरों में जाने की परेशानी उठानी पड़ रही है। श्री देवनारायण मंदिर से पुराने जोरावरपुरा रोड़ क्षतिग्रस्त होने से वाहन चालकों को दिक्कत आ रही है, सडक पर गहरे गड्ढे बनने से दुपहिया वाहन दुर्घटना के शिकार हो रहें हैं। वही स्कूली बच्चों को भी बारिश से आने जाने की परेशानी उठानी पड़ रही है।

बारिश का दौर जारी रहा पुष्कर में

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में दूसरे दिन भी इंद्र देवता मेहरबान रे रुक रुक कर मूसलाधार बारिश होती रही जिसकी वजह से पवित्र पुष्कर सरोवर का जल स्तर 2 फीट और बढ़ गया वही पुष्कर के मुख्य सड़कों पर पानी भरा रहा और सीवरेज से ओवरफ्लो होकर गंदा पानी सड़कों पर भरा रहा जिसकी वजह से वजह से श्रद्धालु यात्रियों ने स्थानीय प्रशासन एवं जिला प्रशासन को जमकर कोसा परिक्रमा मार्ग सावित्री मार्ग वराह घाट गुरुद्वारा माली मोहल्ला सहित कई स्थानों पर पानी भर गया जिसकी वजह से लोगों को गंदे पानी में से ही परिक्रमा लगानी पड़ी।

सावन के दूसरे सोमवार शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़

सावन के दूसरे सोमवार शिव मंदिरों में भक्तों ने जलाभिषेक किया।

बिजयनगर, (निसं)। सावन के पवित्र महीने के दूसरे सोमवार को शहर के विभिन्न शिव मंदिरों में शिव भक्तों की पूजा आराधना के लिए भीड़ लगी।

रही शहर के शिव बाजार स्थित श्री गौरी शंकर नीलकंठ महादेव मंदिर पर प्रात काल से ही श्रद्धालुओं ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए सभी के लिए सुख समृद्धि की कामना की मध्यान्ह में शुभ मुहूर्त में पंडित भरत शर्मा के सानिध्य में विधि विधान के साथ वैदिक मंत्रोच्चारण करते हुए सहस्त्रधारा जलाभिषेक का आयोजन किया गया। सहस्त्रधारा जलाभिषेक में शिव भक्तों ने धार्मिक आस्था के साथ ओम नमः शिवाय के जयकारो के साथ जलाभिषेक कियाघ्पीपली चौराहा स्थित पीपलेश्वर महादेव मंदिर में मंदिर पुजारी राम लखन शर्मा के सानिध्य में सावन के दूसरे सोमवार के अवसर पर कई धार्मिक आयोजन के साथ सहस्त्रधारा जलाभिषेक का आयोजन किया गया।

जिसमें शिव भक्तों ने जलाभिषेक करते हुए क्षेत्र में अच्छी बरसात एवं सभी के लिए सुख समृद्धि की कामना की ।क्षेत्र के प्रमुख शक्तिपीठ बाड़ी माता मंदिर परिसर में स्थित शिव मंदिर में पुष्कर के पंडित सर्वेश्वर शास्त्री महाराज के सानिध्य में विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई संगीतमय सहस्त्र जलधारा अभिषेक का आयोजन किया गया। त्रिवेणी तेजा चौक स्थित शिव मंदिर में भी इस अवसर पर कई धार्मिक आयोजन जलाभिषेक करते हुए भगवान शिव की आराधना की।

ग्रामीण इलाकों में 10 करोड़ की लागत से बनेगी सड़कें

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। विधायक सुरेश टाक की अनुशंसा पर राज्य सरकार ने करीब 10 करोड़ की लागत से ग्रामीण इलाकों में मिसिंग लिंक व नॉन पेचेबल सड़कों के निर्माण के लिये प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है।

विधायक टाक ने बताया कि इन सड़को में गांव भोजियावास से हरमाड़ा तक सात किलोमीटर, भामोलाव से डांग मोड़ प्याऊ तक 6 किलोमीटर, उदयपुर कलां से गोदियाना वाया कुम्हारी का बेरा तक 3 किलोमीटर, उदयपुर कलां से खोड़ा गणेशजी तक 3 किलोमीटर सड़क, सरगांव से बीती तक 2.7 किलोमीटर, मोहनपुरा मोड़ से गांव की सीमा तक 1.2 किलोमीटर, सिरोंज से गोली जिला सीमा तक दो किलोमीटर, कुचील से घीसाबाबा की ढ़ाणी तक दो किलोमीटर, भांवसा से ईटाखोई जिला सीमा तक 1.6 किलोमीटर, काढ़ा गांव से काला गोरा भेरूजी गोदियाना तक 1.8 किलोमीटर, आकोड़िया से साम्प्रोदा तक तीन किलोमीटर, उदयपुर खुर्द से गोदियाना गांव तक 2.8 किलोमीटर सड़क,आकोड़िया से पापड़िया की ढ़ाणी तक एक किलोमीटर, गुजरवाड़ा से गुलगांव तक एक किलोमीटर, एन.एच.आठ से नोहरिया तक एक किलोमीटर, एन.एच. आठ से पेड़ीभाटा रोड़ तक डेढ़ किलोमीटर, कल्याणीपुरा से शंकरपुरा तक 0.8 किलोमीटर, डींडवाड़ा मेन रोड़ प्याऊ से कदमपुरा रामदेव मंदिर तक 0.7 किलोमीटर, किशनगढ़ मेन रोड़ से नोनन्दपुरा तक एक किलोमीटर सड़क निर्माण की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई। जर्जर हालात में पहुंच चुकी सड़को का नवनिर्माण होने से आसपास के लोगो को आवाजाही में बड़ी राहत मिल सकेगी।

आम सूचना

सर्व सम्मत को सूचित किया जाता है कि मेरे मवुक्किल बृजराज शर्मा पुत्र स्व. श्री भरतलाल शर्मा व श्रीमति संगीता देवी पत्नि श्री बृजराज शर्मा जाति-ब्राह्मण उम्र-बालिग निवासीयान- कृष्णा नगर, हुरडा रोड, गुलाबपुरा तहसील हुरडा जिला भीलवाड़ा अपने पूर्ण होश हवास, चित्त मन से अपने पुत्रों लक्ष्मीकांत शर्मा व गोविन्द शर्मा जाति ब्राह्मण को अपनी सम्पूर्ण जायदाद उनके व्यवहार के कारण उनको बेदखल करते है तथा हमारे पुत्र लक्ष्मीकांत शर्मा व गोविन्द शर्मा जाति ब्राह्मण को आज से पूर्व व आज के बाद मेरा व मेरे परिवार से किसी प्रकार का कोई सम्बन्ध व लेनादेना नहीं रहेगा तथा हमारे बीच के सभी सम्बन्ध खत्म करते है। आज के बाद व पूर्व कोई भी व्यक्ति लक्ष्मीकांत शर्मा व गोविन्द शर्मा जाति ब्राह्मण से कोई व्यवहार, लेनदेन करता था/करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा उसमें मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी भविष्य में लक्ष्मीकांत शर्मा व गोविन्द शर्मा जाति ब्राह्मण व उसके परिवार के द्वारा मेरी चल अचल सम्पत्ति में किसी प्रकार की उजरदारी की जाती है तो वो इस आम सूचना के शून्य मानी जावेगी।

हस्ताक्षर
मुवक्किल

भवदीय
सांवरनाथ योगी (एडवोकेट)
जोरावरपुरा रोड, गुलाबपुरा-311021 मो. 9529199999

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ जिला-अजमेर (राज.)

क्रमांक/नपकि/कृषि भूमि नियमन/2022/1279 आपत्ति विज्ञप्ति दिनांक : 25.07.2022

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कृषि भूमियों पर बसी कालोनियों में आवेदक द्वारा वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ वास्ते आवेदन पेश किया है, इस संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनाक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तिया/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावे, अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नही होगी एवं आवेदक के पक्ष में भूमि आवंटन पटटा जारी कर दिया जावेगा।

क्र. सं.	प्रार्थी का नाम	खसरा संख्या राजस्व ग्राम	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल/रकबा
1.	मोहम्मद रफीक पुत्र सुबराती मोहम्मद निवासी-पुरानी मील चौराहा, मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर	मदनगंज 428	-	556.60 वर्गगज (वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ)

आयुक्त नगर परिषद, किशनगढ़

रिलायंस मॉल में आग से मचा हड़कंप

भीलवाड़ा। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र ने चित्तौड़ रोड पर स्थित रिलायंस मॉल में आग लगने की सूचना के बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। आनन फानन में पुलिस और प्रशासनिक अमला जब मौके पर पहुंचा तो यह जान कर राहत की सांस ली की आगजनी की यह घटना केवल और केवल मात्र मॉक ड्रिल थी।

जानकारी के अनुसार आज रिलायंस माल में आग लगने का मॉक ड्रिल किया गया। इस बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं थी। अचानक रिलायंस मॉल में आग लगने की सूचना मिलने पर पुलिस कंट्रोल रूम ने पुलिस प्रशासन के अधिकारियों सहित सभी थानों की पुलिस को सूचना दी। इस पर सबसे पहले सीओ सिटी नरेंद्र दायमा अपने स्टाफ के साथ वहां पहुंचे। इसके बाद कोतवाली पुलिस, भीमगंज पुलिस सहित अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। कलेक्टर आशीष मोदी और एसपी आदर्श सिद्धू के साथ ही नगर परिषद, महात्मा गांधी अस्पताल, यूआईटी सहित सभी विभागों के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। इसके साथ ही एडीएम, एसडीएम, डिप्टी राहुल जोशी, एसएचओ प्रतापनगर राजेंद्र

■ **प्रशासनिक अमले की सांसे फूली**

गोदारा, भीमगंज थाना प्रभारी मूलचंद वर्मा, कोतवाल मुकेश कुमार वर्मा सहित जाब्ता और एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची। बाद में जानकारी मिली कि यह मॉक ड्रिल थी जिस पर सबने राहत की सांस ली। जिला कलेक्टर मोदी ने कहा कि आज रिलायंस मॉल में इंटर्नल सिक्योरिटी सिस्टम की मॉक ड्रिल की गई और फायर सिस्टम को परखा गया और मौके पर पहुंचने वाले अधिकारियों के रिस्पॉंस टाइम को भी देखा गया।

मॉल के सभी सुरक्षा प्रावधानों को जांचा गया और फायर इक्युपमेंट कार्य कर रहे हैं या नहीं, अनाउंसमेंट सिस्टम, पानी की सप्लाई आदि को जांचा गया और इन सभी व्यवस्थाओं को देखने वाले काम कर पा रहे हैं या नहीं, इसे भी परखा गया। कलेक्टर ने खुशी जताई कि ज्यादातर सभी अधिकारियों व विभागों ने रिस्पांस टाइम को फॉलो किया है।

अभियान में 26 पट्टे वितरित किए

अजमेर, (कासं)। प्रशासन शहरों के संग अभियान के अन्तर्गत अजमेर विकास प्राधिकरण के द्वारा लगाए गए शिविरों मसोमवार को 26 पट्टे वितरित किए गए। अजमेर विकास प्राधिकरण के सचिव किशोर कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा आमजन को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन शहरों के संग अभियान को विभिन्न छूटों तथा रियायतों के साथ 15 जुलाई से पुनः आरम्भ किया गया है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक परिवार से सम्पर्क कर आवेदन लिए जा रहे है।

आम सूचना

मेरे दादाजी स्व. घीसा पुत्र पेमा जाति रेगर निवासी ग्राम कटसूरा की मृत्यु दिनांक 1.1.2000 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम कटसुरा में हो गई थी जिसका पूर्व में इंद्राज ग्राम पंचायत कटसुरा में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे दादाजी स्व. घीसा रेगर का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अपनी आपत्ति अरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी नवरतन पुत्र भंवर लाल रेगर निवासी ग्राम कटसुरा हाल निवास एम.के.बी 722 मनोहरपुरा कच्ची बस्ती आयुष अस्पताल के सामने रेगरों का मोहल्ला जगतपुरा जयपुर

प्रारूप-13 (नियम (2) देखिए

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका, परबतसर जिला नागौर राज.

क्रमांक- 1393 दिनांक: 25-7-2022

-: आपति सूचना :-

अधोहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि नगरीय क्षेत्र परबतसर के राजस्व ग्राम परबतसर में स्थित भूमि या उसके भाग जिनका विवरण नीचे दिया गया है, का 17.06.1999 से पूर्व/पश्चात की कालावधि से गैर कृषिक प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/किया गया है और इसलिए निम्नांकित भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क की उपधारा (8) के अधीन पर्यवसित किये जाने की दायी है:-

क्र.सं.	राजस्व ग्राम	खसरा नम्बर	क्षेत्रफल (हैक्ट. में)
01	परबतसर	2206	1.5229
02	परबतसर	2211	1.26

अत: उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया गया है, कि सूचना प्रकाशन की तारीख से 07 दिवस के भीतर-भीतर कारण बताये क्यों ना उक्त भूमि पर उनके अधिकारों ओर हित को पर्यवसित कर दिया जावे ओर इसलिए क्यों ना भूमि को राज्य सरकार समस्त विल्लगमों से मुक्त निहित किया जा सके। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर ओर मुहर के अधीन 25.07.2022 के दिन जारी की जाती है।

नोट- खातेदारों के पूर्ण पते उपलब्ध ना होने से उक्त लोक सूचना को व्यक्तिगत नोटिस भी माना जावे।

अधिशाषी अधिकारी परबतसर

कैलाश जी काबरा की पुण्यतिथि पर फल वितरित

शाहपुरा (निस)। भारतीय जनता पार्टी शाहपुरा में विधानसभा चुनावो से लेकर लोकसभा चुनावों भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने जब तक की यात्रा में अपना सब कुछ भाजपा संगठन को देने वाले व्यक्तित्व जिन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को एक जाजम पर लाकर शाहपुरा में भारतीय जनता पार्टी को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाया स्व.काबरा ने संगठन में सभी पदों पर अपना उत्कृष्ट देते हुए कार्यकर्ताओं के मान सम्मान के लिए हमेशा समर्पित रहे।

फल वितरण कार्यक्रम में भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष मूल सिंह सौदा, कर्नाटक राज्यपाल के ओएसडी शंकर गुर्जर, प्रेस क्लब अध्यक्ष चांदमल मूंदड़ा,वरिष्ठ नेता विमल झवर, वरिष्ठ अधिवक्ता दुर्गा लाल राजोरा, जिला परिषद सदस्य शिवराज कुमावत, भाजपा नेता पंकज सुगंधी उपस्थित रहे।

कार्यालय नगरपलिका बिजयनगर जिला अजमेर राज.

गांधी-उद्यान-ब्यावर रोड़, बिजयनगर

टेलीफोन नम्बर-01462-230051 ई-मेल:-npvijavngar@gmail.com
क्रमांक: न.पा.बि./भूमि/2022/3059 दिनांक 25/7/22

आपत्ति आमन्त्रित सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित आवेदक ने कृषि भूमि पर बसी निम्न कोलोनियों में कृषि भूमि नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, जिन पर नियमानुसार कार्यवाही की जाकर पट्टे दिये जायेंगें। अत: इन भूखण्डों के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजो/ प्रमाण के 7 दिवस की अवधि में कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत कर देवें। समयावधि गुजर जाने के बाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क्र.सं.	पत्रावली नं	आवेदक का नाम	योजना/ग्राम का नाम	खसरा सं.	भू.सं.	क्षेत्र
1.	3563	चेतनस्वरूप/ लादूलाल शर्मा	अजय कॉलोनी विस्तार बिजयनगर	238	13	138.88 वर्गगज
2.	3564	पुष्पा रावत/ जयराम सिंह रावत	देवनगर कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4492/3930	11	1000 वर्गफिट
3.	3565	शमीम बानू अंसारी/ जाकिर हुसैन	साईं प्रतीक्षा कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4175/1	09	88.88 वर्गगज
4.	3566	नाथूलाल/ गणपतलाल छीपा	देवनगर कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4492/3930	03	1000 वर्गफिट
5.	3567	हेलेन जोसेफ/ अमित जोसेफ	देवनगर कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4492/3930	23	111.11 वर्गगज
6.	3568	रविप्रकाश/ आनन्दप्रकाश रावत	देवनगर कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4492/3930	15	111.11 वर्गगज
7.	3569	अमित जोसेफ/ आनन्दप्रकाश जोसेफ	देवनगर कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4492/3930	21	111.11 वर्गगज
8.	3570	प्रभुसिंह रावत/ पीथासिंह रावत	देवनगर कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4492/3930	19	111.11 वर्गगज
9.	3571	रामस्वरूप/ भंवरलाल वैष्णव	देवनगर कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4492/3930	13	1000 वर्गफिट
10.	3572	नोरती कुमावत/ राकेश कुमावत	साईं प्रतीक्षा कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4175	32	78.22 वर्गगज
11.	3573	रविन्द्रसिंह गौड/ हरिसिंह गौड	साईं प्रतीक्षा कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4175/1	51	88.88 वर्गगज
12.	3574	तारा देवी/ गुमानसिंह नाबेडा	साईं दरबार कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4470/4329 व 4472/4330	59	800 वर्गफिट
13.	3575	शर्मिला सोलंकी/ भीमसिंह नरूका	साईं प्रतीक्षा कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4175	39	88.88 वर्गगज
14.	3576	वर्षा कुमारी मेवाडा/ मोहनलाल मेवाडा	साईं प्रतीक्षा कॉलोनी चौसला बिजयनगर	4175	03	73.33 वर्गगज

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

अजमेर समाचार पत्र विक्रेताओं के वाजपेयी अध्यक्ष व कुशवाहा महासचिव बने

अजमेर समाचार पत्र वितरक समिति के सर्वसम्मति से अध्यक्ष अश्वनी वाजपेयी नियुक्त हुए।

अजमेर, (कासं)। समाचार पत्र वितरक समन्वय समिति की सभा विजय लक्ष्मी पार्क में आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष अश्वनी वाजपेयी, महासचिव ओमप्रकाश कुशवाहा व कोषाध्यक्ष राजेश मीणा को चुना गया।

सर्वसम्मिति से चुने गए पदाधिकारियों को ही समिति के अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति करने का अधिकार दिया गया। सभा में समिति के रजिस्ट्रेशन करवाने, समाचार पत्र विक्रेताओं की समस्याओं के समाधान करने, समाचार पत्र विक्रेताओं के बच्चों की उच्च शिक्षा के खर्च में सहयोग करने में, केंद्र में राज्य सरकार की अनेक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने के लिए प्रमुख समाजसेवी द्वारा सहयोग का आश्वासन दिया गया। जिसमें अंतरराष्ट्रीय खेल अधिकारी धनराज चौधरी, सुबोध जैन, विजय गुप्ता, हरीश गिदवानी, सुभाष काबरा, गिरीश साहनी प्रमुख थे।

समाचार पत्र विक्रेताओं द्वारा अंधेरे में अखबार बांटने की समस्या को ध्यान में रखते हुए लायंस कूब अजमेर शौर्य की तरफ से रेडियम वाली जैकेट भी गई। समाजसेवी हरीश गिदवानी द्वारा सभी समाचार पत्र विक्रेताओं को बरसाती देने की घोषणा की गई। समाजसेवी गिरीश वासानी ने भी विक्रेताओं को उपहार स्वरूप दिए। समिति के मुख्य विधि सलाहकार देवेंद्र सिंह शेखावत और हर्षित मित्तल होंगे। सभा में देवेंद्र सिंह शेखावत द्वारा विक्रेताओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी।

आयुक्त ने सौंपे भूखंडों के कागजात

नागौर। शहर में 9 दिन पूर्व बारिश के पानी में डूबने से हुई 4 मासूमों की मौत में आखिरकार प्रशासन ने पीड़ित परिजनों के साथ हुए समझौते के तहत सोमवार को चारों मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपए की सहायता राशि के चेक प्रदान किए। साथ ही नगर परिषद ने प्रत्येक पीडित परिवार को सौ सौ गज के निशुल्क आवासीय भूखण्ड के कागजात भी सौंपे। यहां कलेक्ट्रेट में जिला कलेक्टर पीयूष सवमारिया ने अपने हाथों से पीडित परिवारों को सहायता राशि के चेक व कागजात सुपुर्द किए। इस दौरान सभापति मीतू बोथरा, कुचेरा पालिकाध्यक्ष तेजपाल मिर्धा, पार्षद नवरतन बोथरा तथा नगर परिषद आयुक्त श्रवणराम चौधरी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

बीमार महिला को खाट पर लिटाकर उफनता खाल पार करवाया

राजस्थान व सीमावर्ती मध्यप्रदेश में कई दिन से बारिश होने पर आवागमन बाधित हो रहा है

छबड़ा, (निसं)। राजस्थान व समीपवर्ती मध्यप्रदेश में पिछले दिनो से हो रही बारिश के कारण नदी, नालो आदि मे पानी की भारी आवक हो गई हैं, जिससे कई गांवो का आवागमन अवरूद्ध होने लगा हैं। सोमवार को मूंडला ग्राम पंचायत के कछावन गांव में एक वृद्ध महिला बीमार हो गई, जिसे ग्रामीणों ने उफनते खाल में खाट पर लिटा कर खाल पार करने के लिए मजबूर होना पडा। ऐसी ही स्थिति कई गांवो में भी हैं।

जानकारी अनुसार राजस्थान व एमपी में बारिश होने से पार्वती, रेणुका, अंधेरी आदि नदियों के साथ-साथ खालो मे भी पानी की आवक हो जाने से ग्रामीणो के सामने आवागमन के लिए विकट समस्या उत्पन्न हो गई हैं। बारिश के दौरान ग्रामीण खतरे से खेलने से भी नही चूक रहे हैं। वही, बीमारों को खाट पर लिटा कर जान-जोखिम में डाल कर उफनता खाल पार करना ग्रामीणों की मजबूरी बन गई है। सोमवार को कछावन गांव में खाल की पुलिया नहीं होने से बीमार गुलाब बाई (70) को ग्रामीणों ने उफनते खाल में खाट पर लिटा कर खाल को पार कराना पडा। ग्रामीणों ने बताया कि वर्शा के दौरान पार्वती का पानी खाल में पानी आ जाने से आवागमन पूरी तरह बंद हो जाता हैं, जिससे स्कूली विद्यार्थियों की पढाई तो प्रभावित होती हैं साथ में, मार्ग अवरूद्ध होने से गर्भवती, प्रसव पीडितो व रोगियों को खाट पर लेटाकर ही खाल को पार करवाकर छबडा अस्पताल में ले जाना पडता है। यहां तक की उन्हे खाद्य सामग्री लाने मे भी परेषानी होती हैं। गांव के ही गिर्राज मीना सहित अन्य ग्रामीणो के अनुसार इस समस्या से जनप्रतिनिधियों व प्रषासन को कई बार अवगत करवा दिया परंतु समाधान नही हो पाया हैं।

कछावन गांव में एक वृद्ध महिला के बीमार हो जाने पर ग्रामीणों ने खाट पर लिटाकर उफनते नाले को पार कराया।

- नदी, नालों में पानी की भारी आवक होने से कटा संपर्क

वही, पुलिया नही बनने से बारिष में यह गांव टापू बन जाता हैं। जिससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व ही कडैयावन गांव मे इसी गांव निवासी बाबूलाल सेन की खाल मे बहने से मृत्यु हो गई थी। क्षेत्र मे रविवार शाम से सोमवार दोपहर तक झमाझम बारिश का दौर जारी रहा और दो इंच वर्शा दर्ज की गई। क्षेत्र में अब तक 634 मिमी वर्षा रिकोर्ड की गई हैं।

ग्रंथी के बाल काटने पर रामगढ़, नौगांवा व अलावड़ा के बाजार बंद

अलवर के रामगढ़ कस्बे में घटना के विरोध में बाजार बंद रहे।

अलवर, (निसं)। अलवर के रामगढ में अलावडा रोड पर चार दिन पहले मिलकपुर गांव के पूर्व ग्रंथी के बाल काटने के मामले में आमजन का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है।

सोमवार को नौगांवा, रामगढ व अलावडा सहित आस-पास के बाजार बंद हैं। अभी पुलिस ने आरोपी गिरफ्त में नहीं लिया हैं। असल में ग्रंथी के बाल काटते समय बदमाशों के हाथ में छुरा था। वे गर्दन काटने की बात भी कर रहे थे लेकिन, ग्रंथी ने बदमाशों से कहा कि वे सीकरी के रहने वाले हैं। उसे क्यों मारना चाहते हैं।

इसके बाद वहां खडे बदमाशों ने किसी अन्य व्यक्ति से जुम्मा बोलकर बातचीत की थी। बाद में गुरबख्श को

- पुलिस के जल्द गिरफ्तारी के आदेशो के बाद भी अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है

छोड़ा गया। इस घटना से माहौल खराब होने का डर भी था। पुलिस ने जल्दी ही आरोपी को गिरफ्त में लेने का आश्वासन दिया था लेकिन, अब तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। एक दिन पहले ही समाज के लोगों ने बैठक की थी। इसमें मुस्लिम समाज के लोगों ने निर्णय किया था कि ग्रंथी के बाल काटने वाले मुस्लिम समाज के आरोपी निकले तो उनको बिरादरी से बाहर किया जाएगा। पुलिस ने अभी तक मामले का खुलासा नहीं किया है।

असल में आरोपियों तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है। रामगढ के लोगों ने दो बार पंचायत की है। अब बंद के बाद जल्दी आगे की रणनीति बनाई जाएगी। क्षेत्र के बाशिंदे चाहते हैं कि समाजों में माहौल खराब करने वाले ये अपराधी हर हाल में गिरफ्तार किए जाएं ताकि भाईचारा नहीं बिगड़े।

जानकारी अनुसार सरदारों के बाल नहीं काटे जाते है लेकिन किसी ने ग्रंथी के बाल काट दिये। इस कारण यह बवाल मच गया।

आबकारी प्रहराधिकारी ने ढाबे मालिक से ली 25 हजार की मासिक बंधी, एसीबी ने दबोचा

मावली, (निसं)। मावली भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर की टीम ने सोमवार को कस्बे के आबकारी थाने के पदाधिकारी रविंद्र सिंह खींची को मासिक बंधी के 25000 रिश्वत लेने के आरोप में रंगे हाथों गिरफ्तार किया है वही आपकारी में कार्यरत अनुबंधित ड्राइवर भैरू सिंह चुंडावत मौके से फरार हो गया है आरोपी ढ ाबा मालिक जीवन लाल मेनारिया से झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर पूर्व में भी जबरन 47800 वसूल चुके हैं और अब मासिक बंदी के 30000 मांग रहे थे रविंद्र सिंह को रिश्वत राशि के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया है वहीं भैरू सिंह मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है

परिवादी ने बताया कि मेनार चौराहे पर राजश्री होटल नाम से डाबा है पिछले दिनों आबकारी थाने के प्रहरा अधिकारी रविंद्र सिंह के ढ ाबे पर आए और धमकाते हुए कहा कि तवे पर अवैध शराब और अन्य धंधा करता है झूठा केस बना जेल में डाल दूंगा यह कहकर रविंद्र सिंह ने ढ ाबे के अलमारी में रखे 45800 जबरन ले लिए और धमकी दी के अलावा चलाना है तो मासिक बंदी के 30000 हर माह देने होंगे परिवादी की शिकायत का सत्यापन किया तो रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हुई। इसमें पदाधिकारी देवेंद्र सिंह के दलाल ड्राइवर भैरू सिंह ने 25000 मासिक बंदी की इस एसीबी निरीक्षक हरीश चंद्र सिंह और सोनू शेखावत के नेतृत्व में मावली आबकारी थाने के आसपास पहुंच गई। रविंद्र सिंह ने परिवादी को मासिक बंदी के 25000 लेकर थाने पर ही बुला लिया प्रहराकारी रविंद्र सिंह के कहने पर ड्राइवर भैरू सिंह ने मासिक बंदी के25000 परिवादी से ले लिए। इसके बाद ड्राइवर भैरू सिंह ने 4000 खुद के पास रखे और 21000 पदाधिकारी के ऑफिस रूम में रखी रविंद्र सिंह की पेंट की जेब में रख दिए। इस दौरान कार्यालय पर एसीबी टीम ने दबिश दी और रविंद्र सिंह को गिरफ्तार कर उसकी पेंट की जेब से 21000 रिश्वत के बरामद किए किंतु ड्राइवर भैरू सिंह मौके से फरार हो गया

उदयपुर एसीबी की टीम ने आरोपी रविन्द्र सिंह खिंची को गिरफ्तार किया।

- झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर पूर्व में भी जबरन 47800 वसूल चुके हैं आरोपी

यह कार्रवाई एसीबी निरीक्षक हरीश चंद्र सिंह और सोनू शेखावत के नेतृत्व में एएसआई गजेंद्र कुमार कांस्टेबल मुनीर मोहम्मद करण सिंह टीका राम सुरेश और मांगीलाल की टीम ने किया।

सूचना आयोग ने जुर्माना लगाया

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में राजस्थान राज्य सूचना आयोग जयपुर ने राज्य लोक सूचना अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी नोहर एवं मेला मजिस्ट्रेट गोगामेड़ी पर एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

राज्य सूचना आयोग ने आरटीआई के तहत सूचना नहीं देने वाले अफसर के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। राजस्थान राज्य सूचना आयोग के फैसले की प्रति जरिये डाक से शनिवार को अपीलार्थी को मिली। भादरा क्षेत्र के सरदारगढिया निवासी गोगाजी के श्रद्धालु महेन्द्र सिंह वर्मा ने एसडीएम नोहर एवं मेला मजिस्ट्रेट गोगामेड़ी के खिलाफ आयोग में अपील दायर की थी । राज्य लोक सूचना अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी नोहर एवं मेला मजिस्ट्रेट गोगामेड़ी के द्वारा इस सम्बन्ध में कोई विनिश्चय नहीं दिया गया, न ही उसने अपीलार्थी को कार्यालय में उपलब्ध रिकॉर्ड के लिए अवलोकन एवं चिन्हिकरण के लिए आमंत्रित किया। राज्य लोक सूचना आयोग ने अपने आदेश में लिखा है कि निर्णय प्राप्ति के 21 दिवस में अपीलार्थी को रिकॉर्ड अवलोकन के लिए आमंत्रित करें व प्रथम 50 पृष्ठ की सूचना नि:शुल्क उपलब्ध करवाए।

मौसेरे भाई बहन की हत्या : मुख्य आरोपी नासिक से गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती लूणी के सर गांव में मौसेरे भाई बहन की हत्या के मुख्य आरोपी शंकर पटेल को नासिक से दस्तयाब कर पुलिस आज सुबह जोधपुर पहुंची और लूणी पुलिस के सुपुर्द कर दिया । अब उससे लूणी पुलिस तफ्तीश में जुटी है। वह वारदात को अंजाम देने के बाद गुजरात अहमदाबाद और बाद में महाराष्ट्र के नासिक भाग गया था ।

पुलिस ने उसकी लोकेशन को बराबर ट्रेस कर उसका पीछा किया और आखिरकार शनिवार की देर रात उसे दस्तयाब कर लिया था। आरोपी नासिक में एक दुकान में काम करने लगा था और अपना हुलिया भी कुछ बदल दिया था । प्रकरण से जुड़ा यह पांचवां आरोपी है जो कि अब पुलिस के हाथ लगा है। चार आरोपियों मे मृतक की पत्नी को भी गिरफ्तार कर जेल भिजवाया गया है। तीन पहले से गिरफ्तार अभियुक्त अभी पुलिस अभिरक्षा में हैं।

पुलिस की आरंभिक पड़ताल में सामने आया कि हत्या अवैध संबंध के चलते हुई। मृतक रमेश पटेल का अपनी पत्नी से संबंध अच्छा नहीं चल रहा था । उसकी पत्नी शंकर पटेल नाम के शख्स से दोस्ती के चलते अपनी व्यथा बताई थी। तब शंकर ने अपने कुछ परिचितों रमेश माली, सोहन सुथार, राकेश पटेल के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। इन लोगों को रमेश पटेल को रास्ते से हटाना था मगर कविता की भी हत्या कर डाली। मृतक रमेश पटेल की पत्नी गुड्डी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

लघु पनबिजलीघर में उत्पादन शुरु

सूरतगढ़ , (निसं)। थर्मल पावर प्लांट की इंदिरा गांधी नहर पर स्थित करीब 30 वर्ष पुराने लखूवाली लघुपन बिजली घर से पांच साल बाद उत्पादन बिजली उत्पादन शुरू हो गया है। गौरतलब है कि करीब 5 साल से लघु पनबिजली घर से तकनीकी खराबी के चलते उत्पादन ठप्प था। मुख्य अभियंता एसपी बंसल ने बताया कि 2 मेगावाट बिजली उत्पादन यह इकाई जनवरी 2018 से तकनीकी खामी के चलते बंद पड़ी थी। जिसको शुरू करने से उक्त संयंत्र से 2000 यूनिट बिजली उत्पादन प्रति घंटा होगा। जिसकी सप्लाई रावतसर ग्रिड में की जाएगी। इस दौरान थर्मल के मुख्य अभियंता एसपी बंसल, अधिशाषी अभियंता हीरालाल परिहार, सहायक अभियंता पवन सोयल सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

तेजाब डालने से आधा दर्जन घायल

सादुलपुर, (निसं)। कहासुनी को लेकर मारपीट के दौरान तेजाब की बोतल से वार करने से करीबन आधा दर्जन लोग तेजाब से जलने से घायल हो गये, जिनमें एक व्यक्ति की हालात खतरे से बाहर है तथा बची हुई तेजाब डालने से गाडी जल गई। जिसका राजगढ थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है। थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलोदा ने बताया कि मोहरसिंह पुत्र बीरबल राम जाति जाट उम्र 61 साल निवासी श्योपुरा ने इस आरोप का मामला दर्ज करवाया है कि श्रावण मास के चलते उसकी पुत्रवधू राजकला शनिवार को पुजा करने के लिए वहां गई हुई थी, तथा उस दौरान उसकी राजपाल के साथ कहासुनी हो गई। उसी रंजिश को लेकर आज सुबह लगभग 8 बजे राजपाल व उसकी पत्नी चमकौर ने उसकी पुत्रवधू के साथ मारपीट कर दांत तोड दिये। राजपाल ने जान से मारने की नियत से दिनेश, राजकला, अशोक, कुलदीप व सुनहरी पर तेजाब फैंक दी तथा शेष बची तेजाब बोतल को अपनी गाडी में फैंक दी, जिससे गाडी जल गई।

पी. सी ज्वेलर्स पर डेढ़ लाख रुपए का हर्जाना लगाया

जोधपुर, (कासं)। दिल्ली की ज्वेलरी फर्म द्वारा पेन्डल सेट में लगे स्टोन को भी ग्राहक को सोने के भाव तौल कर बेचने पर उपभोक्ता संरक्षण आयोग द्वितीय ने उक्त फर्म पर डेढ लाख रुपए हर्जाना लगाया है।

मामले के अनुसार चौपासनी हाउसिंग बोर्ड निवासी उर्वेश जैन ने दिल्ली की फर्म पी सी ज्वेलर्स के सरदारपुरा स्थित शोरूम से अक्टूबर 2016 में 21.24 ग्राम सोने का पैंडल सैट खरीदा, जिसके कुल वजन की कीमत उससे सोने के भाव वसूल की गई। यह पेंडल सेट टूटने पर उसे पता चला कि इसमें बारीक स्टोन (डिजाइन आकर्षक बनाने में काम आने वाले नग, नगीने) लगाये हुए हैं, जिनका वजन कम नहीं किया जाकर सेट में शामिल कर सोने की दर से ही कीमत वसूल की गई है। इस पर उसने ज्वेलर्स के विरुद्ध उपभोक्ता आयोग में परिवाद प्रस्तुत किया गया।

विपक्षी की ओर से जवाब प्रस्तुत कर बताया कि यह ज्वेलरी एक डिजाइनर आइटम है व देखने से ही स्टोन लगे होने जाहिर होते हैं । ग्राहक को भी इस बाबत बता दिया गया था। उनके बिल में अंकित शर्तों के अनुसार आइटम अदला-बदली करने पर स्टोन की कीमत भी सोने की दर से अदा की जाती है। ठाहक द्वारा इन शर्तों को स्वीकार करते हुए ही आइटम की खरीद की गयी है।

- दिल्ली की ज्वेलरी फर्म द्वारा पेन्डल सेट में लगे स्टोन ग्राहक को सोने के भाव तौल कर बेचने पर उपभोक्ता संरक्षण आयोग द्वितीय ने हर्जाना लगाया

आयोग के अध्यक्ष डॉ श्याम सुन्दर लाटा, सदस्य डॉ अनुराधा व्यास, आनंद सिंह सोलंकी ने अपने निर्णय में कहा कि किसी भी व्यापारी को ज्वेलरी में लगे पत्थरों को सोने के भाव ठाहक को बेचने का अधिकार नहीं है। ठाहक के लिए यह जरूरी नहीं है कि वह भविष्य में विक्रेता से ही इस ज्वेलरी की अदला-बदली या रिटर्न करें। अन्य किसी व्यापारी द्वारा स्टोन की कीमत सोने के भाव नही दी जानी है।

आयोग ने ग्राहक पर इस प्रकार की शर्तें थोपना अवैध व अनुचित व्यापार-व्यवहार किया जाना माना तथा स्टोन के निमित्त नाजायज वसूली की गई साढे पांच हजार रुपए की राशि वापस लौटाने के साथ शारीरिक व मानसिक वेदना की क्षितपूर्ति पचास हजार रुपए हर्जाना परिवादी को भुगतान करने का आदेश दिया है।

यह राशि दो माह की अवधि में उपभोक्ता कल्याण कोष राजस्थान में जमा कराने का विपक्षी को आदेश दिया गया है।

अवैध खनन : चार दिन में 190 प्रकरण दर्ज कर 50 लाख का जुर्माना वसूला

180 वाहन संबंधित थानों में जब्त : एसीएस डॉ. अग्रवाल

जयपुर, (कासं)। अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण के विरुद्ध समूचे प्रदेश में कार्यवाही करते हुए पिछले चार दिनों में करीब 190 प्रकरण दर्ज करते हुए 180 वाहन-मशीनरी की जब्ती के साथ ही 50 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना वसूला गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम एवं जलदाय डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और माइंस विभाग द्वारा समन्वय बनाते हुए समूचे प्रदेश में अवैध माइनिंग गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में पिछले चार दिनों में लगभग 60 एफआईआर संबंधित थानों में दर्ज कराई जा चुकी है। उदयपुर में दो लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है।

एसीएस माइंस डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में सर्वाधिक 60 प्रकरण उदयपुर वृत में अतिरिक्त निदेशक महेश माथुर के निर्देशन में दर्ज किए गए है। जयपुर में 53 प्रकरण दर्ज हुए है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त निदेशक नरेन्द्र कोठ्यारी मॉनेटरिंग के लिए राज्य स्तरीय प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

महेश माथुर ने बताया कि उदयपुर वृत के 60 प्रकरणों में से एसई उदयपुर द्वारा 18 प्रकरण दर्ज कर 9 एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यहां 15 ट्रेक्टर ट्राली, 3 ट्रोला डंपर, एक एचईएमएममशीन सहित 21 वाहन जब्त किए गये हैं। इसी तरह से राजसमंद में 32 प्रकरणों में 30 एफआईआर व 32 वाहन मशीनरी की जब्ती की जा चुकी है। भीलवाड़ा में 10 प्रकरणों में 8 एफआईआर और वाहन मशीनरी जब्त की गई है।

राजसमंद में जेसीबी की सहायता से अवैध खनन किया जा रहा है।

अतिरिक्त निदेशक बीएस सोढा के निर्देशन में जयपुर वृत जयपुर एसएमई प्रताप मीणा व अजमेर एसएमई जय गुरुबख्सानी के नेतृत्व में कार्यवाही की जा रही है। अतिरिक्त निदेशक जयपुर बीएस सोढा के क्षेत्र में अजमेर, नागौर व पाली में जय गुरुबख्सानी व जयपुर, अलवर, सीकर, झुन्झुनू, टोंक और दौसा में एसएमई प्रताप मीणा द्वारा की गई कार्यवाही में 53 प्रकरण दर्ज कर 62 वाहन मशीनरी आदि की जब्ती की गई है। इसके साथ ही 20 लाख रुपए से अधिक जुर्माना वसूला जा चुका है।

अतिरिक्त निदेशक कोटा महावीर मीणा के निर्देशन में एसएमई कोटा अविनाश कुलदीप व भरतपुर एमई के नेतृत्व में कोटा, बूंदी, झझलावाड, बारां, भरतपुर, धौलपुर, करौली और सवाई माधोपुर में 30 प्रकरण दर्ज करने के साथ ही 31 वाहन मशीनरी जब्त की

- चार दिनों में 60 एफआईआर दर्ज, उदयपुर में दो गिरफ्तार

गई है। वृत में 15लाख से अधिक का जुर्माना भी वसूला गया है।

जोधपुर में एसएमई धर्मेन्द लुहार व टीम द्वारा 30 प्रकरणों में 3 एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही 25 वाहन मशीनरी जब्त की गई है। जोधपुर में जोधपुर, पाली, सिरोही, बाडमेर, जालौर में कार्यवाही की गई।

बीकानेर वृत में एसएमई भीम सिंह के नेतृत्व में एसएमई आरएस बलारा व अन्य अधिकारियों की टीम ने बीकानेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ व चुरु में 16 प्रकरण दर्ज किए हैं। 11 वाहनों की जब्ती के साथ ही 8 लाख रु. से अधिक का जुर्माना वसूला गया है।

निदेशक माइंस कुंज बिहारी पाण्डया द्वारा समूची कार्यवाही पर नजर रखते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

चंबल नदी खतरे के निशान से 2.69 मीटर दूर

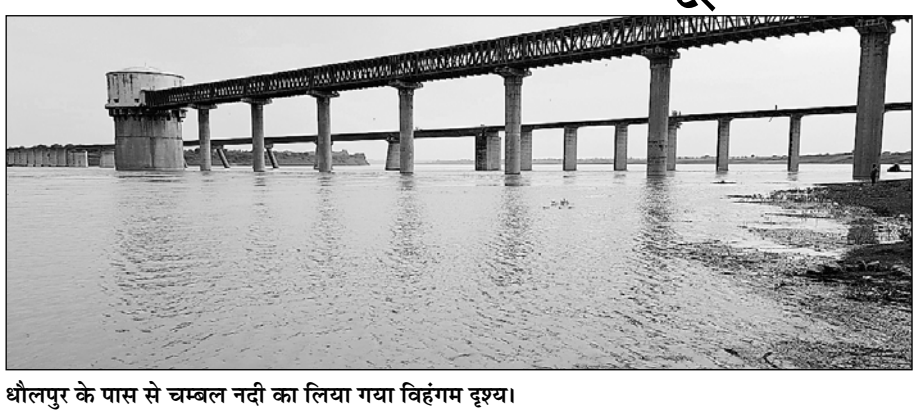

धौलपुर के पास से चम्बल नदी का लिया गया विहंगम दृश्य।

धौलपुर (निस)। हाड़ौती अंचल सहित अन्य जगह हो रही बारिश और कोटा बैराज से छोड़े जा रहे पानी की आवक से धौलपुर में चम्बल नदी का जलस्तर धीरे धीरे लगातार बढ़ रहा है।

सिंचाई विभाग धौलपुर के पोपेन्द्र मीणा ने बताया कि सोमवार शाम को 6 बजे धौलपुर में चंबल नदी का जलस्तर 128.10 दर्ज किया गया। जो कि खतरे के निशान से 2.69 मीटर कम है। हालांकि आमजन को अभी किसी भी तरह से चिंचित होने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है।

आपको बता दे कि धौलपुर जिले में चम्बल नदी का खतरे का निशान 130.79 मीटर पर है, वहीं ऐतिहातन प्रशासन के आला अधिकारी और पटवारी चम्बल नदी के बढ़ ते जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं।

साथ ही निचले स्थानों पर ठामीणों को एलर्ट भी कर दिया है। वही नदी हुई पानी की की आवक के बाद चम्बल पर बने पुराने पुल पर जरूर लोगों की आवाजाही शुरू हो गयी है। सेल्फी पॉइंट के नाम से चर्चित इस पुल पर लोगों के आवागमन से खतरा बना हुआ है।

पड़ोसियों ने परिवार को बेदखल किया

जालोर, (कासं)। जालौर जिले के बागोडा क्षेत्र के खोखा गांव में पिछले 60 दशक से निवास कर रहे परिवार को पडोसियों ने मिलकर मारपीट कर घर से बेदखल कर दिया। बागोड़ा उपखंड में प्रशासन की अनदेखी के चलते पीड़ित परिवार खुले आसमान में रात गुजारने को मजबुर है। इस पीडित परिवार ने न्याय की गुहार के लिए बागोडा पुलिस थाना में मामला भी दर्ज करवाया है। तहसील कार्यालय में जमीन विवाद की दलील भी पेश की है।

आम सूचना दिनांक:-25.07.2022
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जूही खण्डेलवाल पत्नि आकाश कुमार निवासी 134, वार्ड नम्बर-02, पालमपुर-टी, कांगडा, हिमाचल प्रदेश द्वारा अपने स्वामित्व की सम्पत्ति जिला जयपुर, तहसील सांगानेर, ग्राम नानकपुरा उर्फ हेमा की नांगल मे खसरा नम्बर 9, 10 व 18 मे रूपान्तरित ग्रुप हाऊसिंग भूखण्ड के ब्लांक सी-2 (जी) मे निर्मित "गुरूशिखर- H" की सातवी मंजिल पर एक फ्लेट/यूनिट नम्बर H-802 स्थित है को विक्रय किये जाने का इकरार मेरे अभिभाष्य मनोज सिह चौहान पुत्र राम सिंह, निवासी प्लाट नम्बर 1 कैलाशपुरी, मोती डूंगरी रोड जयपुर से कर बतौर अग्रिम राशि प्राप्त कर ली गई है। उक्त बैचान के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की कोई उज्र या आपत्ति हो तो तीन दिवस में मय दस्तावेज अपनी आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद कोई उज्र या आपत्ति स्वीकार नही होगी। अतः सूचित रहे।
भवदीय
(रविन्द्र सिह ठाकुर) एडवोकेट, मो:-9782462210

गहलोत दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं की नकल करने से पहले पूरा प्लान बनाएं : देवेंद्र शास्त्री

'मौहल्ला क्लीनिक के बदले जनता क्लीनिक, मुफ्त इलाज के बदले चिरंजीवी जैसी नकल पूरी तरह असफल और भ्रष्टाचार की शिकार हो गई'

जयपुर, (का.सं.)। आम आदमी पार्टी राजस्थान के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश सचिव देवेंद्र शास्त्री ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कहा है कि वो आम आदमी पार्टी की स्वास्थ्य योजनाओं की फूहड़ तरीके से नकल करने की बजाय विशेषज्ञों को लगाकर काम करें। शास्त्री ने आरोप लगाया कि उनकी कागजी घोषणाओं में जनता का पैसा भ्रष्ट लोगों की जेब में जा रहा है। मरीज इलाज के अभाव में बेमौत जान गंवा रहे हैं।

पार्टी कार्यालय पर अयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शास्त्री ने कहा कि राजस्थान में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से आग्रह है कि वो इधर उधर हाथ पैर मारने की बजाए इन्ही दो सेक्टर पर फोकस करें। बाकी का काम तो राजस्थान की जनता खुद कर लेगी। स्वस्थ और शिक्षित व्यक्ति को आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। आज हम राजस्थान सरकार के सबसे बड़े चिकित्सा केंद्र एस.एम.एस. अस्पताल के बिगड़ते हालात की बात करेंगे। आगे आम आदमी पार्टी दूसरी योजनाओं की भी पोल खोलेगी।

आम आदमी पार्टी का मुख्यमंत्री को सुझाव है कि वो आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की योजनाओं की नकल करें तो कुछ समझदार अधिकारी लागये। दिल्ली सरकार से सलाह लें। ताकि पैसा बर्बाद न हो और

■ **'लिहाजा मुफ्त दवा की व्यवस्था इतनी उलझी हुई है कि लोगों को मजबूरी में दुकानों से ही खरीदनी पड़ती है'**

जनता को योजना का लाभ मिल सके। मोहल्ला क्लीनिक के बदले जनता क्लिनिक, मुफ्त इलाज के बदले चिरंजीवी जैसी नकल पूरी तरह असफल और भ्रष्टाचार की शिकार हो गई हैं।

प्रदेश का सबसे बड़ा एस.एम.एस. अस्पताल खुद बीमार चल रहा है। आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया इंचार्ज देवेंद्र यादव ने कहा कि जो भी चिकित्सा मंत्री आया उसने ही इस अस्पताल को निजी संपत्ति की तरह इस्तेमाल किया। पिछले दिनों तक रघु शर्मा चिकित्सा मंत्री थे। करोना काल में बड़ी बदनामी हुई। बदल दिए गए। उससे पहले राजेन्द्र सिंह राठौड़ थे। उनकी भी राठौड़ी तो चलती रही परन्तु अस्पताल के दिन नहीं फिरे।

देव ने बताया कि धन्वन्तरि अस्पताल की लेबोरेट्री की छत पिछले तीन-चार सालों में तीन बार टूट कर गिर पड़ी है। ये ठेकेदारों का कमाल है। आप तो जानते ही हैं कि राजस्थान में सरकारी निर्माण के ठेकों का ऊपर से लेकर नीचे तक कमीशनबाजी का क्या सिस्टम है। बर्षों से चली आ रही उस भ्रष्ट व्यवस्था को नहीं बदला जाएगा तब तक किसी भी निर्माण की नींव मजबूत नहीं हो सकती।

आम आदमी पार्टी के अनुसार दिल्ली में लोगो को फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री स्वास्थ्य सेवा, फरिश्ता योजनाओं को सीधे लाभ मिला है। लेकिन राजस्थान में भ्रष्ट व्यवस्था कायम है। लिहाजा मुफ्त दवा की व्यवस्था इतनी उलझी हुई है कि लोगों को मजबूरी में दुकानों से ही खरीदनी पड़ती है। दिल्ली में बाकायदा बडे अधिकारी इस व्यवस्था को सुचारू तरीके से चलाने के लिए लगाये गए हैं।

गोलमा ने रमेश मीणा पर जड़े भ्रष्टाचार के आरोप

जयपुर। राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ी लाल मीणा और पंचायत राज मंत्री रमेश मीणा के बीच चल रही अदावत कम होने का नाम नहीं ले रही है। वहीं सोमवार को किरोड़ी मीणा की पत्नी और पूर्व मंत्री गोलमा देवी भी इसमे कूद गई हैं। गोलमा देवी ने मंत्री रमेश मीणा पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए और उन्हीं के विभाग के राज्यमंत्री राजेंद्र गुढा को ज्ञापन देकर

■ **कागज देख कर मुख्यमंत्री तक पहुचाउंगा : गुढा**

सीएम के जरिए कार्रवाई कराने की मांग भी की।

सोमवार को पूर्व मंत्री गोलमा देवी शिकायती पत्र लेकर ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के सरकारी निवास पहुंची। उन्होंने शिकायती पत्रों की दो फाइल मंत्री को देते हुए रमेश मीणा के खिलाफ आरोपों की बौछार कर दी। गोलमा देवी ने कहा सपोटरा में रमेश मीणा ने भ्रष्टाचार मचा रखा है। सरपंचों, ठेकेदारों और पुलिस वालों से बंधी लेता है और भ्रष्टाचार करके घर भर लिया। गोलमा ने अपने देसी अंदाज में यह तक कह दिया कि मुझे राजेंद्र गुढ़ा पर पूरा विश्वास है, इसलिए मैं इनके पास आई हूं और यह मुख्यमंत्री से बात करके रमेश मीणा पर कार्रवाई करवाएंगे। यदि नहीं करवाएंगे तो मैं इनके यहां और मुख्यमंत्री निवास पर भी धरना दूंगी। गोलमा देवी ने इस बात को स्वीकार भी किया और यह भी कहा कि उनके साहब पर रमेश मीणा बेवजह आरोप लगाता है। गोलमा ने कहा भ्रष्टाचार से पैसा कमा कर रमेश मीणा घर भर रहा है और चुनाव जीतता है, लेकिन अब मैं उससे लडूंगी और उसकी पोल खोलूंगी। वहीं गोलमा देवी ने गुढ़ा को दिए ज्ञापन में बताया कि रमेश मीणा ने सपोटरा विधानसभा क्षेत्र में 57 ग्राम पंचायतों और करौली व मासलपुर की 25 ग्राम पंचायतों में घोर अनियमितता की है। अपनी चहेती ठेकेदारों को काम देने के साथ ही उन्होंने ठेकेदारों को बिना काम किए ही करोड़ों रुपए का भुगतान करवा दिया। मामले में सपोटरा के उपखंड अधिकारी की अध्यक्षता में जांच समिति भी गठित की गई थी जिसमें आरोप सही साबित हुए हैं। ऐसे में रमेश मीणा पर सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने गुढ़ा से उन्हें मंत्री पद से भी हटवाने की मांग की है। गोलमा ने यह आरोप भी जड़े और कहा कि करणपुर से मंडरायल की सड़क का निर्माण रमेश मीणा ने अपने भाई अभय कुमार की फर्म के मार्फत करवाया। सड़क इतनी घटिया बनाई गई कि कुछ दिनों में ही उखड़ गई है। जिसकी जांच कराना जरूरी है। क्षेत्र में चंबल पुल का काम चल रहा है। जिसमें मीणा के भाइयों और अन्य परिजनों के द्वारा अवैध रूप से ठेकेदारों को बजरी सप्लाई की जा रही है। यह बजरी वन्य एवं वन्य जीव कानूनों का उल्लंघन कर फर्म के द्वारा यहीं से खोदी जा रही है। करोड़ो रुपये परिजन कूटे जा रहे हैं।

पूर्व मंत्री गोलमा देवी ने मंत्री रमेश मीणा के खिलाफ राज्यमंत्री राजेंद्र गुढा को ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री के जरिए कार्रवाई कराने की मांग भी की।

डॉ.पूनिया ने वागड़ क्षेत्र में 41 कि.मी. पैदल चलकर जनजाति गौरव पदयात्रा निकाली

बेणेश्वर धाम/जयपुर। माँ त्रिपुरा सुंदरी से बेणेश्वर धाम तक जनजाति समाज द्वारा निकाली गई लगभग 41 किलोमीटर वागड़ जनजाति गौरव पदयात्रा आज उत्सव एवं उल्लास के साथ संपन्न हुई। वागड़ जनजाति गौरव पदयात्रा में 41 किलोमीटर जनजाति समाज के साथ पैदल चलकर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने डूंगरपुर जिले में स्थित बेणेश्वर धाम में धोक लगाकर, पूजा-अर्चना कर यात्रा संपन्न की।

■ **बेणेश्वर में डॉ. पूनिया ने जनजाति समाज की जनसभा को संबोधित कर द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार एवं अभिनंदन किया**

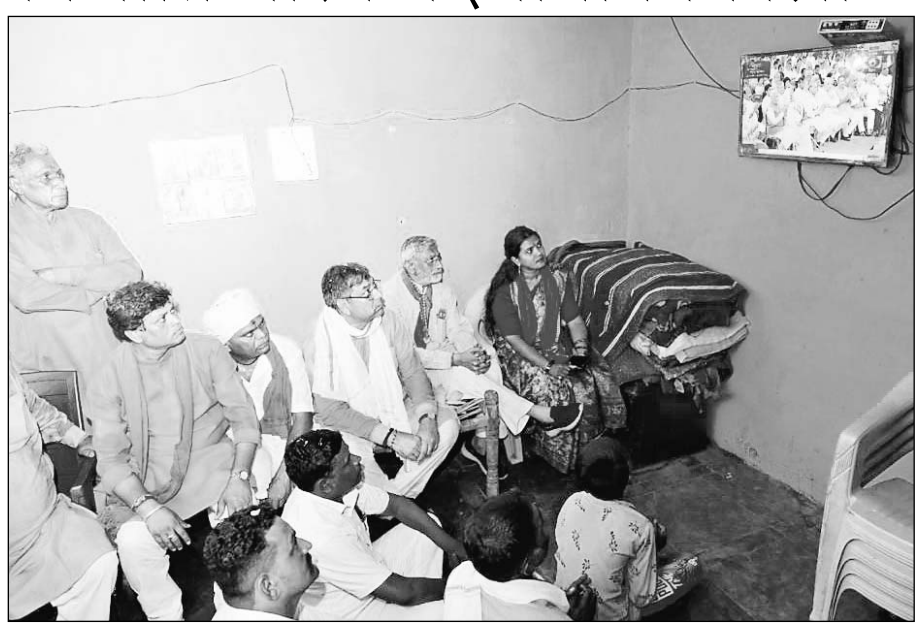

बांसवाड़ा जिले भुआसा गांव में एक भील के घर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने जनजाति समाज के लोगों के साथ द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति पद शपथ ग्रहण समारोह को टीवी पर देखा।

गौरतलब है कि डॉ. सतीश पूनिया ने 24 जुलाई को सुबह 9 बजे मां त्रिपुरा सुंदरी के दर्शन कर जनजाति समाज के साथ 41 किलोमीटर वागड़ जनजाति गौरव पदयात्रा का शुभारंभ किया था। जो सोमवार को दोपहर में बेणेश्वर धाम में संपन्न हुई। बेणेश्वर धाम में सतीश पूनिया ने भगवान श्री हरि, भोलेनाथ, विष्णु, मावजी महाराज और वाल्मीकि मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और तरक्की की कामना की। वागड़ जनजाति गौरव पदयात्रा के दूसरे दिन बांसवाड़ा जिले के घाटोल विधानसभा क्षेत्र के भुआसा गांव में जनजाति समाज के काँजी कटारा भील के घर पर डॉ. सतीश पूनिया ने जनजाति समाज के लोगों के साथ द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति पद शपथ ग्रहण समारोह को टीवी पर देखा। वहीं घाटोल विधानसभा क्षेत्र के गनोड़ा में डॉ. पूनिया का जनजाति समाज ने पारंपरिक संस्कृति एवं लोकनृत्य कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इसके साथ ही प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, प्रदेश उपाध्यक्ष हेमराज मीणा, विधायक गोपीचंद मीणा, हरेन्द्र निनामा, कैलाश मीणा, जिलाध्यक्ष डूंगरपुर प्रभु पण्डया, जिलाध्यक्ष बांसवाडा गोविंद सिंह, एसटी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जितेन्द्र मीणा, एसटी मोर्चा महामंत्री धर्मेंद्र राठौड़, पूर्व मंत्री धनसिह रावत, विधायक समाराम गरासिया, अमृतलाल मीणा, नगर परिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ, हकरू मईडा इत्यादि उपस्थित रहे।

'ईआरसीपी प्रोजेक्ट पर कांग्रेस सरकार सिर्फ राजनीति कर रही है'

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि इआरसीपी प्रोजेक्ट के ऊपर कांग्रेस सरकार सिर्फ और सिर्फ राजनीति करना पसंद कर रही है।

उन्होंने कहा कि जनता के अंदर एक इस प्रकार का भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है कि भाजपा और भारत सरकार यह दोनों ही प्रोजेक्ट को पूरा करना नहीं चाह रही। अगर भाजपा के मन में कोई खोट होती तो भाजपा की सरकार 2013 से लेकर 2018 तक थी। तब भी भाजपा सरकार ने ही इस प्रोजेक्ट को बनाने का काम किया था और इस प्रोजेक्ट की क्रिया नीति के लिए भाजपा की सरकार हमेशा से प्रयासरत रही है, लेकिन कांग्रेस की सरकार सिर्फ और सिर्फ राजनीति करना पसंद कर रही है, जो प्रोजेक्ट में तकनीकी कमी खामी है, उसको पूरा करने का काम नहीं कर रही है और सिर्फ इसका पूरा का पूरा ठीकरा भाजपा के माथे फोड़ने का काम राजस्थान की सरकार कर रही है। रविवार को सर्वदलीय बैठक के अंदर भी उप नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ ने भी कहा कि जो 50 परसेंट निर्भरता के आधार पर जो प्रोजेक्ट बनाया गया है, उस प्रोजेक्ट के ऊपर तो आप ही के तत्कालीन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ थे, उन्होंने भी आपत्ति दर्ज कराई है। आप एक बार वास्तविकता से अवगत होंगे, राजस्थान सरकार जो तकनीकी कमी खामी है उसको तत्काल पूरा करें।

राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार सुबह संसद भवन के सेंट्रल हॉल में आयोजित देश की 15वीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। उन्हों कहा कि आज द्रौपदी मुर्मू ने शपथ ग्रहण समारोह में अपने भाषण में जो विचार व्यक्त किए वो काफी प्रभावशाली थे। गहलोत ने कहा कि वे आशान्वित हैं कि मुर्मू ने अपने भाषण में देश के प्रति जो प्रतिबद्धता व्यक्त की है, उस पर वो खरी उतरेंगी।

'योगा स्पोर्ट्स एसोसिएशन को जल्द ही मान्यता दिलवाएंगे'

जयपुर, (का.प्र.)। जयपुर योगा लीग संस्थान द्वारा योग के साधकों में प्रवीणता, विशेषज्ञता के उद्देश्य से दो दिवसीय छठी योगासन खेल प्रतियोगिता सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में संपन्न हुई।

आयोजक जयपुर योगा लीग के सचिव डॉ. अभिनव जोशी ने बताया कि योगासन खेल प्रतियोगिता समापन समारोह में मुख्य अतिथि खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस डॉ रवि प्रकाश मेहरडा एवं सुजोक विशेषज्ञ अशोक कुमार कोठारी रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि जयपुर योगा लीग संस्थान योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। राजस्थान सरकार योगा

■ **योगासन खेल प्रतियोगिता में आश्वासन दिया**

स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान को उनके द्वारा किए जा रहे नवाचारो एवं योगासन खेल प्रतियोगिताओं को प्रदेश भर में आयोजित करने के लिए जल्द ही सरकार की तरफ मान्यता प्रदान करने का प्रयास करेगी। विजेताओं को कुल 3 लाख रुपए के नकद पुरस्कारों एवं मेडल से सम्मानित किया गया। पुरुष वर्ग में योग रत्न अवार्ड राजस्थान के ऋतिक विश्नोई एवं महिला वर्ग में महाराष्ट्र की श्रेया कंधारे ने प्राप्त किया। 40 स्वर्ण पदक एवं 40 रजत पदक की विभिन्न विजेताओं को प्रदान किए गए।

नौ महीने भरतपुर कलेक्टर की रिपोर्ट पर कुंडली मारकर क्यों बैठी रही गहलोत सरकार : शेखावत

जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए कहा कि अपने हर पाप के लिए भाजपा को दोष देने में अशोक गहलोत को महारत हासिल है। गहलोत सरकार को कुंभकर्णी नींद से जगाने के लिए संत बाबा विजयदासजी को अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी, पर असल मुद्दे के बजाय मुख्यमंत्री मौत की परिस्थितियों की जांच प्रिंसिपल सेक्रेटरी से कराने के बहाने सच से बचने की कोशिश कर रहे हैं। आखिर क्या कारण थे, जो 9 महीने से ज्यादा समय तक गहलोत सरकार भरतपुर कलेक्टर की रिपोर्ट पर कुंडली मारकर बैठी रही।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार की निगरानी में हिंदुओं की आस्था के प्रतीक कनकालचल और आदिब्रदी पहाड़ों को अंधाधुंध तरीके से छलनी किया जा रहा था, जिसके विरोध में साधु-संत संघर्ष कर रहे थे, लेकिन अब गहलोत सफाई दे रहे हैं कि वहां कोई अवैध खनन नहीं हो रहा था। लीज पर खदानें चल रही थीं, जबकि सच्चाई यह है कि वहां बड़े स्तर पर अवैध रूप से खनन हो रहा था, जिसके खिलाफ सैकड़ों एफआईआर दर्ज हैं। शेखावत ने कहा कि मीडिया ने भी इस बात को उजागर किया है कि माफिया 60 से अधिक स्थानों पर अवैध खनन कर रहा था। मात्र 9 महीनों में 10 प्रतिशत पर्वतों को माफिया खा गया। 30 लाख टन पत्थर माफिया खोद ले गया। साधु-संतों ने सत्तारूढ़ सरकार के नेताओं और अफसरों पर खनन माफिया से गठजोड़ के गंभीर आरोप तक लगाए थे। फिर आखिर क्या कारण थे, जो 9 महीने से ज्यादा समय तक गहलोत सरकार कलेक्टर की रिपोर्ट पर कुंडली मारकर बैठी रही। जब इतने दिनों आपकी सरकार ने कलेक्टर की रिपोर्ट पर कुछ नहीं किया तो मीडिया के माध्यम से पहुंचाए आपके संदेश पर साधु-संत कैसे भरोसा कर लेते? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सच्चाई यह है कि अवैध खनन को रोकने में गहलोत सरकार की रुचि नहीं थी। उसके ढुलमुल रवैये ने संत बाबा विजय दास जी को आत्मदाह के लिए विवश किया। गहलोत सरकार ही संत की मौत के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि मुख्यमंत्री के खान मंत्री के संरक्षण में खनन माफिया प्रदेश में काम कर रहा है। सत्ता पक्ष के विधायक चीख-चीख कर इस बात को कह रहे हैं, लेकिन जाने कौन सी मजबूरी है, लालच है, जो मुख्यमंत्री आंखों पर पट्टी बांधकर बैठे हैं या दिल्ली से कोई इशारा है। दो दिन पहले अवैध खनन को लेकर कांग्रेस विधायक भरत सिंह कुंदनपुर मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर संत बाबा विजय दास जी की भांति आत्मदाह तक की चेतावनी दे चुके हैं। मुख्यमंत्री ने अब तक भरत सिंह के आरोपों का जवाब नहीं दिया है।

11 जुआरी पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस ने ग्यारह जुआरियों को गिरफ्तार कर 17585 रूपए की जुआ राशि बरामद की है। डीसीपी राजीव पचार ने बताया खेमा की डेयरी के आसपास जुआ खेल रहे मोहम्मद इमरान, मेहबूब खान, किशन खटीक, सन्नू उर्फ सुरेश, विजय कुमार, सत्यवीर सिंह, गणपत लाल, खेमचंद गुर्जर, सलमान, लोकेश कुमार सहित मोहम्मद रफीक को गिरफ्तार किया है।

भारतीयों ने पूरे विश्व में देश का नाम रौशन किया है : सांसद पिकासो थियोविनिट

जयपुर, (का.सं.)। फ्रांस की सीनेट में "भारत गौरव अवार्ड" आयोजित हुआ। जिसमें देश-विदेश की नामी हस्तियों को "भारत गौरव अवार्ड" से सम्मानित किया गया। "संस्कृति युवा संस्था" द्वारा यह अवार्ड समारोह वर्ष 2012 से अनवरत जारी है। इस अवार्ड समारोह में भारत, ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैंड, कनाडा, साउथ अफ्रीका, मलेशिया, दुबई, लंदन, इटली सहित कई देशों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए भारतीय मूल की पहली सांसद बनी पिकासो थियोविनिट ने कहा कि भारतीयों ने पुरे विश्व में भारत का नाम रौशन किया है। जब भारत को आजादी मिली थी तो किसी ने सोचा भी नहीं था कि एक दिन विश्व पटल पर भारतीय इस प्रकार अपनी पहचान बनायेंगे। आज सभी क्षेत्रों में भारतीय लोग अग्रणी भूमिका निभा रहे है और पूरे विश्व में भारतीयों की धाक बढ़ रही है। यह विचार संस्कृति युवा संस्था की ओर से पेरिस में भव्य समारोह में कहे।

इस अवसर पर समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में फ्रांस की सीनेटर एवं मिनिस्टर विक्टोरिया जैस्मिन, लंदन में 5 बार के सांसद वीरेन्द्र शर्मा व फ्रांस में भारत के दूतावास के मंत्री श्रीला दत्ता कुमार ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्कृति युवा संस्था के इंटरनेशनल अध्यक्ष पं सुरेश मिश्रा ने कहा है कि हमें तय करना है कि हम अपने देश की माटी से इस प्रकार जुड़े रहें की हमारा अपनापन और भारतीयता लगातार आगे बढ़े।

इस अवसर पर संस्कृति युवा संस्था के फ्रांस चैप्टर के चैयरमेन अनवर हुसैन एवं संस्कृति युवा संस्था के प्रदेशाध्यक्ष गौरव धामाणी ने बताया कि नालंदा यूनिवर्सिटी के चांसलर पद्मभूषण डॉ. विजय भाटकर, ईएचसीसी हॉस्पिटल की चैयरमेन मंजू शर्मा, कंट्री हेड व गुगल इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट संजय गुप्ता, कनाडा से क्राउन ग्रुप होटल के सीईओ एवं प्रेसिडेंट कुलदीप शर्मा, अमेरिका से कांसेप्ट सॉफ्टवेयर सर्विस के फाउंडर रविंद्र भावे, शेखावाटी इम्पेक्स एवं बैग मैन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट दिनेश गुप्ता, यूएई से आर्ट स्टूडियो मेराकी की डायरेक्टर निवेदिता शाह, पूर्व राज्यपाल बिहार पद्मश्री डी.वाई. पाटील, नाथद्वारा में भगवान शिव की 320 फीट प्रतिमा बनाने वाले और अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की भव्य विशाल प्रतिमा बना रहे नरेश कुमार कुमावत, साइंटिस्ट डॉ. एस. कुमार, आर.के. डेरेवाला कंपनी के ओनर पद्मश्री रामकिशोर छीपा, एकुटी लेब्स के सीईओ एंड फाउंडर मनोज हरभजनका (यूके), डयूरिस बैंक के वाइस प्रेसिडेंट पंकज ओझा (यूएसए), भारतीय प्रशासनिक सेवा के सीनियर ऑफिसर मुकेश कुमार, इंटरनेशनल मैसर्स पिंक सिटी के डायरेक्टर पद्मश्री अफजल खान, प्रजापिता ब्रहमकुमारीज ग्लोबल हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के मेडिकल डायरेक्टर एवं ट्रस्टी डॉ. प्रदीप मिढा, भारत ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप आनन्द, भारतीय आध्यात्मिक गुरू आचार्य शैलेश तिवारी, फ्रांस से समाज सेवी मेहेन पोन्नुसामी, लंदन में मशहूर सेफ नसीम कुरैशी, मोटिवेशनल स्पीकर एवं आध्यात्मिक क्षेत्र में कार्य कर रही जया किशोरी, ग्लोबल एम्बेसडर रीता अब्राहम (साउथ अफ्रीका), रिटायर्ड आईएएस एस. लक्ष्मीनारायण, वेदांता ग्रुप की प्रेसिडेंट वेदवती अग्रवाल, (यूके) मैसर्स पदम दिनेश एण्ड कम्पनी के पदम कुमार गुप्ता एवं दिनेश अग्रवाल (भारत), फ्रांस में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप सेवोके, फ्रांस से बिजनेसमैन एवं सोशल वर्कर नीरज लालवानी, सोशल वर्कर एवं बिजनेसमैन जीन पॉल (फ्रांस), बॉम्बे यार्न मर्चेंट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. जयकृष्ण पाठक, ऑर्गेनिक खेती के क्षेत्र में अजय कुमार बोहरा, सूया एनक्लेव एवं सूर्या राय फोर्स के चेयरमैन अमृत लाल बंसल, पाराशर हीलिंग एसएसओसीएस हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. गोवर्धन लाल पाराशर को "भारत गौरव" के अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

इस अवसर पर सम्मान समारोह में प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, गोल्ड मेडल व शॉल देकर प्रतिभाओं को "भारत गौरव" के अलंकरण से सम्मानित किया गया।

■ **भारतीय संस्कृति और राष्ट्र गान की गूंज फ्रांस की सीनेट में हुई, 11 देशों से आये प्रतिनिधि**

फ्रांस की सीनेट में "भारत गौरव अवार्ड" आयोजित हुआ। इसमें संस्था के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने देश-विदेश की 31 नामी हस्तियों को सम्मानित किया।

एसआई भर्ती रहेगी याचिका के फैसले के अधीन

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती-2021 की शारीरिक दक्षता परीक्षा से जुड़े मामले में भर्ती प्रक्रिया को याचिका के अंतिम फैसले के अधीन रखा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 16 अगस्त को तय की है।

'पोद्दार स्कूल से गायब हुई रीट परीक्षा की दो ओएमआर शीट, एक घंटे बाद मिली'

'जिला प्रशासन ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की अनुमति लेकर यह दोनों ओएमआर शीट बाद में भेजी'

जयपुर (कासं)। राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (रीट) में लगातार विवाद सामने आ रहे हैं। पेपर के कुछ पेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अब जयपुर में परीक्षा केन्द्र से ओएमआर शीट मिसिंग होने का मामला सामने आया है। इससे परीक्षा की पारदर्शिता पर फिर से सवाल खड़े हो गए है। हालांकि पुलिस ऐसा कोई भी मामला होने से मना कर रही है।

एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार मीणा ने आरोप लगाया है कि पोद्दार स्कूल, गांधी नगर स्थित परीक्षा केंद्र पर 23 जुलाई को पहली पारी में हुई परीक्षा के बाद दो ओएमआर शीट नहीं मिली। शेष ओएमआर शीट को भिजवा दिया गया। करीब एक घंटे बाद दोनों ओएमआर शीट मिल गई। इसके बारे में स्कूल प्रिंसीपल ने जिला प्रशासन को बताया। प्रशासन ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद दोनों ओएमआर शीट को भिजवाया। इस पूरे मामले पर जिला प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि पोद्दार स्कूल के प्रिंसीपल के खिलाफ अनियमितता की जांच चल रही है।

वहीं दूसरी ओर रीट परीक्षा की चौथी पारी का पेपर सोशल मीडिया पर वायरल होने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। एबीवीपी ने सोमवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वारा पर सोशल मीडिया पर पेपर बाहर आने और परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों से अभद्रता के विरोध में प्रदर्शन किया। एबीवीपी ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्र जेएलएन मार्ग की तरफ आने लगे, जिस पर पुलिस प्रशासन ने विवि के मुख्य गेट को बंद कर दिया, जिस पर प्रदर्शकारी वहीं पर बैठ गए।

■ **ओएमआर शीट एक घंटे तक कहां गायब रही, इसकी जांच करके राज्य सरकार को दोषी अफसरों और स्कूल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए : हुश्यार मीणा**

एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री हुश्यार मीणा ने बताया कि रीट परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों से पेपर परीक्षा केंद्र के अंदर ही ले लिया था। ऐसे में पेपर सोशल मीडिया पर कैसे वायरल हुआ, इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हुश्यार मीणा ने कहा कि रीट के पेपर जमा होने के बाद भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, यह सिस्टम पर सवाल खड़ा कर रहा है। वहीं पोद्दार स्कूल से दो ओएमआर शीट कैसे मिसिंग हुई, वे एक घंटे तक कहां रही। इसकी पूरी जांच होनी चाहिए। दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं परीक्षा के दौरान केंद्रों पर अभ्यर्थियों के साथ अभद्रता के मामले भी सामने आए थे।

अपना घर आश्रम में तीन लोगों की फूड पॉयजनिंग से मौत

उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर पांच लोग बीमार हो गये

कोटा, (निसं)। जिले के एरोड्रम सर्किल स्थित मोटर मार्केट के नजदीक पॉलिटेक्निकल कॉलेज की पुरानी बिल्डिंग में संचालित अपना घर आश्रम में तीन मानसिक विमंदित लोगों की फूड प्वाइजनिंग से मौत का मामला सामने आया है। जिसके बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर ओपी बुनकर, एडीएम बृजमोहन बैरवा, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विजय सरदाना, मुख्य चिकित्सा एवं अधिकारी डॉ. भूपेंद्र सिंह तंवर, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के उप निदेशक ओमप्रकाश तोषनीवाल सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और वहां जायजा लिया। जिला कलेक्टर ओपी बुनकर के अनुसार महिला और पुरुषों को रविवार को उल्टी दस्त की शिकायत हुई। एक के बाद एक 5 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में तीन लोगों की उपचार के दौरान मौत हो गई। इनमें 37 वर्षीय मुन्नी बाई, 36 वर्षीय सुदेवी और 51 वर्षीय दिलीप शामिल है। इनकी मौत की सूचना पर जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिसके बाद एक दर्जन कार्मिकों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जिला कलेक्टर ओपी बुनकर का कहना है कि आश्रम में रह रहे सभी निराश्रित की जांच करवा दी गई। जिसको मामूली भी लक्षण है, उसको भी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हालांकि, भर्ती लोगों की तबीयत ठीक लग रही है। बने हुए खाने और खाद्य सामग्री दोनों का सैंपल लिया है। मेरे हिसाब से यह बोरिंग का पानी उपयोग में लेते हैं। उसमें भी कोई समस्या हो सकती है। उसमें क्लोरीन नहीं डाली गई हो। सीएमएचओ डॉ. भूपेंद्र सिंह तंवर का कहना है कि बैक्टीरियोलॉजिकल इन्वेस्टिगेशन के लिए भी प्रिंसिपल मेडिकल कॉलेज से आग्रह कर दिया है। जहां वायरोलॉजिकल, बैक्टीरियोलॉजिकल, यूरिन और सिकल की जांच होगी। पानी से फूड प्वाइजनिंग का अंदेशा ज्यादा लग रहा है।

अस्पताल में ले जाने में हुई देरी, प्रशासन को नहीं दी समय से सूचना-

- मेडिकल कॉलेज के नये अस्पताल में उपचार के दौरान तीन लोगों ने दम तोड़ा, प्रशासन हरकत में आया

अपना घर आश्रम में निराश्रित लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया जाता है। शाम को पहले मरीज को उल्टी दस्त होने पर आश्रम में ही प्राथमिक उपचार दिया और इसमें तबीयत बिगड़ने पर रविवार शाम को भर्ती करवा दिया। इसके बाद अन्य तीन मरीजों को देर रात भी भर्ती मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में करवाया था। हालांकि, सीएमएचओ डॉ. भूपेंद्र सिंह तंवर का यह मानना है कि अस्पताल पहुंचाने में देरी हुई है, साथ ही उनका कहना है कि प्रशासन को भी समय से सूचना नहीं दी गई है। सीएमएचओ डॉ. तंवर का कहना है कि जहां खाना बन रहा था वहां पर गंदगी थी और मक्खियां मौजूद थी। साथ ही खाना बनाने में बोरिंग का ही उपयोग किया जा रहा है। इस पूरे मामले की जांच रिपोर्ट बनाकर जिला कलेक्टर को सौंप देंगे।

खाना पानी और खाद्य सामग्री के लिए नमूने-आश्रम के स्टाफ ने बताया है कि रविवार शाम को छोले की सब्जी, खिचड़ी, रोटी और हलवा बना था जबकि सुबह लौकी की सब्जी, दाल, चावल व रोटी दी गई थी। सीएमएचओ और पीएचईडी की टीम ने पानी की टंकी, बोरिंग, वाटर कूलर, सहित सप्लाई के भी नमूने लिए हैं। फूड सेफ्टी टीम ने राशन सीज किया है जिसकी जांच की जाएगी। कुल 17 नमूने लिए गए हैं। 12 खाद्य सामग्री के नमूने लिए हैं। इसके अलावा 5 बने हुए खाने के लिए हैं। वही पानी के 13 नमूने लिए गए हैं। सीएमएचओ की टीम ने 9 सैंपल पानी के लिए हैं। इसके अलावा पीएचईडी के टीम ने 4 सैंपल लिए हैं। अपना घर आश्रम में 265 लोग रह रहे थे, जिनमें 170 महिलाएं और 95 में पुरुष शामिल हैं। इनमें मनोरोगी, मंदबुद्धि, नेत्रहीन, लकवाग्रस्त, हड्डी फैक्चर और अन्य तरीके के बीमार भी शामिल है। हालांकि, क्षमता से ज्यादा लोग यहां पर निवास कर रहे हैं। जिला कलेक्टर ओपी बुनकर ने माना है कि यहां पर क्षमता से अधिक लोगों को रखा हुआ है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि सेवा के मामले में कोई कमी नहीं थी।

नहीं बरती लापरवाही-अपना घर आश्रम के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार सिंह सेंगर का कहना है कि लापरवाही कोई नहीं बरती गई है। शाम को एक मानसिक विमंदित की तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें समय से अस्पताल पहुंचा दिया था। इसके बाद रात में भी अन्य की तबियत बिगड़ गई जिन्हें भी अस्पताल पहुंचा दिया था। हमारे यहां पर 8 घंटे की शिफ्ट में हमेशा मेडिकल के सेवा साथी रहते हैं। कुल मिलाकर 52 सेवा साथिया पर काम करते हैं। ऐसी कोई लापरवाही नहीं बरती गई। खाना भी सभी ने खाया था। अब प्रशासन की जांच के बाद साफ होगा।

चलती स्कूल बस बनी आग का गोला

जिले के कारोई थाना क्षेत्र में मुजरास टोल नाके पास जलती स्कूल बस।

भीलवाड़ा (निस)। जिले के कारोई थाना क्षेत्र में मुजरास टोल नाके के पास सोमवार को स्कूली बच्चों को स्कूल लेकर जा रही सोमिला इंटरनेशनल स्कूल की बाल वाहिनी स्कूल बस में अचानक आग लग गयी जिससे बड़ा हादसा होते बच गया तथा किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग के कारणों का खुलासा भी नहीं हुआ है। बस को काफी नुकसान हुआ है।

भीलवाड़ा उदयपुर नेशनल हाइवे पर आस पास के गावों से स्कूली बच्चों को लेकर गंगापुर जा रही स्कूल बस में मुजरास टोल नाके के पास अचानक आग लग गयी। बस चालक ने सुझबूझ का परिचय देते हुए बस को साइड में रोक कर बच्चों व बस में सवार स्कूल स्टाफ को नीचे उतार कर बस से दूर कर

- चालक की सूझबूझ से बची 10 बच्चों की जान

सुरक्षित बचा लिया। बाद में नेशनल हाइवे पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बस पर आग पाने का प्रयास किया। कारोई एसएचओ हरपाल सिंह, टोल कर्मियों व भीलवाडा से दो दमकलों ने पहुंच कर आग पर काबू पाया पर तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी। बस चालक देबीसिंह भी हादसे के बाद सहमा हुआ है। उसने पुलिस को बताया कि बस में 11 स्कूली बच्चे व 8 शिक्षक स्कूल के थे। टोल नाके के आगे ओर बच्चों को बिठाया जाना था। बस गंगापुर के सोमालिया स्कूल की है। प्रतिदिन गावों से लेकर गंगापुर पहुंचती है। चालक की सूझबूझ से बडा हादसा होने से तो बच गया पर स्कूली बस में अचानक लगी आग से कई सवाल खडे हो गये है। स्कूली बसों के फिटनेस में परिवहन विभाग व शिक्षा विभाग की कार्य कुशलता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। हादसे के बाद अब दोनो विभागों के अधिकारी मौके व स्कूल पहुंच कर कार्रवाई करेंगे। हादसे की सूचना गावों में पहुंचने पर कई अभिभावक मौके पर पहुंचे तथा बच्चों को सुरक्षित पाकर सभी नेराहत की सांस ली है। स्कूल प्रबंधन ने कहा है कि शार्ट सर्किट से आग लगने का कारण चालक द्वारा बताया जा रहा है। अन्य वाहनों का परीक्षण भी करवाया जा रहा है।

2 लाख रुपये की अवैध स्मैक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

कैलादेवी(नि.स) कैला देवी थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 2लाख रुपये की अवैध मादक पदार्थ स्मैक ले जाते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर एक बोलेरो जीप जप्त कर ली है।

कैलादेवी थाना अधिकारी निरंजन कुमार ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक नारायण टोंगस के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन ऋफ्लैश आउट के तहत कैलादेवी थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी सुदेश पुत्र हरिप्रसाद मीणा 22,रामकेश पुत्र मूडया माली निवासी चौड़ा गांव थाना सपोटरा को 25.50 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना अधिकारी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थ उपयोग का प्रचलन लोगों में काफी बढ रहा है जिससे युवा वर्ग भी अछूता नहीं रहा है जिसमें युवा वर्ग की नशे की गिरफ्त में आकर अपराधों की ओर अग्रसर हो रहा है पुलिस अधीक्षक के द्वारा नशे के सौदागर तथा इसके कारोबार पर अंकुश लगाने एवं युवा वर्ग को इस नशा के दुष्प्रभाव से बचाने हेतु

कैलादेवी थाना पुलिस ने स्मैक तस्करों को गिरफ्तार किया।

स्वयं के सुपरविजन में ऑपरेशन फ्लैश आउट अभियान चलाया जा रहा है उन्होंने बताया कि रविवार को स्वयं पुलिस जाब्ते के साथ गश्त पर रवाना हुए इस दौरान लोहर्रा रोड बस स्टैंड के पास पहुंचे जहां एक सफेद बोलेरो गाड़ी तेज गति से आती हुई दिखाई दी जो पुलिस,सरकारी जीप को देखकर जंगल में नालियों की तरफ भागने लगे जिन्हें घेरा देते हुए पकड़ने में कामयाबी हासिल की उन्होंने बताया कि उनकी ली गई तलाशी में दोनों युवकों के पास से 25.50 ग्राम अवैध मादक पदार्थ में जिसकी कीमत करीब 2लाख है। उन्होंने बताया कि कार्यवाही के दौरान थाने के सब उपनिरीक्षक प्यारेलाल,कांस्टेबल गुमान सिंह, मनीष, हेमराज, बाजिया साथ रहे।

गेहूं की काला बाजारी रोकने की मांग

बांसवाडा, (निसं)। भारतीय ट्राइबल पार्टी ने उपखंड अधिकारी के माध्यम से कलेक्टर को ज्ञापन भेज विधानसभा क्षेत्र में हो रही गेहूं की कालाबाजारी रोकने की मांग की है।

बीटीपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विजय भाई मईडा ने बताया कि कुशलगढ विधानसभा क्षेत्र में यूरिया खाद पर एमआरपी दर से अधिक कीमत वसूली जा रही है। एमआरपी दर 268 रुपये है और व्यापारी 400 रुपये तक वसूल रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र के कुशलगढ, सज्जनगढ, छोटी सरवा, बडी सरवा, पाटन, मोहकमपुरा, टीमेडा बडा, रामगढ, तांबेसरा, डूंगरा, भील कुआं, कहारवाडी, उकाला आदि कस्बों में यूरिया पर व्यापारियों द्वारा मनमानी लूट की जा रही है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि कालाबाजारी पर तुरंत नियंत्रण नहीं किया जाता है तो भारतीय ट्राइबल पार्टी जन आंदोलन व धरना प्रदर्शन के लिए विवश होगी। ज्ञापन देने वालों में सज्जनगढ ब्लॉक अध्यक्ष मानसिंह डामोर, नरेश, विजय सिंह भाबोर, राजेंद्र डोडियार, विधानसभा क्षेत्र प्रभारी देवचंद मईडा, अनिल, महेश, प्रदीप, राकेश आदि प्रमुख रहे।

926 किलो अवैध डोडा-चूरा जप्त, तस्कर फरार

कपासन पुलिस ने पिकअप में भरे डोडा चूरा के कट्टों को बरामद किया।

कपासन, (निसं)। कपासन पुलिस ने एक पिकअप गाड़ी में 46 कट्टों में भरा कुल 926 किलो 250 ग्राम अवैध डोडा चूरा जप्त किया। पिकअप के नदी में फंस जाने से तस्कर गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए।

कपासन थाना अधिकारी फूलचंद टेलर ने बताया जिले में अधिकारियों अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए कपासन

- पिकअप के नदी में फंस जाने से तस्कर पिकअप गाड़ी छोड़ भाग गए

पुलिस ने तीर्थ स्थल शनि महाराज के पास एक बिना नंबर की पिकअप चालक ने गाड़ी और तेजी से गाड़ी भगा कर ले गया। इसके बाद गांव रामथली के पास नदी को पार करने के प्रयास में गाड़ी पिकप फंस गई। पुलिस में गाड़ी की तलाशी लेने के दौरान गाड़ी में से 46 कट्टे मिले जिसमें कुल 926 किलो 250 ग्राम अवैध डोडा चूरा जप्त किया।

पिकअप के नदी में फंस जाने से तस्कर गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर उच्च अधिकारियों के आदेश अनुसार निकुंभ थाना अधिकारी यसवंत सोलंकी के जिम्मे किया गया।

महाकाल गैंग का मुख्य सरगना गिरफ्तार

भीम, (निसं)। गत दिनों समेलिया पंचायत के तीतरी ग्राम में बीस-तीस लोगों द्वारा घरों में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ व वाहन क्षतिग्रस्त करने के मामले में पुलिस ने महाकाल गैंग के मुख्य सरगना सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीआई गजेन्द्र सिह मय जाब्ता ने आरोपी महाकाल गैंग के मुख्य सरगना महावीर सिंह पिता किशन सिंह रावत निवासी थोरिया पीपलीनगर एवं समुन्द्र सिंह उर्फ सागर सिंह पुत्र बाबू सिंह निवासी काछबली को गिरफ्तार किया। गैंग के विरूद्ध पूर्व में कई आपराधिक मामले दर्ज है। डीएसपी राजेन्द्र सिंह ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में चल रहे ऑपरेशन प्रताप व अन्य अभियानों के तहत पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर चलने वाली बिच्छु गैंग, कोबरा गैंग, महाकाल गैंग आदि के विरूद्ध सख्त कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

यह था मामला :गत दिनों 12 मई को रात्रि के समय बीस-तीस लोगों ने तीतरी ग्राम निवासी मोट सिंह पिता केसर सिंह के घर में घुस कर मारपीट कर पचास हजार रूपये लूट ले गये थे एवं घर में रखी मोटरसाइकिलों व कार आदि वाहनों को तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया तथा कई हवाई फायर कर मौके से फरार हो गये।

45 भेड़-बकरियों की मौत

भीम, (निसं)। शनिवार दिनभर हुई बारिश के कारण ग्राम पंचायत कुकर खेड़ा के सुनार कुड़ी ग्राम में एक कैटल शेड ढ हने से करीब 45 भेड़ बकरियों की अकाल मृत्यु हो गई। पशुपालक राम सिंह पिता जवान सिंह व हजारी सिंह पिता जवान सिंह के घर पर बना मवेशियों का झौंपड़ा ढ ह गया। जिससे भेड़ बकरियां मलबे में दब कर मर गई। इस दौरान कई ग्रामवासी मौके पर पहुॅचे तथा मलबा हटाना प्रारंभ किया। लेकिन मलबा हटाते तब तक सभी पालतु मवेशियों भेड़ बकरियों की मौत हो गई तथा करीब पचास जानवरों में से चार पांच की बमुश्किल जान बचाई जा सकी। एकसाथ सभी भेड़ बकरियों के काल कवलित होने से परिवारजनों का रो रोकर बुरा हाल था।

10 लाख की डिमांड पूरी नहीं हुई तो कीटनाशक पिलाया

हनुमानगढ़। जिले में दहेज हत्या का मामला सामने आया है। महिला थाना पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शाहपीनी निवासी आरोपी रघुवीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पंजाब रोडवेज में कंडक्टर है। आरोप है कि रघुवीर पत्नी पर 10 लाख रुपए पीहर से लाने की डिमांड कर रहा था। इसे लेकर वह आए दिन पत्नी के साथ मारपीट करता था।

पुलिस उप अधीक्षक प्रशांत कौशिक ने बताया कि दहेज हत्या के मामले में रघुवीर सिंह को गिरफ्तार कर पीलीबंगा कोर्ट में पेश किया। दो दिन का रिमांड मंजूर करवाया गया है। जांच जारी है।

- प्लाट खरीदना चाहते थे ससुराल वाले, आए दिन मारपीट करते थे

पुलिस ने बताया कि रघुवीर की पत्नी कुलवीर कौर (32) ने 3 जुलाई को महावीर अस्पताल में पुलिस को पर्चा बयान दिया था। कुलवीर कौर ने बताया था कि उसकी शादी रघुवीर सिंह के साथ हुई थी। दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी 10 साल व छोटी बेटी 7 साल की है। उसका पति रघुवीर सिंह, सास गुरप्रीत व ससुर नायबसिंह उसे प्लॉट खरीदने के लिए पीहर पक्ष से 10 लाख रुपए लाने की बात कहकर परेशान करते हैं और मारते-पीटते हैं। ये लोग इन पैसों से कोई प्लाट खरीदना चाहते हैं। महिला ने पुलिस को बताया कि 3 जुलाई को उसके पति रघुवीर ने उसे जबरन कीटनाशक दवा पिला दी। इसके बाद वह बेहोश हो गई। पुलिस ने दहेज प्रताड़ना व हत्या प्रयास के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान श्रीगंगानगर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान कुलवीर कौर की मौत हो गई। इस पर मामला दहेज हत्या में तब्दील हो गया।

गौ-रक्षा दल पूनिया से मिला

बांसवाडा, (निसं)।गौ रक्षा हिंदू दल के पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष वर्जेंग पाटीदार के नेतृत्व में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया से भेंटकर दुपट्टा ओढाकर उनका स्वागत किया। दल के पदाधिकारियों ने डॉ. पूनिया को जिले में अवैध तरीके से गौ तस्करी कर बाहर कटनी में ले जाने वालों की पड़ताल करवा प्रशासन से कठोर कार्यवाही करवाने की मांग की। दल ने जिले में अवैध रूप से चोरी छिपे चलाए जा रहे बूचडखानों को बंद करने, गौरक्षकों को सुरक्षा के लिए हथियार का लाईसेंस दिलवाने सहित अन्य मांगें रखी।इस अवसर पर जिला सचिव रामलाल मईडा, जेरुप पटेल, हितेश उदपुरा, दिलीप पटेल, नरेश पटेल भीमपुर, प्रेम सेवक गनोडा आदि मौजूद रहे।

फतहसागर साढ़े तीन फीट खाली, मदार छोटा तालाब लबालब

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी की खूबसूरत फतहसागर झील में लगातार आवक जारी है। मदार बड़ा छलकने के साथ ही इसमें मदार नहर से आवक शुरू हुई थी हालांकि बारिश का दौर थमने से आवक थोड़ी धीमी हो गई है लेकिन जलस्तर निरंतर बढ़ता जा रहा है और झील का जलस्तर 9 फीट 6 इंच हो गया है। पूर्ण भराव क्षमता 13 फीट से अब यह साढ़े तीन फीट खाली रह गया है। इधर, आज सुबह मदार छोटा तालाब भी अपनी भराव क्षमता 21 फीट को छू गया।

लेकसिटी में सोमवार का दिन रीता

- मदार छोटा का पानी भी फतहसागर में आएगा, सीसारमा की चादर एक फीट चली

ही बीता। आसमान में बादल छाए रहने के साथ कुछ देर हल्की बूंदाबांदी भी हुई । आज सुबह 7 बजे 21 फीट क्षमता वाला मदार छोटा तालाब भी लबालब हो गया। पानी के हिलोरे के साथ इसकी रपट पर पानी बहने लगा। इसका पानी भी मदार नहर के जरिए फतहसागर में आएगा। अभी मदार बड़ा के छलकने के साथ चिकलवास हेड 2 फीट 3 इंच व टेल 1 फीट 2 इंच के वेग से बहती हुई मदार नहर के जरिए फतहसागर में समा रही है। बारिश का दौर थमने के बाद मदार नहर से आवक थोड़ी कम हुई है लेकिन 14 जुलाई से फतहसागर में आवक जारी है।

सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार प्रात: 8 बजे समाप्त बीते 24 घंटों में उदयपुर जिले के नाई में 34 मिमी, देवास स्टेज प्रथम पर 22, स्वरूपसागर पर 5 मिमी, मदार 10, उदयसागर पर 9 मिमी वर्षा हुई।

कार सवार पांच युवकों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया

कपासन, (निसं)।कपासन थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान कार में सवार पांच युवकों को गिरफ्तार कर अवैध हथियार जिनमें धारदार लोहे के 3 छुरे व 2 गुप्ती जप्त किया। पुलिस ने आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज किया।

पुलिस थानाधिकारी फूलचंद टेलर बताया कपासन भादसोड़ा रोड पर गस्त व नाकाबन्दी ताराखेडी तिराहा पर कर रखी थी। उसी दौरान शनि महाराज की ओर से सिल्वर कलर वाहन इण्डिगो कार आई उसको को चैक करने पर गाडी मे पांच व्यक्ति बैठे थे जो संदिग्ध लगने पर उनसे पूछताछ की गई। नाम पता पूछने पर चालक ने सनी पिता पिन्टू डागर निवासी हरिजन बस्ती मदारपुरा मन्दसौर थाना कोतवाली मन्दसौर जिला मन्दसौर एमपी अन्य ने धर्मेश उर्फ गोलू पिता अजय गोहर निवासी हरिजन बस्ती मदारपुरा मन्दसौर थाना कोतवाली मन्दसौर जिला मन्दसौर एमपी, साहिल अहमद पिता मोहम्मद शहजाद जूना रिसाला इन्दौर थाना सदर बाजार इन्दौर एमपी. बृजेश शिंदे पिता देवेन्द्र शिन्दे निवासी भट्टा थाना परदेशीपुरा इन्दौर जिला इन्दौर एमपी, आदित्य मेलाने पिता ओम मेलाने निवासी सरवारा नगर थाना परदेशीपुरा इन्दौर जिला इन्दौर एमपी बताया। जिनकी तलाशी ली गई तो इनके कब्जे में अवैध धारदार लोहे के तीन छुरे व दो गुप्ती मिले जिनको जब्त कर अभियुक्त पांचों को गिरफ्तार किया गया। हथियारों को लेकर थाने पर पहुंच कर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए धारा 4/25 आर्म्स एक्ट मे मामला दर्ज कर अनुसंधान व पूछताछ सुभाषचन्द्र सउनि द्वारा की जा रही

नाकाबंदी के दौरान हथियार तस्करों को दबोचा।

हैं। इन्होंने पूछताछ के दौरान बताया कि एमपी से सांवरिया जी आए दर्शन करने के बाद कपासन दरगाह आ रहे थे। यह हथियार सांवरिया जी से खरीदना बताया।

सांसी बस्ती में सड़क व नाला बनाने की मांग पर सड़क पर जमे लोग

सुजानगढ़, (निसं)। वार्ड 40 के वार्डवासियों ने नगरपरिषद के सामने सोमवार दोपहर को जमकर प्रदर्शन करते हुए सडक जाम कर दी। वार्ड पार्षद इकबाल खान, सांसी समाज के जिलाध्यक्ष महेश सांसी के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे वार्डवासियों ने वार्ड में नालियों का निर्माण व वार्ड में सडके बनाने की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए आंदोलन किया।

दोपहर 12 बजे से वार्डवासियों ने समस्याओं के समाधान के लिए सभापति को मौके पर बुलाने की मांग को लेकर सडक पर बैठे रहे। धरने पर बैठे पार्षद इकबाल खान ने कहा की नगरपरिषद आयुक्त 7 दिनों से सडक के टेंडर का कार्य पूर्ण होने के बाद फाइल पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे है। सांसी समाज के जिलाध्यक्ष महेश ने कहा की हमने नगरपरिषद चुनावों में विकास कार्यों को लेकर मतदान का वहिष्कार किया था। फिर भी उनके वार्ड में विकास कार्यों पर गौर नहीं किया जा रहा है। इसके बाद

नगर परिषद के बाहर धरने पर बैठे सांसी समाज के लोग।

सभापति नीलोफर को बुलाने की मांग की गई। जिसके बाद सहायक अभियंता दिलीप सिंह ज्ञापन लेने प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे लेकिन सभापति को बुलाने की मांग पर प्रदर्शनकारी अड़े रहे। इसके बाद दोपहर साढ़े तीन बजे के बाद सभापति नीलोफर गौरी मौके पर पहुंची। बारिश के बीच में सभापति ने ज्ञापन लेकर प्रदर्शनकारियों से नगरपरिषद के अंदर चल कर वार्ता करने के लिए कहा। जिसके बाद पार्षद इकबाल खान, महेश सांसी, दिलीप सांसी, धर्मेंद्र सांसी सहित समाज के लोगों ने सभापति कक्ष में वार्ता की। वार्ता के दौरान सभापति से सांसी समाज के लोगों ने कहा की वे सडक, शमशान घाट में चार दिवारी बनाने की मांग कर रहे है, लेकिन काम में देरी हो रही है। सभापति नीलोफर ने कहा की वार्ड में सिवरेज कार्य करवाने के बाद सडक बनाएंगे। जिस पर वार्ड के लोगों ने कहा की पहले सडक निर्माण करवाया जाए इसके बाद सिवरेज का कार्य करवाएंगे।

इसके बाद सभापति गौरी ने अगस्त के अंत तक सडक का निर्माण कार्य शुरू करवाने का आश्वासन दिया। मोक्ष भूमि की चारदीवारी को लेकर कहा की सात दिनों के अंदर चारदीवारी का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया जायेगा। जिसके बाद प्रदर्शन कर रहे वार्ड वासी मान गए। इस दौरान प्रदर्शन में संतोष, इकबाल खान, रतना, सीताराम, राकेश, प्रेम, सोनू, अनिल,विजय, मुकेश, पवन कुमार, रूपेंद्र, अजय सहित वार्ड वासी मौजूद रहे। इस दौरान कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची।

मैंने स्पिन के अनुकूल विकेटों पर बल्लेबाजी को लेकर उससे बात की है। उसे सीखना होगा कि स्वीप कैसे करना है और इसे अच्छी तरह कैसे करना है। उसे अपने कदमों का इस्तेमाल करना होगा। - एलन बॉर्डर

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, भारत दौरे को लेकर ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाज ट्रेविस हेड को सलाह देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — मिताली राज

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन सत्र के जरिये क्रिकेट में वापसी का अंदेशा दिया है। मिताली ने सोमवार को आईसीसी की '100 क्रिकेट' पोडकास्ट पर कहा, मैंने उस विकल्प (महिला आईपीएल) को खुला रखा है। मैंने अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। अभी महिला आईपीएल के आयोजन में कुछ समय बाकी है। उसके पहले सत्र का हिस्सा बनना मज़ेदार होगा। उल्लेखनीय है कि बहुप्रतीक्षित महिला आईपीएल की शुरुआत अगले वर्ष होनी है।

क्या आप जानते हैं ?... ओलंपिक में सफेद रंग के झंडे में पांच छल्ले होते हैं। नीले, पीले, काले, हरे और लाल रंग के ये छल्ले दुनिया के पांच महाद्वीपों के प्रतीक है।

एम्यूसन ने 100 मीटर बाधा, डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में बनाया विश्व रिकॉर्ड

यूजीन, 25 जुलाई। नाइजीरिया की टोबी एम्यूसन ने रविवार (भारत में सोमवार सुबह) को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 100 मीटर बाधा दौड़ में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। 25 वर्षीय एम्यूसन ने यूजीन में हुए फाइनल में 12.12 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण जीतते हुए नया रिकॉर्ड स्थापित किया। उन्होंने 100 मीटर बाधा दौड़ में अमेरिका की केंड्रा हैरिसन का 2016 में बनाया गया 12.20 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ा। दूसरी ओर, स्वीडन के ओलंपिक चैंपियन डुप्लांटिस ने अपने पुराने विश्व पोल वॉल्ट रिकॉर्ड में एक सेंटीमीटर और जोड़ते हुए पहली बार अंतरराष्ट्रीय सरज़मीन पर विश्व खिताब जीता। 22 वर्षीय डुप्लांटिस ने अपने स्वयं के 6.20 मीटर के रिकॉर्ड में सुधार करते हुए विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप ओरेगन 2022 में 6.21 मीटर की ऊंचाई को पार किया। यह पांचवीं बार है जब डुप्लांटिस ने विश्व रिकॉर्ड में सुधार किया है। उन्होंने पहली बार फरवरी 2020 में टोरुन में अपनी 6.17 मीटर की ऊंचाई पार करने के साथ 2014 में डोनेट्स्क में रेनॉड लैविलीन द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर से तोड़ा था। डुप्लांटिस ने कहा, मेरा ध्यान पदक पर था। आमतौर पर, यह (विश्व रिकॉर्ड) हमेशा मेरे दिमाग में कहीं न कहीं होता है, लेकिन आज मैं जीत पर ध्यान केंद्रित कर रहा था।

श्रेयस अय्यर अर्द्धशतक को शतक में नहीं बदल पाने से निराश

पोर्ट ऑफ स्पेन, 25 जुलाई। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर वेस्टइंडीज के वर्तमान दौरे में शानदार फॉर्म में हैं लेकिन वह अपने अर्धशतकों को शतक में नहीं बदल पाने से निराश हैं। अय्यर ने दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 71 गेंदों पर 63 रन बनाए और भारत की दो विकेट से रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने संजू सैमसन के साथ चौथे विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। सैमसन ने 54 रन बनाए जबकि बाद में अक्षर पटेल ने नाबाद 64 रन बनाकर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। भारत की पहले वनडे में तीन रन से जीत में 54 रन बनाने वाले अय्यर ने कहा कि वह अगले मैच में शतक बनाने की कोशिश करेंगे। अय्यर ने मैच के बाद कहा, '' मैंने आज जो स्कोर किया उससे मैं खुश हूं लेकिन जिस तरह से मैं आउट हुआ उससे नाखुश हूं। मुझे टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचाना चाहिए था। मैंने अच्छी शुरुआत की लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से अपना विकेट गंवाया। उम्मीद है कि अगले मैच में मैं इससे बेहतर प्रदर्शन करूंगा और शतक बनाने में सफल रहूंगा।'' इस 27 वर्षीय बल्लेबाज को अफसोस है कि वह अब तक शतक नहीं जमा पाए हैं। उन्होंने कहा, ''पिछली बार भी मेरा अच्छा कैच लपका गया था। निश्चित तौर पर मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने अपना विकेट आसानी से गंवाया लेकिन मुझे अपनी अच्छी शुरुआत को शतक में बदलना चाहिए था। पर मैं टीम की जीत में योगदान देकर खुश हूं।''

वेस्टइंडीज दौरे के लिए विलियम्सन, बोल्ट और साउदी की न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी

वेलिंगटन, 25 जुलाई। न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज़ के सफ़ेद गेंद प्रारूप के दौरे के लिए अपनी ताक़तवर टीम चुनी हैं, जहां पर कप्तान केन विलियमसन समेत छह वरिष्ठ खिलाड़ियों को चुना गया है, जिन्हें यूरोप के दौरे के लिए आराम दिया गया था। विलियमसन, ट्रेंट बोल्ट, डेवन कॉन्वे, टिम साउदी इंग्लैंड के ख़िलाफ़ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज़ खेलने के बाद जून के अंत में स्वदेश लौट आए थे और टॉम लेथम ने आयरलैंड के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ में कप्तानी की थी। मैट हेनरी भी आयरलैंड के ख़िलाफ़ वनडे सीरीज़ खेलने के बाद टीम से अलग हो गए थे और केंट के लिए काउंटी क्रिकेट से जुड़े। अब ये सभी वेस्टइंडीज़ के दौरे के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में वापसी कर रहे हैं, जहां टीम को टी20 और वनडे सीरीज़ खेलनी है। दौरे की शुरुआत जमैका में 10 अगस्त से तीन टी20 मैचों की सीरीज़ से होगी, इसके बाद बारबाडोस में तीन वनडे खेले जाएंगे। इस सीरीज़ के साथ न्यूज़ीलैंड की अक्तूबर में होने वाले टी20 विश्व कप की असल तैयारी शुरू हो जाएगी, क्योंकि कुछ समय आराम करने के बाद अब वरिष्ठ खिलाड़ी टीम के साथ जुड़ जाएंगे। विलियमसन के केस में आराम और चोट दोनों ही वजह रही हैं। विलियमसन का पिछला टी20 पिछले साल टी20 विश्व कप का फ़ाइनल था, जहां न्यूज़ीलैंड को हार का सामना करना पड़ा था।

दिल्ली एफसी की भारतीय वायुसेना पर रोमांचक जीत

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। डीएसए लीग चैंपियन दिल्ली एफसी ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए सोमवार को यहां अंबेडकर स्टेडियम पर दिल्ली प्रीमियर लीग में भारतीय वायु सेना की विजयी उड़ान को 2-1 से रोक दिया। विजेता टीम की जीत का हीरो नाइजीरियन स्ट्राइकर आर्थर डेसमोस रहा जिसने दोनों शानदार गोल किए और अपनी टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाई।वायुसेना का गोल जीको जोरेम सांगा ने विवेक कुमार के पास पर किया। दिन के दूसरे मैच में तरुण संघा ने उत्तराखंड को 3-2 से हराकर पहली जीत दर्ज की। विजेता के लिए श्याम कुमार जॉय मेस्सी और स्टेनले ने गोल जमाए। पराजित टीम के गोल मैन ऑफ द मैच अर्जुन बिष्ट और शोबित भंडारी ने किए। अंक तालिका में टॉप पर चल रही वायुसेना और दिल्लीएफसी के बीच खेले गए मैच में दोनों टीमें अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरीं लेकिन बेहतर रणनीति से खेलते हुए दिल्ली एफसी ने मुश्किल लग रही जीत को आसान कर दिया।

राष्ट्रमंडल खेल से तीन दिन पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना ने लगाया मानसिक प्रताड़ना का आरोप

संध्या गुरुंग को टीम का हिस्सा बनाने की कोशिश में है बॉक्सिंग फैडरेशन

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। भारतीय मुक्केबाजी संघ यह सुनिश्चित करने की कोशिश में है कि संध्या गुरुंग बर्मिंघम में टीम का हिस्सा बन सके और इसके लिए वह भारतीय ओलम्पिक संघ के साथ काम कर रहा है। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज़ लवलीना बोरगोहेन ने शीर्ष आयोजन राष्ट्रमंडल खेलों से तीन दिन पहले 'मानसिक उत्पीड़न' का आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी कोच को खेल गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है।

लवलीना ने सोमवार को ट्विटर पर एक पोस्ट साझा करके कहा, आज मैं बड़े दुख के साथ कहती हूं कि मेरे साथ बहुत उत्पीड़न हो रहा है। हर बार मेरे कोच, जिन्होंने मुझे ओलंपिक में पदक लाने में मदद की, उन्हें हटाकर मेरी ट्रेनिंग में बाधा डाली जा रही है। इनमें से एक कोच संध्या गुरुंगजी द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित हैं। मेरे दोनों कोचों को हज़ार बार हाथ जोड़ने के बाद कैंप में ट्रेनिंग के लिये बहुत देर से शामिल किया जाता है। मुझे इससे ट्रेनिंग में बहुत परेशानियां उठानी पड़ती हैं, और मानसिक उत्पीड़न तो होता ही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी कोच संध्या गुरुंग को खेल गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही थी, जबकि उनके दूसरे कोच को वापस भारत भेज दिया गया था।उन्होंने लिखा, अभी मेरी कोच संध्या गुरुंग जी राष्ट्रमंडल खेल गांव के बाहर खड़ी हैं और उन्हें प्रवेश करने नहीं दिया जा रहा है, और मेरी ट्रेनिंग खेलों के आठ दिन पहले रुक गयी है। मेरे दूसरे कोच को भारत वापस भेज दिया गया है। मेरे बहुत विनती करने के बाद भी ऐसा हुआ है और इससे मेरा मानसिक उत्पीड़न हुआ है। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि मैं खेलों पर कैसे ध्यान केंद्रित करूं।

खेल और युवा मामलों के मंत्रालय ने लवलीना बोरगोहेन की 'मानसिक उत्पीड़न' की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को आदेश दिया है कि वह लवलीना की कोच के प्रमाणन का इंतज़ाम करे। इसके कुछ देर बाद मुक्केबाजी महासंघ ने रात में इस मामले पर बयान जारी कर कहा,खिलाड़ी दल के 33 प्रतिशत को सपोर्ट स्टाफ के रूप में प्रवेश की अनुमति है। मुक्केबाजी महासंघ के मामले में 12 मुक्केबाजों (आठ पुरुष और चार महिला) के लिए चार सपोर्ट स्टाफ (कोचों सहित) बनते हैं जो टीम के साथ बर्मिंघम की यात्रा कर रहे हैं।

मुक्केबाजी के सन्दर्भ में कोचों और सपोर्ट स्टाफ को लेकर आवश्यकताएं कुछ अलग हैं। भारतोय ओलम्पिक संघ मुक्केबाजी संघ के दृष्टिकोण को समझता है और इसलिए उसने अधिकतम सपोर्ट स्टाफ देकर मदद की है। ओलम्पिक संघ की मदद से सपोर्ट स्टाफ की संख्या 12 मुक्केबाजों के पूरे दल के लिए चार से बढ़कर आठ पहुंच गयी है। मुक्केबाजी महासंघ ने यह सुनिश्चित किया कि संध्या गुरंग आयरलैंड में ट्रेनिंग कैंप में रहे। फेडेरशन आईओए के साथ नजदीकी रूप से काम कर रहा है कि संध्या गुरुंग बर्मिंघम में टीम का हिस्सा बने। इस बीच डेलीगेट ट्रांसपोर्ट और ईटीओ होटल में ठहरने की व्यवस्था उन्हें पहले ही उपलब्ध करा दी गयी है।

लवलीना की कोच के प्रमाणन का तुरंत इंतजाम हो : खेल मंत्रालय

नयी दिल्ली, 25 जुलाई। खेल और युवा मामलों के मंत्रालय ने सोमवार को मुक्केबाज़ लवलीना बोरगोहेन की 'मानसिक उत्पीड़न' की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को आदेश दिया है कि वह लवलीना की कोच के प्रमाणन का इंतज़ाम करे। मंत्रालय के खेल विभाग ने ट्विटर पर लवलीना की शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमने भारतीय ओलंपिक महासंघ से अनुरोध किया है कि लवलीना बोरगोहेन की कोच के प्रमाणन के लिये तुरंत इंतज़ाम किया जाए।

भारत ने विंडीज को दूसरे वनडे में दो विकेट से हराया

पोर्ट ऑफ़ स्पेन, 25 जुलाई। भारत ने अक्षर पटेल (64), श्रेयस अय्यर (63), और संजू सैमसन (54) के शानदार अद्धर्शतकों की बदौलत वेस्ट इंडीज़ को दूसरे एकदिवसीय मैच में दो विकेट से शिकस्त दी। वेस्ट इंडीज़ ने रविवार को क्वीन्स पार्क ओवल में खेले गये मैच में भारत के सामने 50 ओवर में 312 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे भारत ने दो गेंद रहते हासिल कर लिया।

भारत ने 44.1 ओवर में दीपक हुड्डा के रूप में आखिरी बल्लेबाज़ का विकेट गंवा दिया था, और उसे 35 गेंदों में 56 रन की ज़रूरत थी। एक समय पर ऐसा लग रहा था कि भारतीय टीम यह मैच हार जाएगी, लेकिन अक्षर पटेल उर्फ 'बापू' ने 35 गेंदों पर 182.86 के स्ट्राइक रेट से 64 रन बनाकर भारत को जीत दिलायी। अक्षर ने अपनी पारी में तीन चौके और पांच छक्के जड़े।

इससे पहले, वेस्ट इंडीज़ ने शाई होप (115) के शतक और निकोलस पूरन (74) के अद्धर्शतक की बदौलत भारत के सामने 50 ओवर में 312 रन का लक्ष्य रखा था। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए सलामी बल्लेबाज़ होप और काइल मेयर्स ने वेस्ट इंडीज़ को ठोस शुरुआत दी और पहले विकेट के लिये 65 रन जोड़े। होप ने एक छोर संयम के साथ संभाला, जबकि मेयर्स ने तेज़ खेलते हुए 23 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 39 रन बनाये। मेयर्स के आउट होने के बाद क्रीज़ पर आये शमारह ब्रूक्स ने 35(36) रन की पारी खेली। अक्षर पटेल ने ब्रूक्स को और युज़वेंद्र चहल ने ब्रेंडन किंग (0) को पवेलियन लौटाकर भारत को क्षणिक राहत दिलायी, मगर इसके बाद क्रीज़ पर आये कप्तान निकोलस पूरन ने होप के साथ 117 रन की साझेदारी कर भारत को पुनः दबाव में डाल दिया। पूरन ने 77 गेंदों की अपनी पारी में एक चौका और छह छक्के लगाकर 74 रन बनाये। शार्दुल ठाकुर ने पूरन को आउट कर शतकीय साझेदारी को तोड़ा। साथ ही उन्होंने विस्फोटक बल्लेबाज़ रोवमैन पॉवेल (13) को भी हाथ खोलने से पहले ही पवेलियन लौटा दिया।

पहली पारी में वेस्ट इंडीज़ के हीरो रहे शतकवीर होप जिन्होंने ठाकुर की गेंद पर आउट होने से पहले 135 गेंदों पर 115 रन बनाये। वह मैच के 49वें ओवर तक एंकर का किरदार निभाते रहे जिसकी बदौलत वेस्ट इंडीज भारत के सामने यह विशाल स्कोर खड़ा कर सकी। भारत की ओर से शार्दुल ठाकुर ने सात ओवर में 54 रन देकर सर्वाधिक तीन विकेट लिये, जबकि दीपक हुड्डा (नौ ओवर, 42 रन), अक्षर पटेल (नौ ओवर, 40 रन) और युज़वेंद्र चहल (नौ ओवर, 69 रन) को एक-एक विकेट हासिल हुआ।

अक्षर ने एक मेडन ओवर भी डाला। मोहम्मद सिराज को कोई विकेट नहीं मिला, हालांकि उन्होंने किफायती गेंदबाज़ी करते हुए 10 ओवर में एक मेडेन के साथ 47 रन दिये। अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय में अपना पदार्पण कर रहे आवेश खान महंगे साबित हुए और उन्होंने छह ओवर में 54 रन दिये। जब भारत 312 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो पहले मैच में 97 रन बनाने वाले कप्तान शिखर धवन 31 गेंदों पर 13 रन की असहज पारी खेलकर पवेलियन लौट गये।

वर्ल्ड एथलेटिक्स पेरिस ओलंपिक से शुरू करेगा 'रेपरेज राउंड'

मोनाको, 25 जुलाई। विश्व एथलेटिक्स परिषद ने सोमवार को पेरिस में 2024 ओलंपिक खेलों के लिए नियमित प्रतियोगिता प्रारूप में एक नवाचार को मंजूरी दे दी, जिसमें बाधा दौड़ सहित 200 मीटर से 1500 मीटर की दूरी के सभी व्यक्तिगत ट्रैक स्पर्धाओं के लिए 'रेपेचेज राउंड' की शुरुआत की गई।

नए रेपेचेज प्रारूप में, जो एथलीट पहले राउंड की हीट में क्वालीफाई नहीं करते हैं, उनके पास रेपेचेज हीट में भाग लेकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने का दूसरा मौका होगा। यह पहले दौर की हीट (क्यू) में शीर्ष स्थान के अलावा सबसे तेज समय (क्यू) के माध्यम से आगे बढ़ने वाले एथलीटों की पूर्व प्रणाली की जगह लेगा।अब इन प्रतियोगिताओं में पहला चरण, रेपेचेज चरण, सेमीफाइनल और फाइनल सहित चार राउंड आयोजित होंगे। नये प्रारूप की बदौलत ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने वाले हर एथलीट के पास कम से कम दो मौके होंगे।

नए रेपेचेज प्रारूप में, जो एथलीट पहले राउंड की हीट में क्वालीफाई नहीं करते हैं, उनके पास रेपेचेज हीट में भाग लेकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने का दूसरा मौका होगा। शासी निकाय ने एक बयान में कहा कि चूंकि 100 मीटर में प्रथम राउंड से पहले प्रारंभिक हीट है, इस इवेंट में रेपेचेज को पेश नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, रेपेचेज को दूरस्थ स्पर्धाओं में पेश नहीं किया जाएगा क्योंकि राउंड के बीच उचित रिकवरी की आवश्यकता प्रारूप को अव्यवहारिक बनाती है।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा, रेपेचेज राउंड हमारे खेल को चरम ओलंपिक अवधि के दौरान अधिक जोखिम देगा और यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक निर्धारित किया जाएगा कि हमारे ओलंपिक कार्यक्रम की हर घटना सुर्खियों में बनी रहे।

साउथ अफ्रीका टी-20 लीग में डरबन फ्रैंचाइजी के प्रमुख कोच बने क्लूजनर

जोहानसबर्ग, 25 जुलाई। क्रिकेट साउथ अफ्रीका की नई टी20 लीग के लिए आरपीएसजी ग्रुप ने लांस क्लूज़नर को डरबन फ्रैंचाइज़ी का प्रमुख कोच नियुक्त किया है।

1996 और 2004 के बीच दक्षिण अफ्रीका के लिए 49 टेस्ट और 171 वनडे मैच खेलने वाले क्लूज़नर को अपने समय के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर में से एक माना जाता था। अपने टेस्ट करियर में उन्होंने 1906 रन जबकि वनडे करियर में 3576 रन बनाए। गेंद के साथ टेस्ट में उन्होंने 80 और वनडे में 192 विकेट अपने नाम किए। पूर्व क्रिकेटर होने के साथ-साथ क्लूज़नर अंतर्राष्ट्रीय कोच भी हैं।

2012 में साउथ अफ्रीकी घरेलू टीम डॉल्फ़िंस के साथ कोचिंग भूमिका निभाने के बाद 2016 में वह ज़िम्बाब्वे के बल्लेबाज़ी कोच के रूप में कार्यरत थे। 2015 में उन्हें इंग्लैंड के विरुद्ध घरेलू सीरीज़ के लिए साउथ अफ्रीकी निचले क्रम को मज़बूत करने का कार्य दिया गया था।

इन भूमिकाओं के अलावा क्लूज़नर आईपीएल में मुंबई इंडियंस के गेंदबाज़ी कोच भी रह चुके हैं। साथ ही उन्होंने दक्षिणअफ्रीका के सहायक बल्लेबाज़ी कोच के रूप में भी काम किया हैं। डरबन टीम का कोच नियुक्त किए जाने के बाद क्लूज़नर ने कहा, ''मुझे गर्व हो रहा है कि मैं आरपीएसजी परिवार से जुड़ रहा हूं।

संस्थागत नस्लीय मामलों का खुलासा होने के बाद क्रिकेट स्कॉटलैंड ने स्वतंत्र जांच शुरू की

एडिनबर्ग, 25 जुलाई। संस्थागत नस्लीय मामले आने के बाद क्रिकेट स्कॉटलैंड को अक्तूबर 2023 तक सख्त निगरानी में रखा गया है और वह स्पोर्ट स्कॉटलैंड से मिलने वाली सालाना 460,000 (3.75 करोड़ भारतीय रूपया) की रकम को गंवा भी सकती है। कंसल्टेंसी फ़र्म प्लान4स्पोर्ट द्वारा की गई चेंजिंग द बाउंड्रीज रिपोर्ट में संस्थागत नस्लवाद के कुल 448 उदाहरण सामने आए, जबकि क्रिकेट स्कॉटलैंड समस्या के पैमाने को मापने के लिए इस्तेमाल किए गए 31 परीक्षणों में से 29 में विफल रहा और मुश्किल से आवश्यक मानकों को पूरा कर पाया।

रविवार को रिपोर्ट के निष्कर्षों के बाद क्रिकेट स्कॉटलैंड के बोर्ड ने सामूहिक रूप से इस्तीफ़ा दे दिया और संस्थागत नस्लवाद से प्रभावित लोगों के लिए माफ़ी मांगी। यह सब दो विशेष खिलाड़ी माजिद हक़ और क़ासिम शेख़ के उत्पीड़न के आरोपों की समीक्षा के बाद हुआ, लेकिन यह भी स्वीकार किया गया कि समस्या का पैमाना खेल के मौजूदा शासन के दायरे से बाहर था।

प्लान4 स्पोर्ट की जांच ने स्कॉटिश क्रिकेट के सभी क्षेत्रों में लगभग 1000 प्रतिभागियों की गवाही ली और 68 व्यक्तिगत चिंताओं को रेखांकित किया जिन्हें आगे की जांच के लिए संदर्भित किया गया है, जिसमें 15 अलग-अलग लोगों, दो क्लबों और एक क्षेत्रीय संघ के खिलाफ नस्लवाद के 31 आरोप शामिल हैं। इनमें से कुछ को पुलिस स्कॉटलैंड को घृणा अपराध के रूप में भी संदर्भित किया गया है, जिसमें एक घटना भी शामिल है जिसको पहले ही अदालत में पेश किया जा चुका है। उल्लिखित आरोपों में नस्लीय दुर्व्यवहार, अनुचित भाषा, पब्लिक-स्कूल पृष्ठभूमि के बच्चों के प्रति पक्षपात और गैर-श्वेत खिलाड़ियों के चयन में पारदर्शिता की कमी शामिल है। जांच के दौरान किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 62 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने नस्लवाद या भेदभाव के अन्य रूपों की रिपोर्ट का अनुभव देखा या प्राप्त किया था।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि स्कॉटिश क्रिकेट के भीतर विविधता की कमी का मतलब है कि नस्लवादी घटनाओं से निपटने के लिए कोई सुसंगत प्रक्रिया नहीं थी और जिन लोगों ने मुद्दों को उठाया उन्हें ''अलग-थलग या अनदेखा'' किया गया। 2015 विश्व कप से स्वदेश भेजे जाने के बाद हक का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने कभी भी 54 वनडे मैचों के अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया। क्रिकेट स्कॉटलैंड के अंतरिम सीईओ, गॉर्डन आर्थर ने रिपोर्ट के निष्कर्षों को खेल के लिए एक शर्मनाक क्षण के रूप में बताया और उन सभी के लिए हार्दिक माफ़ी जारी की जो स्कॉटिश क्रिकेट में नस्लवाद और भेदभाव के शिकार हुए हैं। आर्थर ने कहा, ''खेल में जो नस्लवाद और भेदभाव हुआ है जिसे हम सभी प्यार करते हैं, उसे कभी नहीं होने देना चाहिए। हम पहचानते हैं कि इसका व्यक्तियों और उनके परिवारों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

हमें उम्मीद है कि रिपोर्ट उन्हें कुछ आश्वस्त करेगी कि उनकी आवाज़ सुनी गई है और हमें खेद है कि यह जल्दी नहीं हुआ।'' यह रिपोर्ट स्कॉटलैंड में क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है और इसकी सिफ़ारिशों को आगे बढ़ाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

श्रीलंका की फिरकी में उलझा पाकिस्तान

गॉल, 25 जुलाई। श्रीलंका ने रमेश मेंडिस (तीन विकेट) और प्रभात जयसूर्या (दो विकेट) की फिरकी की बदौलत दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन सोमवार को पाकिस्तान के सात विकेट झटक लिये। श्रीलंका के 378 रन के जवाब में पाकिस्तान सिर्फ 191 रन बना सकी है और 187 रन से पीछे चल रही है।

श्रीलंका ने पहली पारी में ओशादा फर्नांडिस (50), दिनेश चांदिमल (80), और निरोशन डिकवेला (51) के अद्धर्शतकों की बदौलत पहली पारी में 378 रन बनाये थे। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाज़ों ने विकेट में मौजूद उछाल का पूर्ण प्रयोग करते हुए पाकिस्तानी बल्लेबाज़ी की कमर तोड़ दी।

पहले टेस्ट में 160 रन की नाबाद पारी खेलकर पाकिस्तान को जिताने वाले अब्दुल्लाह शफीक पहली पारी में शून्य रन ही बना सके। इमाम-उल-हक़ (32) एक बार फिर अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं तब्दील कर पाये। कप्तान बाबर आज़म (16) को जहां जयसूर्या ने आउट किया, वहीं मेंडिस ने विकेटकीपर मोहम्मद रिज़वान (24) और फ़वाद आलम (24) को पवेलियन लौटाया। मध्यक्रम की असफ़लता के बाद आग़ा सलमान ने जुझारू पारी खेलते हुए अद्धर्शतक जड़ा, लेकिन वह भी दिन के अंत में जयसूर्या का शिकार हो गये। सलमान ने 126 गेंदों की अपनी पारी में चार चौकों और एक छक्के की बदौलत 62 रन बनाये। सलमान का विकेट गिरते ही दिन का खेल समाप्त कर दिया गया। यासिर शाह 61 गेंदों पर 13 रन बनाकर क्रीज़ पर मौजूद हैं, जबकि श्रीलंका दूसरी पारी में विशाल बढ़त हासिल करने की फिराक में है।

इससे पहले, श्रीलंका ने दूसरे दिन 315/6 के स्कोर से शुरुआत करते हुए अंतिम चार विकेट गंवाने से पहले 64 रन जोड़े। डिकवेला ने तेज़ खेलते हुए 54 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की बदौलत 51 रन बनाये। इसके अलावा रमेश मेंडिस ने 35 रन का महत्वपूर्ण योगदान दिया।

नसीम शाह ने दिन की शुरुआत में क्रीज़ पर मौजूद बल्लेबाज़ों को बिना समय व्यर्थ किये छोटी गेंदों की भेंट चढ़ाया। इसके बाद यासिर शाह ने एक गुगली और एक फ्लिपर की मदद से अंतिम दो विकेट चटकाये। नसीम और यासिर ने कुल तीन-तीन विकेट लिये। मोहम्मद नवाज़ ने दो जबकि नौमान अली ने एक विकेट हासिल किया।

शेफाली पीढ़ियों में एक बार आने वाली खिलाड़ी : मिताली

बई, 25 जुलाई। भारत की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और कप्तान मिताली राज ने सोमवार को कहा कि शेफाली वर्मा पीढ़ियों में एक बार आने वाली खिलाड़ी है जिसमें किसी भी विरोधी टीम के खिलाफ अकेले दम पर मैच जिताने की क्षमता है।

हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने वाली मिताली 18 साल की शेफाली के शॉट में जिस तरह की ताकत होती है उससे हैरान हैं। मिताली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 100 परसेंट 'क्रिकेट पोडकास्ट' पर कहा, ''मैं उसके खेल की बड़ी प्रशंसक हूं। मैंने देखा है कि वह ऐसी खिलाड़ी है जिसमें किसी भी आक्रमण या किसी भी टीम के खिलाफ भारत को अकेले दम पर जीत दिलाने की क्षमता है।'' शेफाली ने घरेलू क्रिकेट में खेलते हुए तुरंत ही मिताली पर छाप छोड़ी दी थी। मिताली ने कहा, ''मैंने शेफाली को भारतीय रेलवे के खिलाफ घरेलू मैच में खेलते हुए देखा था, उसने अर्धशतक जड़ा लेकिन मैं ऐसी खिलाड़ी की झलक देख सकती थी जो अपनी सिर्फ एक पारी से पूरे मैच को बदल सकती थी।'' उन्होंने कहा, ''जब वह चैलेंजर ट्रॉफी के पहले सत्र में वेलोसिटी के लिए खेली तो वह मेरी टीम की ओर से खेली और मैंने देखा कि उसमें क्षमता और ताकत है जो आपको इस उम्र में बेहद कम देखने को मिलती है। बाउंड्री के बाहर शॉट मारने की क्षमता। अपनी मर्जी से छक्के मारने की क्षमता।''

भारतीय टेबल टेनिस टीम के लिए आसान नहीं होगा बर्मिंघम में गोल्ड कोस्ट की बराबरी करना

लंदन, 25 जुलाई। पिछली बार गोल्ड कोस्ट में नई ऊंचाइयां हासिल करने वाली भारतीय टेबल टेनिस टीम यदि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 2018 की बराबरी भी कर लेती है तो यह उसके लिए बड़ी उपलब्धि होगी। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे। इनमें से दो स्वर्ण सहित आधे पदक मनिका बत्रा ने जीते थे जिसके बाद उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ गई थी।

दिल्ली की रहने वाली इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने सिंगापुर की ओलंपिक पदक विजेता फैंग तियानवेइ को एक बार नहीं बल्कि दो बार हराकर भारत को व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक दिलाया था। सिंगापुर की 35 वर्षीय खिलाड़ी अब बर्मिंघम में मनिका से बदला लेने के लिए तत्पर होंगी।

भारतीय महिला टीम इस समय थोड़ा बदली हुई नजर आएगी। विश्व में 41वीं रैंकिंग की मनिका के साथ श्रीजा अकुला, रीत ऋष्य और दिया चिताले भारतीय चुनौती पेश करेंगी। अपने पांचवें और आखिरी राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले रहे भारत के सर्वश्रेष्ठ टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल, सदाबहार जी साथियान, हरमीत देसाई और सानिल शेट्टी भारतीय पुरुष टीम की चुनौती पेश करेंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों से पहले भारतीय खिलाड़ियों ने पुर्तगाल में अभ्यास किया और उसके बाद हंगरी में प्रतियोगिता में भाग लिया। भारतीय टेबल टेनिस टीम का गठन करना आसान नहीं रहा क्योंकि तीन खिलाड़ियों ने चयन नहीं होने पर अदालत का दरवाजा खटखटा दिया था। इनमें से केवल चिताले को ही फायदा हुआ जिन्हें अर्चना कामत की जगह टीम में लिया गया। कामत खेलों में मनिका के साथ युगल जोड़ी बना सकती थी।

चार सदस्यीय पुरुष दल में वही खिलाड़ी शामिल है जिन्होंने गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लिया था। इन खिलाड़ियों को काफी अनुभव है और उम्मीद की जा रही है कि वह टीम खिताब का बचाव करने में सफल रहेंगे। भारत को टीम स्पर्धा में इंग्लैंड और नाइजीरिया के बाद तीसरी वरीयता मिली है।

एकल में आखिरी बार 2006 में मेलबर्न में स्वर्ण पदक जीतने वाले 40 वर्षीय शरत ने कहा, ''इंग्लैंड की टीम नाइजीरिया की तुलना में थोड़ा मजबूत है। हमारा लक्ष्य निश्चित तौर पर व्यक्तिगत के अलावा टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतना है।''

तीनों प्रारूप खेलना खिलाड़ियों के लिए कठिन : डिकॉक

जोहानसबर्ग, 25 जुलाई। क्विंटन डिकॉक ने भले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है लेकिन वह अभी भी सालभर व्यस्त रहने जा रहे हैं क्योंकि उन्होंने अलग-अलग देशों के टी20 लीग में खेलने का फ़ैसला किया है। हालांकि उन्हें सबसे लंबे प्रारूप को छोड़ने के अपने फ़ैसले पर कोई पछतावा नहीं है।

डिकॉक ने 2021 के अंत में, पहली बार पिता बनने से कुछ समय पहले, घर पर अधिक समय बिताने की इच्छा का हवाला देते हुए टेस्ट क्रिकेट छोड़ दिया था। हालांकि उनकी यह इच्छा अभी भी पूरी नहीं हुई है। टेस्ट से हटने के बाद पहली बार प्रेस वार्ता में डिकॉक ने कहा, इस (निर्णय) ने मेरे कैलेंडर को खाली नहीं किया है - कम से कम इस साल तो नहीं। मुझे कुछ लीग खेलने के लिए चुना गया है लेकिन यह मेरा अपना निर्णय है। यह अभी भी एक बलिदान है लेकिन मैं धीरे-धीरे एक ऐसी उम्र में पहुंच रहा हूं जहां मुझे यह सोचने की ज़रूरत है कि मैं कहां खेलना चाहता हूं। जब तक मैं इसे कर सकता हूं तब तक मैं ख़ुश हूं।

द्रोपदी मुर्मू सोमवार को देश की पन्द्रहवीं राष्ट्रपति बनी। इस सर्वोच्च पद पर पहुंचने वाली वे देश की दूसरी महिला एवं आदिवासी समुदाय की पहली नेता हैं। इसके साथ ही वे स्वतंत्र भारत में जन्मी देश की प्रथम और सबसे युवा राष्ट्रपति हैं। उन्होंने अपने प्रथम संबोधन में कहा कि "मैं अपने देश के युवाओं से कहना चाहती हूं कि आप ना केवल अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं, बल्कि भविष्य के भारत की नींव भी रख रहे हैं और मेरा राष्ट्रपति बनना देश के प्रत्येक गरीब की उपलब्धि है तथा इस बात का प्रमाण भी है कि भारत में गरीब सपने देख सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है।" शपथ ग्रहण समारोह के बाद मुर्मू और निवर्तमान राष्ट्रपति कोविंद संसद भवन से पारंपरिक तरीके से काफिले के साथ राष्ट्रपति भवन के लिए रवाना हो गये। राष्ट्रपति भवन में मुर्मू ने सेना के तीनों अंगों की सलामी ली। कोविंद ने मुर्मू के साथ राष्ट्रपति कार्यालय तक छोड़ने की औपचारिकता पूरी की। इसके कुछ देर बाद उन्होंने सलामी गारद की अंतिम सलामी ली और विदाई समारोह के बाद वह राष्ट्रपति भवन से अपने नये निवास की ओर रवाना हो गये। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के लिए संसद भवन आने से पहले मुर्मू राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि, राजघाट गईं और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

'राज्य सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण की स्थाई बैंच जोधपुर में स्थापित हो'

राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिए

- **राजस्थान हाई कोर्ट की, जस्टिस संदीप मेहता और कुलदीप माथुर की बैंच ने कहा कि, जब तक जोधपुर में राज्य सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण की स्थाई पीठ नहीं बन जाती, तब तक चल पीठ ही काम करेगी।**

जोधपुर, 25 जुलाई (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश संदीप मेहता और न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने जोधपुर क्षेत्राधिकार में बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि राज्य सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण की स्थाई पीठ जोधपुर में स्थापित करें। उन्होंने राज्य के प्रमुख विधि सचिव को निर्देश दिए हैं कि राज्य के अधिकारियों से सामंजस्य कर स्थाई पीठ गठित करने पर तत्काल कार्रवाई प्रारंभ करें। उन्होंने कहा कि इसके वास्ते आधारभूत ढांचा, संसाधन, स्टाफ आदि की कार्रवाई जल्द से जल्द पूर्ण की जाएं और साथ ही जोधपुर पीठ के वास्ते अतिरिक्त सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ करें।उन्होंने निर्देश दिए कि जोधपुर में जब तक स्थाई पीठ गठन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं होती है, तब तक अंतरिम रूप से जोधपुर में अधिकरण की चलपीठ प्रति माह 8 प्रभावी दिन न्यायिक कार्रवाई करें।

राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नाथूसिंह राठौड़ ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से दायर जनहित याचिका पर पैरवी करते हुए कहा कि गत 8 दिसंबर को खंडपीठ ने अधिकरण अध्यक्ष को निर्देश दिए थे कि चलपीठ जोधपुर में प्रतिमाह 5 दिन कार्य करें। अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप शाह द्वारा जनवरी 2004 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिए जाने पर खंडपीठ ने 8 अप्रैल को 5 दिन का आदेश वापिस ले लिया। इस पर एसोसिएशन की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर बताया गया कि अधिकरण सदस्य जोधपुर चल पीठ के दौरान मंगल,बुध और गुरुवार को कार्य करते हैं और सोमवार तथा शुक्रवार को कहीं पर भी न्यायिक कार्रवाई नहीं करते हैं। इस पर खंडपीठ ने अधिकरण अध्यक्ष को हलफनामा पेश करने के निर्देश पर उन्होंने शपथ पत्र पेश कर कहा कि गत 30 अप्रैल तक जयपुर पीठ में 6272 और जोधपुर में महज 747 प्रकरण ही लंबित है और इस साल के पहले चार माह में जयपुर में 535 और जोधपुर में 25 प्रकरण ही दर्ज हुए हैं। इस पर खंडपीठ ने 26 मई को अधिकरण अध्यक्ष को जिलावार प्रकरण बाबत हलफनामा पेश करने का निर्देश दिया।

राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश संदीप मेहता और न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने अपने आदेश में कहा कि अधिकरण अध्यक्ष ने 25 मई का हलफनामा अपनी विशिष्ट शैली में दिया है और 19 जुलाई के शपथ पत्र से यह इंगित हो रहा है कि कुल 7019 लंबित प्रकरण में से जोधपुर मुख्य पीठ के क्षेत्राधिकार में 2655 और जयपुर में 4364 प्रकरण है, सो जोधपुर में एक माह में तीन दिन ही न्यायिक कार्रवाई करने को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन का यह कहना सही है कि अधिकरण "न्याय आपके द्वार" सिद्धांत के अनुरूप कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के वर्ष 2004 के आदेश के बाद हालात काफी बदल गए हैं। अब प्रकरणों की तादाद में अत्यधिक वृद्धि होने से माह में तीन दिन ही न्यायिक कार्रवाई किया जाना फरीकों और वकीलों के लिए असुविधाजनक होगा और न्याय आपके द्वार उद्देश्य के खिलाफ होगा।

उन्होंने कहा कि न्याय हित में यह अत्यावश्यक है कि जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ गठित की जाएं। उन्होंने राज्य सरकार को निर्देश दिए कि जोधपुर में राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण की स्थाई पीठ गठित करें। भारत सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल मुकेश राजपुरोहित, हाईकोर्ट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. सचिन आचार्य और अन्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता सुनील बेनीवाल ने पैरवी की।

'कोर्ट में झूठी जानकारी देने पर कार्रवाई की क्या है व्यवस्था'

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने, कोर्ट को झूठी व गलत जानकारी देने को गंभीर मानते हुए गृह सचिव को कोर्ट में 5 अगस्त को हाजिर होकर जवाब पेश करने के आदेश दिये।**

जयपुर, 25 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस विभाग की ओर से अदालत में झूठी व गलत जानकारी देने को गंभीर मानते हुए गृह सचिव और डीजीपी को 5 अगस्त को हाजिर होने के आदेश दिए हैं। अदालत ने दोनों अधिकारियों को रिपोर्ट पेश कर बताने को कहा है कि पुलिस विभाग के इस रवैये को दूर करने के लिए क्या विभागीय कार्रवाई की गई और इसका क्या एक्शन प्लान है। जस्टिस समीर जैन ने ये आदेश गांजा तस्करी के मामले में आरोपी लूशी की अग्रिम जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि बार-बार देखा जाता है कि पुलिस कोर्ट में झूठी, गलत और पुरानी जानकारी दे रही है। इससे न्याय की प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। ऐसा होना गंभीर व व्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ खिलवाड़ और संवैधानिक अधिकारों का हनन है।

याचिका में कहा गया कि अजमेर के दरगाह थाना पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में याचिकाकर्ता का नाम एफआईआर में न होने पर भी उसे आरोपी बनाया। वहीं कोर्ट में उसके खिलाफ गलत जानकारी देकर चार केस लंबित होना बताया, जबकि उसके खिलाफ दो केस ही लंबित हैं और वह दो केसों में बरी हो गई है। अदालत के निर्देश की अनुपालना में अजमेर एसपी चूनाराम जाट ने पेश होकर माना कि पुलिस विभाग से गलती हुई है और जांच रिपोर्ट बनाने वाले पुलिसकर्मी को चार्जशीट दे दी गई है। वहीं सरकारी वकील शेरसिंह महला ने कहा कि कोर्ट से बरी होने के बाद इसकी सूचना जेल प्रशासन को मिलती है, लेकिन संबंधित थाने में इसकी सूचना पहुंचने की कोई व्यवस्था नहीं है। संबंधित व्यक्ति ही थाने में अपने बरी होने के बारे में जानकारी देता है। इसलिए जो रिपोर्ट पुलिस देती है, उसे कोर्ट में पेश किया जाता है। इस पर अदालत ने गृह सचिव और डीजीपी को पेश होकर जानकारी देने को कहा है।

'कांग्रेस विधायक बोले, जब से पुलिस कमिश्नरेट बना है, अपराधों की संख्या भी बढ़ी है'

विधायक वेद पाल सोलंकी ने प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय पर हो रही जन सुनवाई में जयपुर पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाया

जयपुर, 25 जुलाई (का.प्र.)। कांग्रेस विधायक वेद प्रकाश सोलंकी का कहना है कि जब से जयपुर पुलिस कमिश्नरेट बना है, तब से अपराधों में वृद्धि हुई है। खासतौर पर जयपुर ग्रामीण के जितने भी थाने हैं, उनमें अपराधियों का बोलबाला बढ़ा है। ऐसे में जयपुर ग्रामीण के सभी थानों को जयपुर कमिश्नरेट से हटाकर एसपी के हवाले कर देना चाहिए ताकि ज्यादा मानिटरिंग हो पाए।

सोलंकी ने कहा कि जयपुर में पुलिस कमिश्नरेट बनने के बाद से चोरियों का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। उन्होंने खुद के विधानसभा क्षेत्र के 2 थानों चाकसू और कोटखावदा को लेकर कहा कि "दोनों ही क्षेत्रों में नाकारा-निकम्मे पुलिस वालों को लगा रखा है, जो बजरी माफिया और भू माफियाओं से मिलकर उनके काम कर रहे हैंऐसे में अपराधों को रोकने पर उनका कोई ध्यान नहीं है। सोलंकी ने यह भी कहा कि नाकारा निकम्मे पुलिस वालों को हटाकर कर्मठ पुलिस वालों को लगाना चाहिए। यह बात मैं विधानसभा में भी उठा चुका हूं और फिर मुख्यमंत्री से मिलकर बात करूंगा।"

दरअसल विधायक वेद सोलंकी उनके विधानसभा क्षेत्र से चोरी हुए एक बकरे को पुलिस वालों की ओर से 2000 रुपये में किसी और को बेचने के मामले में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर हो रही जनसुनवाई में क्षेत्रीय लोगों के साथ आए थे। जनसुनवाई में उन्होंने खेल मंत्री अशोक चांदना को बाकायदा सबूत के तौर पर वीडियो रिकॉर्डिंग भी दी। इन्होंने जयपुर की कोटखावदा पुलिस पर कार्रवाई की मांग की। इस दौरान मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि यदि पुलिस ने इस तरह की वारदात की है तो निश्चित तौर पर उन पर कार्यवाही होगी।

- **जयपुर ग्रामीण के पुलिस थानों को कमिश्नरेट से हटाकर पुलिस अधीक्षक की देखरेख में करने की मांग उठाई, जिससे ज्यादा मॉनिटरिंग हो पाये।**

विधायक सोलंकी और ग्रामीणों ने जनसुनवाई में ज्ञापन देकर कहा कि 22 जुलाई को कोटखावदा थाने में बकरा-बकरी चोरी का केस दर्ज करवाया गया था। बकरी तो मिल गई, लेकिन बकरा पुलिसवालों ने मिलीभगत करके एक व्यक्ति को बेच दिया। इसके पूरे सबूत हैं, जिस व्यक्ति के पास बकरा मिला, उसने साफ कहा कि यह बकरा उसे पुलिसवाले 2000 रुपए में बेचकर गए हैं। सोलंकी ने कहा पुलिस इतनी गिर गई कि बकरा बेचने लगी। हमारे मवेशी कहां सुरक्षित रहेंगे, जब रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे। इसलिए मजूबरी में मुझे यह शिकायत लेकर आना पड़ा। इस पूरी घटना के वीडियो सबूत तक हमने दिए हैं।

मंत्री अशोक चांदना ने इस पर कहा कि अफसरों के साथ नजरिए का टकराव है। यह आगे भी जारी रहेगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रमुख सचिव कुलदीप राका के साथ हुए टकराव के बाद मंत्री पद को जलालत भरा बताने वाले अशोक चांदना ने कहा मैंने एक अधिकारी के बारे में लिखा था। जनता की जो समस्याएं होती है, उनको एक ब्यूरोक्रेट अलग नजरिए से देखता है। हम नेताओं को रोज जनसुनवाई करनी पड़ती है। हम उन्हीं समस्याओं को अलग नजरिए से देखते हैं। यह नजरिये का टकराव है, यह शुरू से चलता आया है। सरकार भले ही किसी की रही हो और यह आगे भी चलता रहेगा, यह कभी बंद नहीं होगा। इसकी कोई गारंटी नहीं है कि 2 दिन बाद दोबारा यह टकराव नहीं होगा।

चांदना ने कहा इश्यूज तो रोज नए आते हैं। जब नजरिया अलग होता है तो उसमें टकराव हो जाता है। नेताओं का देखने का नजरिया अलग होता है। हम जनता की नजर से देखते हैं। हम फर्स्ट हैंड देखते हैं। हमारी परीक्षा हर 5 साल में होती है। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव से शिकायत दूर होने और उस समय उठाए मुद्दे के समाधान पर चांदना ने कहा कि पुराने मुद्दे पर दो से तीन बार जवाब दे चुका हूं, उसमें वही बात है।

24 जजों की नियुक्ति की सिफारिश

नई दिल्ली, 25 जुलाई। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने सोमवार को चार न्यायिक अधिकारियों और 20 वकीलों को पदोन्नत कर पांच अलग-अलग उच्च न्यायालयों में न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति की सिफारिश की। शीर्ष अदालत द्वारा जारी अलग-अलग बयानों के अनुसार, तेलंगाना उच्च न्यायालय के लिए छह, उड़ीसा उच्च न्यायालय के लिए एक और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के लिए 13 वकीलों को पदोन्नत कर उन्हें न्यायाधीश के पद पर नियुक्ति की सिफारिश की गई है। कॉलेजियम ने हिमाचल प्रदेश और गुवाहाटी उच्च न्यायालयओं के दो-दो न्यायिक अधिकारियों को न्यायाधीश बनाने का सुझाव दिया है।

- **सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने हाईकोर्ट्स के लिए 24 जजों की नियुक्ति की सिफारिश की है।**

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा शिवसेना का चुनाव चिन्ह विवाद

शिंदे खेमा शिव सेना के अधिकृत चुनाव चिन्ह तीर कमान पर दावा कर रहा है, इसके लिए उसने चुनाव आयोग में याचिका दायर की है और उद्धव ठाकरे गुट ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है

नयी दिल्ली, 25 जुलाई (वार्ता) शिवसेना के चुनाव चिन्ह का विवाद अब उच्चतम न्यायालय में पहुंच गया है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की नेतृत्व वाली शिवसेना ने उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और पार्टी के अन्य नेताओं की ओर से उन्हें बतौर असली शिवसेना की मान्यता देने संबंधी याचिका पर चुनाव आयोग की कार्यवाही पर रोक लगाने आदेश देने की गुहार लगाई है।

शिवसेना के महासचिव सुभाष देसाई ने अपनी याचिका में बागी विधायकों (शिंदे खेमा) की अयोग्यता पर शीर्ष न्यायालय का अंतिम फैसला आने तक 22 जुलाई को चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई कार्यवाही पर रोक लगाने गुहार लगाई है।

याचिका में कहा गया है कि शीर्ष न्यायालय के समक्ष 20 जुलाई 2022 को महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष की ओर से पेश वकील ने आश्वासन दिया था कि दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता के मामले में आगे कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी। शीर्ष न्यायालय के समक्ष दायर याचिका में कहा गया है कि शिंदे और अन्य ने कथित तौर पर चुनाव चिन्ह (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 (प्रतीक आदेश) के पैरा 15 के तहत असली शिवसेना" के रूप में मान्यता देने की चुनाव आयोग से मांग की है।

- **शिवसेना के महासचिव सुभाष देसाई ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा, बागी विधायकों की अयोग्यता के मामले में सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने तक चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई कार्यवाही पर रोक लगाई जाए।**

शिंदे खेमा शिवसेना को आवंटित चुनाव चिन्ह "तीर कमान" का उपयोग करने के अधिकार का दावा कर रहा है।

देसाई की याचिका में कहा गया है कि चूंकि विधानसभा के सदस्यों के रूप में अध्यक्ष के समक्ष याचिका दायर करने वाले व्यक्तियों की स्थिति वर्तमान में अनिश्चित है। यह मुद्दा शीर्ष अदालत के समक्ष निर्णय के लिए लंबित है, इसलिए इन व्यक्तियों (शिंदे एवं उनके नेतृत्व में सरकार बनाने वाले बागी शिवसेना नेताओं) को विधायक नहीं माना जा सकता है।

कोटा बैराज के 11 गेट खोले

- **जवाहर सागर बांध से पानी आने की वजह से कोटा बैराज से 1.10 लाख क्यूसैक लीटर पानी की निकासी की गई। इससे निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बढ़ गया है।**
- **बारिश की वजह से चंबल का जल स्तर बढ़ रहा है इसलिए चंबल पर बने बांधों से पानी की निकासी करनी पड़ रही है।**

कोटा, 25 जुलाई (निसं)। चंबल के कैचमैंट एरिया में लगातार बरसात की वजह से चंबल का जलस्तर बढ़ता ही जा रहा है। इसके लिए चंबल पर बने बांधों के गेट खोल कर पानी की निकासी की जा रही है।

जवाहर सागर बांध से 90,000 क्यूसेक लीटर पानी आने के कारण कोटा बैराज के 11 गेट खोलकर 1,10,000 क्यूसेक लीटर पानी की निकासी की गई है। कोटा बैराज की भराव क्षमता 854 फीट है और इसके 19 गेट हैं। यहां से एक साथ अधिकतम साढ़े सात लाख क्यूसेक लीटर पानी की निकासी की जा सकती है। इससे लगभग साढ़े छः लाख हैक्टेयर भूमि सिंचित होती है।

वर्तमान में कोटा बैराज का जलस्तर 853 पॉइंट 50 फीट पहुंच गया है। इसको 852 फीट तक मेंटेन करना है। पानी की आवक होने से 19 में से 6 गेट 5-5 फीट व पांच गेट चार-चार फीट तक खोले गए हैं। एक लाख क्यूसेक लीटर से अधिक पानी निकासी के कारण निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा हो गया है, और जिला प्रशासन के द्वारा निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। कोटा बैराज के 11 गेट खोलने के पश्चात लोगों की भीड़ पानी की निकासी को देखने के लिए उमड़ पड़ी।

ऐसे में व्यवस्थाएं बनाए रखने के लिए पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी। लोगों की भीड़ सेल्फी लेती नज़र आई।

पांच दिन बाद नए करोना संक्रमितों की संख्या दो सौ के नीचे आई राजस्थान में

प्रदेश में सोमवार को 187 नए संक्रमित मिले हैं, इससे पहले रविवार को 213 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 25 जुलाई। प्रदेश में पांच दिन बाद सोमवार को नए करोना संक्रमितों की संख्या दौ सौ के नीचे आ गई है। इस दौरान राज्य में 187 नए मरीज मिले हैं। हालाकि इस बीच लगातार रिकवरी में कमी आने से एक्टिव केस सोलह सौ से ऊपर बने हुए हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में थोड़ी गिरावट के बाद 18 जिलों में 187 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 213 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में नए संक्रमितों की संख्या में वृद्धि हुई है। यहां 60 नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 25, जालोर में 17, जैसलमेर में 16, राजसमंद में 12, उदयपुर में 10, डूंगरपुर में 9, अलवर, बीकानेर व सिरोही में 6-6, चित्तौड़गढ़ व झालावाड़ में 4-4, अजमेर, गंगानगर व प्रतापगढ़ में 3-3 और दौसा, कोटा तथा सीकर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच 15 जिलों बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चूरू, धौलपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, करौली, नागौर, पाली, सवाई माधोपुर और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

- **राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 60 नए मरीज मिले हैं।**
- **राज्य में रिकवरी कम होने से एक्टिव केस सोलह सौ के ऊपर पहुंच गए हैं।**

प्रदेश में सोमवार को भी नए संक्रमितों के मुकाबले में रिकवरी कम हुई है। इस दौरान 177 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 1632 हो गए हैं। राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 368 एक्टिव केस मौजूद हैं। वहीं जोधपुर में आज 52 संक्रमितों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 341 रहे गए हैं। प्रदेश में सोमवार को भी किसी संक्रमित की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9577 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

जयपुर में सोमवार को सबसे ज्यादा 9 संक्रमित सांगानेर इलाके में मिले हैं। इसके अलावा दुर्गापुरा, मालवीय नगर, सी-स्कीम व विद्याधर नगर में 5-5, अजमेर रोड, जवाहर नगर व वैशाली नगर में 4-4, जगतपुरा व सोड़ाला में 3-3 तथा बापू नगर, बस्सी, चौड़ा रास्ता, सीविल लाइंस, गांधी नगर, लूणियावास, महेश नगर, मानसरोवर और तिलक नगर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 5 मरीजों के पते गलते मिलने पर उन्हें ट्रेस किया जा रहा है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 43 मरीज रिकवर हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वरिष्ठ एडवोकेट शेखर नफाडे, जो इस याचिका का विरोध करने वाले आवंटियों की ओर से प्रस्तुत हुये थे, ने कहा कि इस मुद्दे को अदालत के समक्ष एक याचिका के जरिये उठाने के बजाय, अदालत के प्रशासकीय विभाग के समक्ष उठाया जाना चाहिये। पिछले सप्ताह, इस याचिका की त्वरित सुनवाई का अनुरोध किया गया था, उस समय मुख्य न्यायाधीश ने मौखिक टिप्पणी की थी कि वकीलों को "भव्य चैम्बरों" की अपेक्षा नहीं करनी चाहिये तथा उन्हें स्वयं को भाग्यशाली मानना चाहिये कि उन्हें दिल्ली में जगह आवंटित हो गई है।

सांसद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालांकि, लगभग सभी कांग्रेस सांसद वैल में नारे बाजी कर रहे थे और कई सांसदों ने तख्तियाँ उठाई हुई थीं, पर संसदीय मामलात मंत्री ने केवल चार सांसदों का नाम लिया। जब वे प्रस्ताव पेश कर रहे थे तब भी विपक्ष के कई सदस्यों ने "न्याय-न्याय" के नारे लगाए। दिन के शुरु में, सदन की कार्रवाई तीन बजे तक के लिए स्थगित करते हुए स्पीकर ओम बिड़ला ने चेतावनी देते हुए कहा था कि, "कार्यवाही करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है" और जो लोग सदन में तख्तियाँ लाए हैं उन्हें कार्रवाई में शामिल नहीं होने दिया जाएगा।

विज्ञान पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बजट में 3.9 प्रतिशत कटौती पहले ही कर चुकी है।"

राहुल ने प्रधानमंत्री से कहा, "अपने गब्बर सिंह टैक्स के कारण विज्ञान के लिये मुसीबत खड़ी मत होने दीजिये।" उन्होंने कहा, "वैज्ञानिक विकास किसी देश के विकास की आधारशिला होता है। भाजपा सरकार द्वारा वैज्ञानिक शोध के लिये आवंटित होने वाले फंड को कम करना भारत के शओध परिस्थिक तंत्र (रिसर्च इकोसिस्टम) के लिये चिंतनीय लक्षण है।"

वोटर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उल्लंघन" बताया था तथा कहा था कि यह "असंवैधानिक एवं अधिकारातीत (अल्ट्रावायर्स) है।" उनकी दलील यह है कि यह लिंकेज मतदाताओं पर सीमाबंधन एवं नियंत्रण थोप देगी तथा उन्हें इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन अफसर के सम्मुख अपनी पहचान सिद्ध करने पड़ेगी जिसके लिये मतदाता को अपना आधार विवरण देना होगा तथा इस प्रकार उसका व्यक्तिगत एवं निजी डाटा सरकारी अधिकारियों के पास पहुंच जायेगा।

साढ़े 3 साल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के कार्यकाल में 535 तबादला सूचियां जारी की थी। ऐसे में लगता है कि अशोक गहलोत सरकार जब अपना कार्यकाल पूरा करेगी तब तक वह वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में तबादलों की सूचियों का रिकॉर्ड तोड़ चुकी होगी।

ममता बनर्जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टिप्पणी में कहा है कि पार्थो के पैसों से पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है।

ममता द्वारा अपने इस पूर्व साथी एवं सहयोगी के समर्थन पूरी तरह हाथ खींच लेना बहुतों को हतोत्साहित करने वाला सिद्ध होगा। उनके ये वफादार अधिकांशतः उनके ही हुक्म पर कार्य किया करते थे। अब अगर वे किसी झंझट में फंसेंगे, तो उन्हें अपना बचाव खुद ही करना होगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908